अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 14 अंक 348 लखनऊ, सोमवार, 07 जुलाई 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

बिहार में मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं:चुनाव आयोग

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने रविवार को कहा कि बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं किया गया है और प्रक्रिया सुचारू रूप से जारी है। आयोग ने एक बयान में कहा कि कुछ लोग प्रक्रिया में बदलाव की अफवाह फैला रहे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि ' विशेष गहन पुनरीक्षण' प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं किया गया है। आयोग ने एक विज्ञप्ति में कहा , ' बिहार एसआईआर का प्रारंभिक चरण पूरा हो गया है, प्रपत्रों की छपाई और वितरण लगभग पूरा हो गया है, एसआईआर में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जैसा कि कुछ लोगों द्वारा अफवाह फैलाई जा रही थी। आयोग ने कहा है कि अब तक राज्य भर में 1.69 करोड़ (21.46%) गणना-प्रपत्र एकत्र किए जा चुके हैं और, 7.25 प्रतिशत गणना-पत्र आयोग के आनलाइन ऐप ईसीआईनेट पर अपलोड किए गए है।

विश्व बैंक की रिपोर्ट तोड़ मरोड़ कर पेश कर रही है सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि भारत में गरीबी और समानता पर विश्व बैंक की रिपोर्ट तोड़ मरोड़ कर पेश की जा रही है तथा रिपोर्ट के परिणाम को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल की उपलब्धि बताकर उनकी प्रशंसा की जा रही है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने रविवार को यहां जारी बयान में कहा कि इस वर्ष अप्रैल में विश्व बैंक ने भारत के लिए अपनी 'पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ' जारी की थी। लेकिन इसके तीन महीने बाद, मोदी सरकार की जयकारा मंडली इस रिपोर्ट के आंकड़ों को तोड़-मरोड़ कर यह भ्रामक दावा कर रही है कि भारत दुनिया के सबसे अधिक समानता वाले समाजों में से एक है।

एलन मस्क ने अमेरिका में नयी राजनीतिक पार्टी की घोषणा की

लॉस एंजिल्स। मशहूर अरबपति एलन मस्क ने अपनी राजनीतिक पार्टी बनाने की घोषणा की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से विवाद के कुछ हफ़्तों बाद एलन मस्क ने यह घोषणा की है। एलन मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर बताया कि उन्होंने 'अमेरिका पार्टी' बनाई है। इसका मकसद अमेरिका में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों की दो-दलीय राजनीति को चुनौती देना होगा। एलन मस्क ने कहा अमेरिका पार्टी आपको आपकी स्वतंत्रता वापस दिलाने के लिए बनाई गई है ।

भारत की एकता और अखंडता के लिए समर्पित रहा डा. श्यामा मुखर्जी का जीवन : योगी

मुख्यमंत्री योगी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

● प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉ. मुखर्जी के सपनों को किया साकार, कश्मीर में धारा 370 को किया समाप्त

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे याद किया। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 को हुआ था। उन्होंने मात्र 33 वर्ष की उम्र में कोलकाता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति के रूप में अपनी सेवाएं दीं। वह एक प्रखर वक्ता, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और महान शिक्षाविद थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का पूरा जीवन राष्ट्र माता के लिए समर्पित किया था। बंगाल के अकाल के दौरान उनकी सेवाएं पूरा देश स्मरण करता है। उनका जीवन भारत की एकता और अखंडता के लिए समर्पित रहा। डॉ. मुखर्जी ने आजादी के बाद पंडित नेहरू के नेतृत्व में बनी पहली सरकार में भारत के खाद्य एवं उद्योग मंत्री के रूप में देश में खाद्य की आत्मनिर्भरता और औद्योगीकरण की नींव रखी थी, जो नए भारत में भी स्पष्ट देखने को मिलता है। उन्होंने नेहरू सरकार के तुष्टीकरण के नीति के विरोध में मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया था। इतना ही नहीं भारतीय जन संघ का गठन और उसके पहले अध्यक्ष होने के साथ जब भारत के संविधान में नेहरू सरकार ने कश्मीर को 370 धारा के माध्यम से अलग स्टेटस देने का प्रयास किया और परमिट सिस्टम जम्मू कश्मीर के लिए लागू किया, उसके खिलाफ सबसे पहले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने ही आवाज उठायी थी।

उत्तर प्रदेश सरकार ने फूल उत्पादकों के लिए किया मंडी शुल्क माफ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फूल उत्पादकों को बड़ी राहत देते हुए सभी प्रकार के फूलों को 'निर्दिष्ट कृषि उपज' की श्रेणी से हटाकर 'गैर-निर्दिष्ट' श्रेणी में डाल दिया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि फूल जल्दी खराब होने वाले और समय के लिहाज से बहुत संवेदनशील होते हैं। मंडियों में पहुंचने में देरी होने से उनकी गुणवत्ता खराब हो जाती है, जिससे किसानों को उचित मूल्य नहीं मिल पाता। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि मंडी परिसर के बाहर फूल बेचने पर मंडी शुल्क नहीं लिया जाएगा। इस निर्णय से विशेष रूप से छोटे, सीमांत और मौसमी फूल उत्पादकों को महत्वपूर्ण सहायता मिलने की उम्मीद है।

कल योगी की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश राज्य कृषि उत्पादन मंडी बोर्ड की 171वीं बोर्ड बैठक में यह बड़ी घोषणा की गई।

नए नियम के अनुसार फूल उत्पादकों को अब मंडी के बाहर किए गए लेन-देन पर कोई शुल्क नहीं देना होगा। मंडी के अंदर केवल यूजर चार्ज लागू होगा।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि मंडी परिषद महज एक संस्थागत संस्था नहीं है, बल्कि किसानों के सम्मान, अधिकारों और आर्थिक सशक्तिकरण को कायम रखने का सशक्त माध्यम है।

उन्होंने दृढ़ता से कहा कि मंडियों को ऐसे स्थान के रूप में विकसित किया जाना चाहिए, जहां किसान अपनी उपज को सुविधाजनक, सुरक्षित और सम्मान के साथ बेच सकें। उन्होंने मंडियों को जवाबदेह, पारदर्शी और तकनीक-संचालित बनाने की जरूरत पर भी जोर दिया, ताकि वे राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन सकें।

मुख्यमंत्री ने मंडी परिषद के अंतर्गत आने वाली सभी प्रमुख कृषि मंडियों में 'शबरी कैंटीन' की स्थापना के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन कैंटीनों में महज भोजन ही नहीं, बल्कि लाभ की बजाय सेवा की भावना से संचालित किफायती, स्वस्थ और स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इन कैंटीनों के लिए भूमि मंडी परिषद द्वारा निशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी, जबकि संचालन गैर-सरकारी या स्वैच्छिक संगठनों द्वारा किया जाएगा।

योगी ने राज्य भर में आवश्यकतानुसार नई मंडियों की स्थापना के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल की खोज करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने लखनऊ के गोमतीनगर के विकल्प खंड में चल रही एग्रीमॉल परियोजना को शीघ्र पूरा करने का आग्रह किया।

मिठास एवं प्रगति का संगम बना उत्तर प्रदेश आम महोत्सव

● आम महोत्सव बागवानों के लिए उत्पादों को प्रदर्शित करने का मंच : अरुण कुमार सक्सेना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। अवध शिल्प ग्राम, लखनऊ में तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2025 का समापन रविवार को पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विजेताओं को सम्मानित किया।

इस समापन समारोह में वन एवं पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा. अरुण कुमार सक्सेना, आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल, विधान परिषद सदस्य जितेन्द्र सिंघल, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव, जिला पंचायत, रायबरेली की अध्यक्ष रंजना चौधरी, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अपर मुख्य सचिव बी.एल. मीणा, निदेशक भानु प्रकाश राम संयुक्त निदेशक सर्वेश कुमार व राजीव वर्मा सहित वरिष्ठ विभागीय अधिकारी और विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

ब्रिक्स में अधिक समावेशी और समतापूर्ण वैश्विक भविष्य को आकार देने की अपार क्षमता है: मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ब्राजील में आयोजित विकासशील देशों के गठबंधन ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन के पूर्व ब्रिक्स नेताओं के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए उन्होंने कहा कि ब्रिक्स में अधिक समावेशी और समतापूर्ण वैश्विक भविष्य को आकार देने की अपार क्षमता है।

एक्स पर तस्वीर साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वे ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में आयोजित शिखर सम्मेलन में साथी ब्रिक्स नेताओं के साथ, घनिष्ठ सहयोग और साझा विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। प्रधानमंत्री 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने आज ब्राजील के शहर रियो डी जनेरियो पहुंचे। अपनी चार दिवसीय यात्रा में वे ब्रासीलिया में राजकीय मेहमान बन राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। उनके पहुंचने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ब्रिक्स सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं प्रधानमंत्री ने एक पोस्ट में आशा व्यक्त की कि यात्रा के दौरान होने वाली बैठकें एवं मुलाकातें उत्पादक रहेंगी। होटल पहुंचने पर प्रधानमंत्री का भारतीय समुदाय ने स्वागत भी किया। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा कि ब्राजील के भारतीय समुदाय के सदस्यों ने रियो डी जेनेरो में बहुत ही शानदार स्वागत किया। यह आश्चर्यजनक है कि वे भारतीय संस्कृति से कैसे जुड़े हुए हैं और भारत के विकास के बारे में भी बहुत भावुक हैं। प्रधानमंत्री पहले ब्राजील में 6-7 जुलाई को आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। ब्रिक्स नेताओं का 17वां शिखर सम्मेलन रियो डी जेनेरियो में हो रहा है। शिखर सम्मेलन के दौरान, प्रधानमंत्री वैश्विक शासन में सुधार, शांति और सुरक्षा, बहुपक्षवाद को मजबूत करने, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार उपयोग, जलवायु कार्रवाई, वैश्विक स्वास्थ्य, आर्थिक और वित्तीय मामलों सहित प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। प्रधानमंत्री शिखर सम्मेलन के दौरान कई द्विपक्षीय बैठकें भी कर सकते हैं। ब्रिक्स के बाद प्रधानमंत्री ब्राजील के राजकीय मेहमान बन ब्रासीलिया जाएंगे।

सत्य का मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित करता है हजरत इमाम हुसैन का बलिदान : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन द्वारा दिया गया बलिदान धर्म के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वह लोगों को विपरीत परिस्थितियों में भी सत्य का मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट में कहा, हजरत इमाम हुसैन (ए.एस.) का बलिदान धर्म के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की याद दिलाता है। वह लोगों को विपरीत परिस्थितियों में भी सत्य का मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। उल्लेखनीय है कि आज इस्लाम में आशूरा का दिन है, जो मुहर्रम माह की 10वीं तिथि को आता है। इस दिन को हज़रत इमाम हुसैन की करबला में दी गई शहादत के लिए याद किया जाता है।

चिराग ने बिहार विधानसभा की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का किया ऐलान

● बिहारियों के लिए लड़ूंगा चुनाव : चिराग पासवान

एजेंसी

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान खुले मंच से किया। चिराग के मंच से दिये गये इस बयान ने एनडीए गठबंधन में शामिल भाजपा और जदयू की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

चिराग पासवान रविवार को छपरा के राजेंद्र स्टेडियम में पार्टी द्वारा आयोजित 'नव-संकल्प महासभा' कार्यक्रम में शामिल हुए । इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए चिराग ने कहा कि आज सारण की इस पावन धरती से आप सबके सामने मैं यह कहकर जा रहा हूं कि हां, मैं चुनाव लड़ूंगा। मैं चुनाव लड़ूंगा बिहारियों के लिए, अपने भाइयों के लिए, अपनी माताओं के लिए, अपनी बहनों के लिए और बिहार में एक ऐसी व्यवस्था तैयार करेंगे, एक ऐसा बिहार बनाएंगे जो सही मायनों में प्रदेश को विकास की राह पर आगे ले जाएगा।

उन्होंने कहा, ''मैं ना रुकने वाला हूं, ना थकने वाला हूं और डरता तो मैं किसी से नहीं हूं। जितनी ताकत आजमानी है आजमा लो। सर पर कफन बांध के निकला हूं कि जब तक बिहार को विकसित राज्य नहीं बना दूंगा, तब तक मैं भी चैन की सांस नहीं लूंगा। पर इसके लिए साथियों जरूरत है मुझे आप सब की।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने आरोप लगाया कि कई ऐसे लोग हैं जो नहीं चाहते कि चिराग पासवान बिहार आएं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने बिहारी युवाओं को पलायन कर दूसरे राज्यों और देशों में रहने के लिए मजबूर किया, वे उसी तरीके से चाहते हैं कि चिराग पासवान अगर बिहार आ गए तो युवाओं को उनका हक दिलाएंगे।

उन्होंने कहा कि वह महिलाओं, बुजुर्गों, किसानों और मजदूरों के हक की बात करेंगे, इसीलिए ये लोग नहीं चाहते कि चिराग पासवान बिहार आएं। चिराग ने आरोप लगाया कि यही वजह है कि ये लोग षड्यंत्र रचते हैं और भ्रम की स्थिति बनाते हुए बार-बार यह सवाल पूछते हैं कि क्या चिराग पासवान विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे।

त्रिकालदर्शी महर्षि दुर्वासा के आश्रम का होगा पर्यटन विकास : जयवीर सिंह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जनपद आजमगढ़ की धरती ऋषि-मुनियों की तपोस्थली रही है। महर्षि दुर्वासा का आश्रम जिले के आध्यात्मिक जगत में अपना विशिष्ट स्थान रखता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, सती अनुसुइया और अत्रि मुनि के पुत्र महर्षि दुर्वासा महज 12 वर्ष की आयु में चित्रकूट से फूलपुर आए और तमसा-मंजूषा नदी के संगम पर तपस्या की। हाल के वर्षों में दुर्वासा ऋषि स्थल श्रद्धालुओं की पहली पसंद बनकर उभरा है। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने पवित्र स्थली के महत्व को देखते हुए विकास, सौंदर्यीकरण व मूलभूत सुविधाओं की स्थापना का निर्णय लिया है। उस परियोजना पर 76.32 लाख रुपए की धनराशि खर्च होगी। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी।

उन्होंने बताया कि साल भर फूलपुर स्थित महर्षि दुर्वासा आश्रम में श्रद्धालुओं का लगातार तांता लगा रहता है। श्रद्धालु यहां भगवान शिव और महर्षि दुर्वासा के दर्शन कर अपनी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। यह स्थल अपनी आध्यात्मिक शांति और रमणीयता के लिए विख्यात है। सावन और कार्तिक मास सहित वर्ष भर के प्रमुख पर्वों पर यहां भव्य मेलों का आयोजन होता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित होते हैं। यह स्थल न केवल आस्था का केंद्र है बल्कि पर्यटन के दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

जयवीर सिंह ने बताया कि पौराणिक कथाओं के अनुसार, सतयुग, त्रेतायुग व द्वापर युग में महर्षि दुर्वासा का स्थान श्रेष्ठ माना गया है।

इजराइली हमले में 38 फिलीस्तीनियों की मौत

एजेंसी

दीर अल-बलाह। इजराइली हवाई हमलों में रविवार को गाजा में कम से कम 38 फिलीस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब इजराइल ने संघर्ष विराम वार्ता के लिए अपना एक प्रतिनिधिमंडल कतर भेजा है, जहां प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के अमेरिका दौरे से पहले समझौते की दिशा में बातचीत होगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सोमवार को नेतन्याहू से व्हाइट हाउस में मुलाकात करेंगे। इससे पहले ट्रंप ने एक 60-दिन के प्रारंभिक संघर्ष विराम का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत हमास के कब्जे में बंधकों की रिहाई के बदले गाजा में मानवीय सहायता की आपूर्ति बढ़ाने की बात कही गई है। इस प्रस्तावित योजना में 21 महीने से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए विस्तृत वार्ता का भी प्रावधान है।

इस बीच, एक इजराइली अधिकारी ने बताया कि शनिवार देर रात सुरक्षा कैबिनेट ने उत्तरी गाजा में सहायता भेजने की अनुमति दे दी है, जहां भोजन और दवाओं की भारी कमी है। यह निर्णय सार्वजनिक रूप से साझा नहीं किया गया है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच यमन स्थित ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने दावा किया है कि उन्होंने इजरायल के बेन गुरियन एयरपोर्ट को निशाना बनाकर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि, इजराइली सेना ने कहा कि उन्होंने सभी मिसाइलों को सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट कर लिया है।

मंडी व चंबा में फटे बादल, 16 दिन में 78 मौतें

हिमाचल प्रदेश के 10 जिलों में बाढ़ का अलर्ट

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को रेड अलर्ट के बीच मंडी और चंबा जिलों में बादल फटने की घटनाएं सामने आईं, जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। वहीं मौसम विभाग ने राज्य के 10 जिलों में अगले 24 घंटों के लिए फ्लैश फ्लड की चेतावनी जारी की है। लाहौल-स्पीति और किन्नौर को छोड़कर सभी जिलों ऊना, चंबा, कुल्लू, कांगड़ा, बिलासपुर, हमीरपुर, सोलन, शिमला, सिरमौर और मंडी में फ्लैश फ्लड का अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग ने 7 जुलाई को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा, मंडी, शिमला, सोलन व सिरमौर में भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट और चंबा व कुल्लू में येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं 8 जुलाई को भी ऊना, हमीरपुर, कांगड़ा व सिरमौर में ऑरेंज और शिमला-बिलासपुर में येलो अलर्ट रहेगा। 9 और 10 जुलाई को अधिकांश जिलों में येलो अलर्ट जारी रहेगा। 11 व 12 जुलाई को भी बारिश की आशंका जताई गई है, लेकिन किसी तरह का अलर्ट व चेतावनी नहीं दी गई है। बीते 24 घण्टों के दौरान हमीरपुर जिला के अघ्घर में सर्वाधिक 110 मिमी वर्षा हुई। कांगड़ा जिला के नगरोटा सुरियां में 100, अम्ब, ऊना व संधोल में 70-70, गुलेर व धर्मशाला में 60-60, कटुआला, घमरूर, बरठीं, सुजानपुर व भराड़ी में 40-40, नादौन, काहू, मंडी व नैनादेवी में 20-20 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। चंबा जिले के चुराह उपमंडल में बघेईगढ़ नाले में रविवार सुबह बादल फटने से आई भीषण बाढ़ ने नकरोड़-चांजू सड़क पर बना पुल बहा दिया, जिससे चार ग्राम पंचायतों चरड़ा, चांजू, देहरा और बघेईगढ़ का जिला मुख्यालय से संपर्क कट गया है। वहीं, मंडी जिले के पधर उपमंडल की टिक्कन पंचायत में देर रात बादल फटने से दो पुलियां बह गईं। गनीमत रही कि दोनों स्थानों पर कोई जानमाल की हानि नहीं हुई। प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं और नुकसान का आकलन कर रही हैं।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार बारिश के चलते प्रदेश में रविवार शाम तक 243 सड़कें, 241 बिजली ट्रांसफार्मर और 278 पेयजल योजनाएं बंद पड़ी हैं। मंडी जिला सर्वाधिक प्रभावित है, जहां अकेले 183 सड़कें, 182 ट्रांसफार्मर और 278 जल योजनाएं प्रभावित हैं। जिला में भारी मलबा और भूस्खलन के कारण कई इलाकों में जनजीवन अस्त-व्यस्त है।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार 20 जून से अब तक राज्य में प्राकृतिक आपदाओं से 78 लोगों की मौत हो चुकी है और 121 घायल हुए हैं, जबकि 37 अभी भी लापता हैं। सबसे अधिक 20 मौतें मंडी जिले में हुई हैं। 30 जून की रात मंडी में बादल फटने की 12 घटनाएं हुई थीं, जिनमें 14 लोगों की मौत और 31 लोग लापता हो गए थे। कांगड़ा में अब तक 13 लोगों की जान गई है। प्रदेश में अब तक 163 मकान पूरी तरह और 178 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। अकेले मंडी जिला में 142 मकान पूरी तरह धराशायी हो गए हैं। इसके अलावा 346 गौशालाएं, 26 दुकानें, लगभग 10,000 पोल्ट्री पक्षी और 253 मवेशी भी आपदा की भेंट चढ़ चुके हैं। लगातार बारिश से सड़कों पर फिसलन बढ़ने से अब तक 28 लोग सड़क हादसों में जान गंवा चुके हैं। अब तक राज्य को 572.44 करोड़ से अधिक की जन-धन हानि हो चुकी है।

योगी सरकार की पहल पर गोण्डा में शुरू हुई मनोरमा नदी के पुनर्जीवन की मुहिम

- हरियाली और जैव विविधता के लिए पीपल, नीम, पाकड़ जैसे देशी वृक्षों का होगा किनारों पर रोपण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ/गोण्डा। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार न केवल अधुनातन विकास की राह पर अग्रसर है, बल्कि प्रदेश की प्राचीन सांस्कृतिक पहचान और प्राकृतिक धरोहरों को पुनर्जीवित करने की दिशा में भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी संकल्प का जीवंत उदाहरण बना है प्रदेश का गोण्डा जनपद, जहां मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देशों के तहत जिला प्रशासन ने मनोरमा नदी के पुनर्जीवन की एक ऐतिहासिक और जनभागीदारी आधारित पहल शुरू की गई है। यह महज एक नदी की सफाई नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक चेतना और पर्यावरणीय संतुलन की पुनर्स्थापना का संदेश है, जिसे सरकार 'जन आंदोलन' के रूप में आकार दे रही है। गौरतलब है कि मनोरमा नदी का अस्तित्व बीते वर्षों में लगभग समाप्तप्राय हो गया था। गाद, अतिक्रमण और जलस्रोतों के सूख जाने से इसका जल बहाव बाधित हो गया था। मनोरमा नदी का पुनर्जीवन न केवल जल संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर होगा, बल्कि यह जिले की सांस्कृतिक और पारिस्थितिक पहचान को फिर से स्थापित करने का माध्यम भी बनेगा। जिले गोण्डा की सांस्कृतिक और भौगोलिक पहचान रही मनोरमा नदी अब एक बार फिर जीवनदायिनी बनने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने नदी के पुनर्जीवन की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत, नदी की सफाई, गाद हटाने, वृक्षारोपण और जनसहभागिता के माध्यम से नदी को फिर से बहाल करने की दिशा में ठोस कार्यवाही की जा रही है। मनोरमा नदी के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने कहा कि ''मनोरमा नदी केवल जलस्रोत नहीं, हमारी सांस्कृतिक विरासत है। इसका पुनर्जीवन जनपदवासियों के लिए एक गौरव का विषय होगा।'' यह पहल जिले में एक समग्र पर्यावरणीय और सामाजिक पुनर्जागरण की शुरुआत है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि मनोरमा नदी की दोनों तरफ वृक्षारोपण की योजना बनाई जाए, जिससे नदी तट पर हरियाली बढ़े और जैव विविधता को संरक्षण मिले। इसके अंतर्गत पीपल, नीम, पाकड़ जैसे देशी प्रजातियों के पौधों को प्राथमिकता देने की बात कही गई है। वन विभाग को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। जिलाधिकारी ने पोकलैंड और जेसीबी मशीनों से नदी की गाद और कचरे की सफाई का कार्य तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि गोण्डा-बलरामपुर रोड से लेकर ताड़ी लाल गांव तक नदी के प्रवाह को पूर्ण रूप से साफ किया जाए और जलधारा को पुनः प्रवाहित किया जाए।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी, उपमुख्यमंत्रियों ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर दी विनम्र श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान, नहीं चलेंगे। यह अखंड भारत के लिए अविराम तप करने वाले महापुरुष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जीवन-प्रतिज्ञा थी। भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक और कश्मीर एकीकरण के अमर बलिदानी श्रद्धेय डॉ. मुखर्जी जी को उनकी जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि है। आपका जीवन राष्ट्रीय एकता, शिक्षा और राष्ट्रधर्म का अखंड आलोक है, जो भारत की पीढ़ियों को सतत दिशा देता रहेगा। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स के माध्यम से कहा कि देश की एकता, अखंडता के पर्याय, जनसंघ के संस्थापक एवं हम सभी के प्रेरणास्रोत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर मैने उनकी छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया है। राष्ट्र की अखंडता के लिए उनका बलिदान, भारत की गौरवगाथा का अमिट अध्याय है। उनके सिद्धांत व संकल्प आज भी हम सभी देशवासियों के लिए पथप्रदर्शक हैं। वहीं उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को मानवता के उपासक बताते हुए कहा कि प्रखर राष्ट्रवादी विचारक, महान शिक्षाविद, जनसंघ के संस्थापक व हमारे पथ प्रदर्शक परम श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उन्हें कोटि कोटि नमन है।

सरकारी विद्यालयों के मर्जर के खिलाफ राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ बेसिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश के कम नामांकन वाले परिषदीय विद्यालयों का अन्य विद्यालयों में युग्मन (मर्जर) के खिलाफ है। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ का कहना है कि विद्यालयों के मर्जर से विद्यालय बच्चों की पहुंच से दूर हो जायेंगे। इससे शिक्षा के अधिकार अधिनियम का अस्तित्व भी समाप्त हो जायेगा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधान का भी उल्लंघन है। महासंघ ने कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों का विलय करने के आदेश पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अजीत सिंह ने हिन्दुस्थान समाचार से रविवार को कहा कि बेसिक शिक्षा के विद्यालयों में कम नामांकन का एक प्रमुख कारण इन विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव, शिक्षकों की कमी से शिक्षा की गुणवत्ता का प्रभावित होना है। अजीत सिंह ने बताया कि प्राथमिक विद्यालयों में कम नामांकन का एक प्रमुख कारण प्रवेश की न्यूनतम आयु छह वर्ष का होना है, क्योंकि आंगनबाड़ी केन्द्रों पर प्री प्राइमरी कक्षाओं का संचालन व्यावहारिक रूप से सफल नहीं है। पांच वर्ष की आयु पूर्ण कर बच्चे का प्रवेश प्राथमिक विद्यालयों में न होने से प्राइवेट विद्यालय आसानी से इन बच्चों का प्रवेश अपने यहां कर लेते हैं। उन्होंने कहा कि आज का बच्चा ही देश का भावी नागरिक है। इसलिए विद्यालयों को बंद करने के स्थान पर बेसिक शिक्षा में सुधार किये जाने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने सरकार से मांग की है कि प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय में पर्याप्त कक्षा कक्ष और जूनियर विद्यालय में तीन कक्षा कक्ष के साथ पृथक-पृथक पुस्तकालय, स्मार्ट क्लास रूम, लैब, भण्डार गृह, किचन एवं भोजनालय, खेल का मैदान हो। प्रत्येक कक्षा के लिए शिक्षक, स्थायी प्रधानाध्यापक, गणित, विज्ञान, अंग्रेजी व तकनीकी शिक्षा के लिए पृथक से विषय विशेषज्ञ शिक्षक एवं एक क्लर्क व एक अनुचर की नियुक्ति अनिवार्य रूप से की जाए, जिससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रत्येक बच्चे के लिए सुलभ हो सके।

शार्प शूटर सोहराब की तलाश कर रही यूपी एसटीएफ

लखनऊ। लखनऊ में कुख्यात शार्प शूटर सोहराब के फरार होने की सूचना पर यूपी एसटीएफ उसे तलाशने में जुटी हुई हैं। बीते सप्ताह सोहराब नई दिल्ली स्थित तिहाड़ जेल से पैरोल पर छूट कर अपनी पत्नी से मिलने लखनऊ आया था, लेकिन वापस तिहाड़ जेल नहीं पहुंचा।इस मामले में दिल्ली पुलिस ने तत्काल लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस और यूपी एसटीएफ को सूचना दी। इस मामले में लखनऊ पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर ने बताया कि शार्प शूटर सोहराब की तलाश में पुलिस की स्पेशल टीम के साथ एसटीएफ की एक टीम को लगाया गया है। जल्द उसकी गिरफ्तारी करते हुए दिल्ली पुलिस को सौंप दिया जाएगा। बता दें कि लखनऊ में दहशत का दूसरा नाम बन चुके सलीम, सोहराब और रूस्तम भाईयों को शार्प शूटरों के तौर पर जाना जाता है। उनके ऊपर लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, नई दिल्ली में हत्या, रंगदारी, हत्या का प्रयास, लूट, धमकी देने, सरकारी जमीन बेचने जैसे कई संगीन मामले दर्ज हैं। इस वक्त तीनों भाईयों को गिरफ्तार कर नई दिल्ली के तिहाड़ जेल में रखा गया था।

छात्र केवल देश का भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान की निर्णायक शक्ति हैं: वंशराज दुबे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। छात्र केवल देश का भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान की निर्णायक शक्ति हैं। आम आदमी पार्टी की छात्र इकाई स्टूडेंट एक्शन प्लेटफार्म (एएसएपी) का उद्देश्य युवाओं की ऊर्जा को जनसरोकार की राजनीति से जोड़कर शिक्षा, रोजगार और लोकतंत्र को सशक्त करना है। यह बातें रविवार को मुख्य प्रवक्ता एवं एएसएपी के प्रदेश प्रभारी वंशराज दुबे ने कही। वे राजधानी लखनऊ स्थित आप प्रदेश कार्यालय पर छात्र इकाई की संगठन विस्तार बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि एएसएपी जल्द ही प्रदेश के विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और ज़िलों में इकाइयों का गठन कर संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करेगा। इस मौके पर बैठक में छात्र विंग के विभिन्न पदाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्र की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और आने वाले महीनों की रणनीति पर भी चर्चा की। इसके साथ ही छात्र संवाद, कैंपस विज़िट्स और शिक्षा संबंधी जनआंदोलनों की रूपरेखा पर भी विचार-विमर्श हुआ। एएसएपी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण वर्मा ने कहा कि छात्र आंदोलन को नई दिशा देने और संगठन को मज़बूत करते हुए आगामी जिला पंचायत के चुनाव में पूरी मजबूती से आप यूपी छात्र विंग 'एएसएपी' को अपनी सहभागिता दिखानी है। उन्होंने यह भी कहा कि एएसएपी शिक्षा में समानता, फीस नियंत्रण और छात्रसंघ बहाली जैसे मुद्दों को लेकर प्रदेश भर में आंदोलनात्मक कार्ययोजना शुरू करने जा रही है। इस मौके पर एएसएपी प्रदेश महासचिव अनित रावत, प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप यादव, वाशिम भारती, यशवीर सिंह सेंगर, रघुकुल यथार्थ, अंकुश उपाध्याय, निलेश चतुर्वेदी, अर्पण यादव, सौरभ पांडेय, राकेश यादव, अमरीश चौबे अमन सोनी, सीतापुर एएसएपी जिला अध्यक्ष दिलशाद और आर्यन पांडेय सहित कई साथियों की सक्रिय सहभागिता रही।

वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव का आरोपी मोहम्मद आमिर गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ में आलमबाग वेस्ट केबिन के निकट से आरपीएफ के जवानों ने वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव का आरोपी मोहम्मद आमिर गिरफ्तार किया। आरपीएफ की पूछताछ में आमिर ने वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव करने की बात कबूल की है। बीते 28 जून को अयोध्या-आनंद विहार वंदे भारत एक्सप्रेस की बोगी सी-11 पर पथराव हुआ। इस वक्त वंदे भारत एक्सप्रेस आलमबाग से गुजर रही थी और पत्थर लगने से एक्सप्रेस ट्रेन का शीशा टूट गया था। जिससे एक्सप्रेस में सवार यात्रियों में दहशत हो गयी थी। इसका वीडियो भी एक यात्री ने बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। आरपीएफ में माल गोदाम प्रभारी राधेश्याम शर्मा ने रविवार को बताया कि कानपुर के अनवरगंज थाना क्षेत्र का निवासी मोहम्मद आमिर को एक्सप्रेस पर पथराव मामले में गिरफ्तार किया गया है। उसके ऊपर अनवरगंज थाना में हत्या, पाक्सो एक्ट सहित पांच मुदकमें दर्ज है। वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव मामले में अग्रिम कार्यवाही कर आमिर को जेल भेजा रहा है।

लखनऊ के आलमबाग बस अड्डे से फर्जी एनएसजी कमांडो गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। आलमबाग थाना पुलिस ने शनिवार को एक आलमबाग बस अड्डे पर खुद को एनएसजी कमांडो बताकर फ्री यात्रा के लिए कंडक्टरों पर दबाव बनाने वाले जालसाज को गिरफ्तार किया है। उसकी गतिविधियां संदिग्ध लगने पर लोगों ने पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस अपराधी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

आलमबाग थाना प्रभारी सुभाष चंद्रा ने रविवार को बताया कि बस अड्डा कंडक्टरों ने उन्हें सूचना दी कि एक युवक खुद को एनएसजी का कमांडो बताकर बस में फ्री यात्रा करना चाहता है। उससे उन लोगों की काफी झड़प हुई है। इस जानकारी पर पुलिस पहुंची तो उस व्यक्ति से पूछताछ की।उसने बताया कि वृंदावन के कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय महाराज को वाई श्रेणी की सुरक्षा एनएसजी मिली हुई है, जिसमें वह भी तैनात है। जब सख्ती से पूछताछ की तो उसने अपनी गलती की माफी मांगते स्वीकारा कि वह एनएसजी कमांडो नहीं है। वह मूलरूप कुशीनगर जिले के तरशा सुजानपुर का रहने वाला रंजन कुमार (22) है। थाना प्रभारी ने बताया कि उसके पास से एक मेड इन इटली आटोमैटिक पिस्टल मिली है। वह खुद को एनएसजी कमांडो बनकर बस, ट्रेनों में फ्री यात्रा करता है। मूवी देखता है और रौब गांठकर ढाबे आदि पर फ्री खाना खाता है। उसके खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मनरेगा के तहत आवासीय परिसर में ही बनाए जाएंगे व्यक्तिगत कैटल शेड

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बायोगैस से मिलेगा स्वच्छ ईंधन ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाएगी योजना एकीकृत मॉडल से होगा बहुआयामी विकास

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम करने के उद्देश्य से योगी सरकार एक अभिनव योजना की शुरुआत करने जा रही है। अब राज्य के किसान गोवंश को गोद ले सकेंगे। इस पहल से न केवल गोवंश का संरक्षण होगा, बल्कि गो आधारित अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के अंतर्गत किसानों को एक से चार तक गोवंश सौंपे जाएंगे, जिनके माध्यम से किसान आत्मनिर्भर बनेंगे।

इस योजना के तहत जिन किसानों को गोवंश मिलेगा, उनके आवासीय परिसर में ही मनरेगा के अंतर्गत व्यक्तिगत कैटल शेड बनाए जाएंगे। इससे किसानों को अपने पशुओं के रख-रखाव के लिए अलग से स्थान उपलब्ध होगा, जिससे स्वास्थ्य और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जा सकेगा। वहीं, स्मॉल बायोगैस यूनिट भी लगाई जाएंगी। गो सेवा के जरिए सीएम योगी की इस नई पहल से बड़े पैमाने पर स्थानीय लोगों को आर्थिक लाभ होगा। साथ ही प्रदेश की इकोनॉमी भी रफ्तार पकड़ेगी। उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के ओएसडी डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि इस योजना का पूरा खाका तैयार कर लिया गया है। जल्द ही महिला स्वयं सहायता समूहों और नवयुवकों को विशेष तौर पर इस अभियान में शामिल किया जाएगा, जिससे उनके स्वावलंबन को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस पहल में ऊर्जा संरक्षण को भी जोड़ा गया है। हर गोवंश पालक को छोटी लघु बायोगैस इकाइयां उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि गोबर से स्वच्छ ईंधन तैयार किया जा सके। यह किसानों के रसोई ईंधन की जरूरत को भी पूरा करेगा और पर्यावरण संरक्षण में सहायक होगा। मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के माध्यम से ग्रामीणों, विशेषकर महिला स्वयं सहायता समूहों और नवयुवकों को गो सेवा से जोड़ा जाएगा। इससे उन्हें न केवल रोजगार मिलेगा, बल्कि आय का स्थायी स्रोत भी उपलब्ध होगा। इस योजना से ग्राम स्तर पर ऊर्जा और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा।यह योजना सामाजिक सहभागिता, स्वरोजगार और ग्राम्य विकास का समन्वित मॉडल है। इसके अंतर्गत गो आधारित जैविक खेती, गोबर से खाद और ईंधन तैयार कर ग्रामीणों को आर्थिक मजबूती दी जाएगी। इस योजना को एकीकृत ग्रामीण विकास मॉडल के रूप में लागू किया जा रहा है, जिसमें गोवंश संरक्षण, जैविक खेती, ऊर्जा उत्पादन और सामाजिक स्वावलंबन जैसे पहलुओं को समाहित किया गया है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिलेगी और गांवों में सतत विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

लखनऊ के रमेश कुमार ने घर में रखा ताजिया, पैदल लेकर जाएंगे कर्बला

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में हजरतगंज से कुछ कदम की दूरी पर स्थित नरही मोहल्ले में रमेश कुमार ने एक बार फिर से अपने घर में ताजिया रखा है। रमेश कुमार बीते 30 वर्षों से घर में ताजिया रखते हैं और मोहर्रम के पहले दस दिन मातम में रहते हैं। आशूर के दिन रमेश कुमार और उनके परिवार के लोग फाक़ा करते हैं। रमेश कुमार ने बताया कि उनकी आस्था ही उनसे यह कराती है। मोहर्रम के दिन वह नरही से निकल कर दस किलोमीटर दूर कर्बला तालकटोरा तक अपना ताजिया लेकर जाएंगे। यह आस्था ही है कि वह ताजिया पैदल लेकर कर्बला तक जाते हैं। उनके साथ तमाम लोग भी जाते हैं।

दुनिया में अमन शांति के लिए यौमे आशूरा जुलूस में खून बहा रहा हूं: स्वामी सारंग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के नाजिम अली इमामबाड़ा से रविवार को निकले यौमे आशूरा के जुलूस में हिंदू धर्मगुरु स्वामी सारंग शामिल हुए। धर्मगुरु स्वामी सारंग ने जुलूस में शामिल होकर खुद पर कोड़े बरसाये। स्वामी सारंग ने कहा कि दुनिया में अमन और शांति के लिए यौमे आशूरा के जुलूस में खून बहा रहा हूं। शांति को कायम करने के लिए खून बहाना जरूरी है। मैं खून बहाकर हजरत इमाम हुसैन को नजराना पेश करता हूं। इमाम हुसैन ने कर्बला में जो पैगाम दिया, वह मुझे बहुत प्रभावित करता है। आशूरा के जुलूस में मेरा आना हर साल रहता है। यहां जुलूस में शामिल होकर मैं मातम करता हूं।

योगी सरकार के नेतृत्व में लक्ष्य की दिशा में और सशक्त हुई परिवहन विभाग की 'रफ्तार'

- उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग की पहली तिमाही (अप्रैल–जून 2025) की रिपोर्ट जारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार के नेतृत्व में लक्ष्य की दिशा में परिवहन विभाग की 'रफ्तार' और सशक्त हो रही है। उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025526 की पहली तिमाही में न केवल अपेक्षित राजस्व लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में सशक्त प्रगति की, बल्कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, वाहन पंजीकरण और डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में भी ठोस परिणाम दर्ज किए। यह तिमाही विभाग के लिए 'प्रदर्शन' से आगे बढ़कर 'परिवर्तन' की दिशा में ठोस कदम साबित हुई। वित्तीय वर्ष 2025526 की पहली तिमाही ने सिद्ध किया कि उत्तर प्रदेश लक्ष्य आधारित विभागीय प्रदर्शन से बढ़कर संरचनात्मक रूप से परिपक्व परिवहन प्रशासन की दिशा में तेज़ी से अग्रसर हो चुका है। राजस्व, ई-मोबिलिटी, वाहन पंजीकरण और डिजिटल अनुपालन समेत सभी स्तरों पर विभाग ने ऐसी प्रवृत्तियां दर्ज की हैं, जो केवल शासन की सफलता नहीं, बल्कि जन-प्रेरित व्यवहारिक बदलाव को भी दर्शाती हैं। अप्रैलऽजून 2025 की तिमाही में कुल 2913.78 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति हुई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 274.22 करोड़ रुपये अधिक है यानी 10.39 प्रतिशत की वृद्धि। उल्लेखनीय है कि इस दौरान विभाग ने क्रमिक लक्ष्य का 85.90 प्रतिशत पूर्ण कर लिया है, जिससे यह स्पष्ट है कि वर्षांत तक 14,000 करोड़ रुपये का वार्षिक लक्ष्य व्यावहारिक रूप से प्राप्त किया जा सकता है। सिर्फ जून 2025 में ही 830.15 करोड़ का राजस्व अर्जित हुआ, जो पिछले वर्ष जून की तुलना में 4.10 प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि तब दर्ज हुई जब विभाग ने कई श्रेणियों में छूट, विशेषकर ई-वाहनों पर टैक्स रिबेट प्रदान किए। प्रथम तिमाही में 70,770 इलेक्ट्रिक वाहनों को कर एवं शुल्क में 255.50 करोड़ की रियायत दी गई। 70,770 ई-वाहनों को जो लाभ प्राप्त हुआ, जिसमें न केवल पारंपरिक श्रेणियां (ई-रिक्शा, थ्री-व्हीलर) शामिल थीं, बल्कि 5,658 इलेक्ट्रिक कारें और 15,434 दोपहिया वाहन भी शामिल रहे। यह आंकड़ा दर्शाता है कि ईवी अब सिर्फ लो-एंड समाधान नहीं, बल्कि मिड और अर्ध प्रीमियम शहरी ग्राहकों का भी प्राथमिक विकल्प बन चुका है। केवल जून में 23,513 ई-वाहनों को 94.70 रुपये करोड़ की रियायत प्रदान की गई। प्रदेश में अब तक कुल 12.29 लाख इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत हो चुके हैं, जिससे यह भारत का सबसे बड़ा ईवी-बेस वाला राज्य बनता जा रहा है। निजी और व्यावसायिक दोनों क्षेत्र अग्रणी इस तिमाही में कुल 1,17,774 नए परिवहन वाहन पंजीकृत हुए। इसमें पिछले वर्ष की तुलना में 16.04 प्रतिशत वृद्धि देखी गई। इनमें ई-रिक्शा (पैसेंजर) में 10.82 फीसदी और ई-कार्ट में 80.26 फीसदी वृद्धि विशेष रूप से उल्लेखनीय है। नॉन-ट्रांसपोर्ट वाहनों के 9,67,476 पंजीकरण हुए, जो कि 12.41 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि है। टू-व्हीलर वर्ग में 13.73 प्रतिशत और फोर व्हीलर में 6.09 प्रतिशत की वृद्धि के साथ नागरिकों की खरीद क्षमता और वाहन उपयोग में वृद्धि स्पष्ट होती है। प्रथम तिमाही में विभाग का कुल कर व शुल्क वसूली का 90 फीसदी से अधिक ऑनलाइन मोड के माध्यम से हुआ, जो यह दर्शाता है कि जनता अब डिजिटल प्रक्रियाओं पर भरोसा कर रही है। ड्राइविंग लाइसेंस सेवाओं से ही 84.50 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई। ई-चालान एवं समन शुल्क से 30.45 करोड़ वसूले गए। 90 प्रतिशत से अधिक कर व शुल्क वसूली डिजिटल मोड से होना नागरिकों के डिजिटल प्रशासन पर बढ़ते विश्वास का संकेत है। जहां एक ओर विभाग ने ई-वाहनों के लिए 255.50 करोड़ रुपये की छूट दी, वहीं दूसरी ओर कुल राजस्व में 10.39 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। यह संकेत है कि राज्य ने 'छूट के बावजूद स्थिर राजस्व' का मॉडल सफलतापूर्वक अपनाया है। परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने बताया कि तिमाही प्रदर्शन केवल राजस्व या आंकड़ों की नहीं, बल्कि शासन मॉडल की कहानी है, जिसमें नीति, प्रौद्योगिकी, पारदर्शिता और जनसहभागिता स्तंभ पर तेज़ी से काम हो रहा है। उत्तर प्रदेश अब परिवहन के हर क्षेत्र में मॉडल राज्य के रूप में उभर रहा है। तिमाही प्रदर्शन यह दर्शाता है कि उत्तर प्रदेश में परिवहन केवल विभागीय सेवा नहीं रह गई, बल्कि व्यापक सार्वजनिक संस्कार बन चुका है, जहां नीति, प्रौद्योगिकी और जन-भागीदारी मिलकर सामाजिक प्रगति को गति दे रहे हैं।

कश्मीर में अब शांति का माहौल, हर घर में तिरंगा: सांसद

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। हरपालपुर कस्बे में रविवार को जनसंघ के संस्थापक डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद जयप्रकाश रावत ने कहा कि आज कश्मीर में हर घर पर तिरंगा लहरा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने कश्मीर से आतंकवाद को समाप्त किया है। अब वहां शांति और विकास का माहौल है। भाजपा सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं से देश के हर वर्ग को लाभान्वित कर रही है। ब्लॉक प्रमुख अनोखेलाल कश्यप ने प्रधानमंत्री आवास, शौचालय योजना और हर घर जल योजना का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से आम लोगों को सीधा लाभ मिला है। सरकार गरीब, मजदूर और किसान के हित में निरंतर कार्य कर रही है। कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ० मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। मंडल अध्यक्ष कमलेश पाल, अभिराम सिंह, राजू तिवारी समेत कई भाजपा कार्यकर्ता और गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने डॉ० मुखर्जी के योगदान को याद करते हुए राष्ट्रहित में उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

मण्डल संगोष्ठी का आयोजन किया गया

मल्लावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। प्रख्यात शिक्षाविद्, चिंतक और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रारम्भ स्मृति दिवस पखवाड़ा के अंतर्गत विकास

खण्ड सभागार मल्लावां हरदोई में मण्डल संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अध्यक्ष जिला पंचायत हरदोई प्रेमावती पीके वर्मा ने डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि समर्पित कर, संगोष्ठी का शुभारम्भ किया। संगोष्ठी मे डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रहित मे अविस्मरणीय योगदान पर चर्चा करते हुए, जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि आजाद भारत के इतिहास मे डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक ऐसे नाम हैं, जिनके लिए, देश की एकता और अखण्डता से बढ़कर कुछ भी नहीं था। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के उपासक डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक देश, एक विधान और एक निशान के लिए अपना सर्वस्व जीवन समर्पित किया। इस अवसर पर प्रमुख रुप से मण्डल अध्यक्ष अजीत कश्यप, मण्डल अध्यक्ष रामदास, मण्डल महामंत्री वीरेंद्र मिश्रा, पूर्व मण्डल अध्यक्ष रत्नेश कुमार सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता व क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

एक राष्ट्र, एक निशान के हिमायती थे डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी: धनंजय मिश्रा

सुरसा (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। ब्लॉक मुख्यालय स्थित श्रीशचन्द्र अग्रवाल सभागार में रविवार को डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। देश की एकता व अखंडता के लिए डॉ० मुखर्जी के संघर्षों को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया। मुख्य अतिथि भाजपा नेता धनंजय मिश्रा ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सुरसा एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष बम्भनाखेडा अर्जुन सिंह चंदेल

प्रवासी अध्यक्ष, श्याम जी मिश्र मंडल अध्यक्ष सुरसा ने डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी बहुआयामी प्रतिभा के धनी थे। देश की एकता और अखंडता के लिए उनके बलिदान को हमेशा याद किया जाएगा। डॉ० मुखर्जी ने कश्मीर में दो विधान, दो निशान का विरोध करते हुए एक राष्ट्र एक निशान को लेकर राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू किया था। डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने जनसंघ की स्थापना की थी और उसी के वट वृक्ष भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में खड़ा कर दिया है। कार्यक्रम संयोजक मुकेश अवस्थी, सुनीत प्रजापति, यतीन्द्र मिश्रा, सन्दीप मिश्रा, उदय प्रताप पाल, ज्ञानू द्विवेदी, राघवेन्द्र विक्रम सिंह, नीशू पांण्डेय, ब्रजकिशोर यादव, बिपिन यादव, सहित तमाम पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जयन्ती पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी को किया गया नमन

सवायजपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। महान शिक्षाविद राष्ट्रचिंतक

प्रखर राष्ट्रवादी व देश सेवा में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर देने वाले भारतीय जन संघ के संस्थापक डॉ० श्यामाप्रसाद मुखर्जी जयंती के उपलक्ष्य में ब्लॉक सभागार भरखनी में आयोजित गोष्ठी में मुख्य अतिथि धीरेन्द्र प्रताप सिंह प्रदेश अध्यक्ष ब्लॉक प्रमुख संघ उत्तर प्रदेश ने उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष रोहित सिंह अनंगपुर प्रधान संघ अध्यक्ष सत्यपाल सिंह चौहान कार्यक्रम संयोजक विजय बहादुर सिंह जैनेन्द्र सिंह श्याम मोहन बाजपेयी राज बहादुर सिंह सहित बडी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सवायजपुर मण्डल कार्यालय पर मनाई गई श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वीं जन्मजयंती

सवायजपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। भारतीय जनता पार्टी

सवायजपुर मण्डल के कार्यालय गढ़ी पर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्मजयंती मनायी गयी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा हरदोई राजीव रंजन मिश्र, व विशिष्ट अतिथि मण्डल प्रवासी सवायजपुर मण्डल निवर्तमान मण्डल अध्यक्ष शिवम तिवारी उपस्थित रहे। अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष सुरजीत कुशवाहा ने की। गोष्ठी को संबोधित करते हुए राजीव रंजन मिश्र ने मुखर्जी जी के योगदान पर चर्चा करते हुए बताया कि वह राष्ट्रवादी विचारक थे उन्होंने एक देश एक निशान एक विधान के लिए संघर्ष किया। वह यात्रा लेकर जम्मू कश्मीर पंजाब बॉर्डर तक पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के साथ गए पंजाब राज्य की सीमा में गिरफ्तार करने के बाबजूद उस समय उन्हें जम्मू पुलिस की कस्टडी में किसी अनजान स्थान पर रखा गया। जहाँ विषम परिस्थिति में 23 जून 1953 को उनका निधन हो गया। मण्डल प्रवासी शिवम तिवारी ने संबोधित करते हुए बताया कि 6 जुलाई 1901 को कलकत्ता के अत्यन्त प्रतिष्ठित परिवार में डॉ० श्यामाप्रसाद मुखर्जी जी का जन्म हुआ। उनके पिता आशुतोष मुखर्जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे एवं शिक्षाविद् के रूप में विख्यात थे वह कलकत्ता विश्वविद्यालय के संस्थापक उपकुलपति थे। डॉ० मुखर्जी ने 1917 में मैट्रिक किया तथा 1921 में बी0ए0 की उपाधि प्राप्त की। 1923 में लॉ की उपाधि अर्जित करने के पश्चात् वे विदेश चले गये और 1926 में इंग्लैण्ड से बैरिस्टर बनकर स्वदेश लौटे। अपने पिता का अनुसरण करते हुए उन्होंने भी अल्पायु में ही विद्याध्ययन के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलताएं अर्जित कर ली थीं। 33 वर्ष की अल्पायु में वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति बने।ब्रिटिश सरकार की भारत विभाजन की गुप्त योजना और षड्यन्त्र को एक कांग्रेस के नेताओं ने अखण्ड भारत सम्बन्धी अपने वादों को ताक पर रखकर स्वीकार कर लिया। इस कारण मुखर्जी जी ने मंत्रिमंडल से त्यागपत्र देकर 1951 में दीनदयाल उपाध्याय के साथ मिलकर श्री गुरुजी की प्रेरणा से जनसंघ की स्थापना की। इस अवसर पर मुख्य रूप से मण्डल अध्यक्ष सुरजीत कुशवाहा, पूर्व मण्डल अध्यक्ष कृष्णपाल सिंह, मदनलाल सिंह, राजबहादुर, रजत मिश्र, सुरजीत सिंह, अभय सिंह, आदि लोग मौजूद रहे।

बीते छः माह के अंदर हुई कस्बे में तीसरी बड़ी चोरी की घटना, कस्बेवासियों व व्यापारियों में आक्रोश

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कस्बा कछौना के कपड़ा व्यवसाय राजेश वस्त्रालय के यहां दो बदमाशों ने पहले से घर में घुसकर परिवार वालों

के सो जाने के बाद शनिवार की रात चोरी की घटना को अंजाम दिया जिसमें प्लाट खरीदने के लिए रखे 15 लख रुपए नगद व रूपये 4 लाख के जेवरों की चोरी की घटना को अंजाम दिया। 6 माह के अंदर कस्बे में तीसरी चोरी की घटना से व्यापारियों में काफी असुरक्षा की भावना पैदा हो गई है। कस्बा कछौना के स्टेशन मार्ग पर मोहल्ला इमलीपुर में कपड़ा व्यवसायी राजेश गुप्ता का घर स्थित है। शनिवार की रात परिजनों के अनुसार परिजन घर का दरवाजा बंद करके खाना खाकर सो गए। समय लगभग 10:30 बजे छोटा लड़का प्रखर गुप्ता पेशाब करने के लिए उठा तो एक बदमाश ने प्रखर को पकड़कर गला दबाकर मारने की कोशिश की, बाद में जीने से छत छठ के ऊपर से भाग गए। इस घटना के दौरान बदमाशों ने घर में दूसरी मंजिल से कमरों की अलमारी तोड़कर नगदी 15 लाख रुपए व जेवर सोने के कान के बाली, कान के झाले, 4 अंगूठी, एक चैन कीमत लगभग चार लाख रुपए की चोरी की घटना को अंजाम दिया। इस घटना से व्यापारियों में असुरक्षा की भावना पैदा हो गई। 6 माह के अंदर तीसरी बड़ी चोरी की घटना से कस्बे के व्यापारियों में काफी आक्रोश है। परिजनों ने पूरे मामले की सूचना कोतवाली कछौना को दी। व्यापार मंडल अध्यक्ष रवि गुप्ता ने पुलिस से शीघ्र चोरी की घटना का खुलासा करने की मांग कीए शीघ्र खुलासा न होने पर व्यापार मंडल धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होगा।

वृक्ष भंडारा और वृहद पौधारोपण अभियान कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मनुष्य का जीवन प्रकृति पर निर्भर है, पर्यावरण असंतुलन आज विश्व की सबसे गंभीर समस्या है। पर्यावरण का संरक्षण और संवर्धन हम सभी की प्राथमिकता होनी चाहिए अतः प्रत्येक नागरिक को अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनका संरक्षण करना चाहिए उक्त उद्गार आज वृक्ष भंडारे का शुभारंभ करते हुए मंगलगिरि आश्रम एवं बाबा भूतनाथ मंदिर के महंत रुद्रेश शुक्ला ने व्यक्त किए। जनपद में पर्यावरण क्षेत्र में संकल्प 1000 द्वारा बाबा भूतनाथ मंदिर एवं मंगलगिरि आश्रम अहिरोरी में वृक्ष भंडारा और वृहद पौधारोपण अभियान आयोजित किया तथा लगभग 550 पौधे रोपित किए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं देव वृक्ष पीपल का पूजन कर किया गया। ग्रामवासियों को अनेक प्रजातियों के पौधे वितरित किये गए पेशे से शिक्षक एवं संकल्प 1000 के संयोजक श्यामजी गुप्ता ने बताया कि पर्यावरण का संरक्षण प्रत्येक मनुष्य की जिम्मेदारी है। पेड़ पौधे हमारे जीवन में महत्पूर्ण स्थान रखते है कार्यक्रम में प्रमुख रुप से देवेश सिंह, अमित शुक्ल, राहुल गुप्ता, राजीव शुक्ला, दीपक गुप्ता, रवि, शनि गुप्ता, पिंकू सिंह, मोनू सिंह उपस्थित रहे।

डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्मदिवस पर संगोष्ठी आयोजित

माधौगंज (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। ब्लाक सभागार माधोगंज मे डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्मदिवस पर संगोष्ठी आयोजित हुई जिसमें मुख्य अतिथि जिला महामंत्री ओम वर्मा का उद्बोधन सभी कार्यकर्ताओं को प्राप्त हुआ। बैठक में ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि रमेश वर्मा कार्यक्रम संयोजक पूर्व मंडल अध्यक्ष अरविंद सिंह मंडल अध्यक्ष आनंद सैनी कार्यक्रम संचालन मंडल महामंत्री प्रमोद गुप्ता ने किया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि ओम वर्मा एवम सभी कार्यकर्ताओं ने वृक्षारोपण किया । संगोष्ठी में मुख्य रूप से मंडल उपाध्यक्ष नंदकिशोर कनोजिया पुष्पेंद्र सिंह अभिषेक सिंह रामनरेश आर्य बीजेपी सभासद अमित गुप्ता, आशीष अर्कवंशी शक्ति केंद्र संयोजक सचिन गुप्ता राधेलाल जी जितेंद्र शुक्ला नितिन गुप्ता बूथ प्रमुख शानू खान टीकाराम कश्यप एवम अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान का आयोजन

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत हरदोई में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष विक्रम पांडे

ने रविवार को कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभियान का पहला चरण पूरा हो चुका है। इसमें जिला और शहर कार्यकारिणियों का गठन किया गया है। प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार, संगठन का पुनर्गठन PDA (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के सिद्धांत पर किया गया है। कांग्रेस पार्टी 15 अगस्त तक बूथ स्तर तक कमेटियों का गठन करेगी। इससे आगामी पंचायत चुनाव में पार्टी मजबूती से भाग ले सकेगी। 7 जुलाई को दोपहर 1 बजे विष्णु नारायण धर्मशाला में नवगठित इकाइयों को शपथ दिलाई जाएगी। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव और राजस्थान के पूर्व मंत्री धीरज गुर्जर मौजूद रहेंगे। शहर कांग्रेस अध्यक्ष अनुपम दीक्षित ने कहा कि पार्टी समाज के हर वर्ग को सत्ता और संस्थानों में भागीदारी दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ० राजीव सिंह, मोहन सिंह, राजेंद्र वर्मा, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष हसन अहमद और नगर अध्यक्ष ममता पाल भी उपस्थित थे।

ज़हरीला पदार्थ खाने से युवक की मौत

माधौगंज (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। अज्ञात कारणों के चलते युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजन सीएचसी लाए, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित किया। थाना बिलग्राम के ग्राम ससेड़ा निवासी खुशीराम 48 वर्ष पुत्र बैजू रविवार की सुबह लगभग 7 बजे अज्ञात कारणों के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया है। परिजन अस्पताल लाए जहां डॉक्टर लोकेश ने मृत घोषित किया। मृतक की माता विमलेश ने बताया कि दिल्ली से लगभग एक माह पूर्व गांव आया था। बीमार पत्नी अंजू की दवा कराने को लेकर वह चिंतित था। खुशीराम के काजल, रामजी, अदिति, अनुष्का व अनन्या 5 बच्चे है।

संवाद किया

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा आगामी 9 जुलाई से प्रारम्भ हो रहे वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के सम्बन्ध मे ग्रामीण निकायों एवं नगर निकायों के पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संवाद किया गया। इसी क्रम मे अध्यक्ष जिला पंचायत हरदोई प्रेमावती पीके वर्मा ने जिला पंचायत कार्यालय हरदोई मे वीडियो कॉन्फ्रेंस से जुड़कर, मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस अवसर पर अपर मुख्य अधिकारी प्रदीप कुमार गुप्ता, जिला पंचायत सदस्य पुष्पा देवी, विशाल सेठए ललित कुमार व श्याम सिंह आदि उपस्थित रहे।

कर्बला के शहीदों को किया याद

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। रविवार को मोहर्रम महीने की 10 वी तारीख के अवसर पर परंपरागत तरीके से ताजिया जुलूस हतदोई शहर में निकाला गया यह जुलूस मोमिनाबाद चौराहे से शुरू हुआ और रफी अहमद किदवई चौराहाए धर्मशाला रोडए सिनेमा चौराहा और सोल्जर बोर्ड चौराहे से होते हुए पिहानी चुंगी तक पहुंचा। अंत में अकीदतमंद इमामबाड़े पहुंचेगा जहां इन ताजिया को दफ्न किया जाएगा जुलूस के दौरान अकीदतमंदों ने मातम किया और मर्सिये पढ़े। मोमिनाबाद चौराहे पर बड़ी संख्या में आजादारों ने इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों को याद में दर्द भरे नोहे पढ़ कर उन्हें याद किया मर्सिया ख्वानों ने अपने कलामों से कर्बला की घटना को याद किया। पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए। पूरे जुलूस मार्ग पर पुलिस बल तैनात रहा। शांति व्यवस्था के लिए मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई। पुलिस लगातार गश्त करती रही।जिससे कोई अप्रिय स्थिति न उत्पन्न हो और परम्परागत जुलूस निर्धारित मार्गो से होता हुआ अपने गंतव्य तक पहुंच सका इस जुलूस में हर उम्र के लोग शामिल हुए। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने इमाम हुसैन की कुर्बानी को याद किया। बताते चले कि मुहर्रम महीने के 10 वें दिन को **आशूरा** कहते है। आशूरा के दिन हजरत मोहम्मद सलल्लाहो वलए व सल्लम के नवासे हजरत इमाम हुसैन को और उनके बेटे घरवाले और उनके साथियों (परिवार वाले) सहित 72 लोगो को करबला के मैदान में शहीद कर दिया गया था।

अब्बास आ जाओ भाई अकेला है

गोपामऊ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। यौमे आशूरा के मौके पर नगर में अक़ीदत और एहतराम के साथ परम्परागत तौर पर हज़रत सागर मियाँ रह०का रिवायती ताजिया इस साल भी निकाला गया। मक़सूद ख़ान ने उत्तरी फ़र्राश इमाम चौक से दो बजे ताजिया उठाया जो अपने निर्धारित मार्गों से होता हुआ बड़ी बाज़ार होते हुए करबला मे ताजिया पुरे एहतराम के साथ दफ़्न किया। ग़मगीन माहौल के बीच ताजिया जुलूस निकाले गए। अब्बास आ जाओ भाई अकेला है जैसी सादाओ में सागर तालाब स्थित मक्कू बाबा के साथ दर्जन भर पारंपरिक ताजिए शानो.शौकत से निकाले गएए जो अपने रिवायती रास्तों से होते हुए कर्बला की ओर रवाना हुए। पूर्व चेयरमैन परवीन ख़ान की ओर से अकीदतमंदों के लिए सबील का इंतज़ाम किया गया। प्रशासन की निगरानी में पूरा आयोजन शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ।

इसी क्रम में सण्डीला क्षेत्र के अंतर्गत दस तारीख मोहर्रम इस्लामिक कैलेंडर के मुताबिक नए साल की शुरुआत मोहर्रम के महीने से होती है इसलिए मोहर्रम इस्लाम धर्म का पहला महीना होता है मोहर्रम गम और मातम का महीना है जिसे इस्लाम धर्म को मानने वाले लोग मानते हैं आज मोहर्रम के दसवें दिन आज इमाम हुसैन की शहादत में आज छुरी का मातम मनाया गया और बीती रात आग का मातम भी मनाया गया इस्लामिक धर्म के लोगों के लिए यह महीना बहुत अहम होता है क्योंकि इसी महीने में हजरत इमाम हुसैन की शहादत हुई थी हजरत इमाम हुसैन इस्लाम धर्म के संस्थापक हजरत मोहम्मद साहब के छोटे नवासे थे छुरी के मातम के दौरान निकाला जुलूस हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मोहर्रम के महीने के दसवें दिन को शिया समुदाय के लोग छुरी का मातम पर मनाते हैं जिसे आशूरा भी कहा जाता है आज मोहर्रम के दसवें दिन मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हां जी के साथ लेकर जुलूस कर्बला में ताजियों को दफ्न कर दिया पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच ताजियादारो ने गम जताया और आग और छुरी के मातम के साथ हुसैन को याद भी किया।

राज्यमंत्री की मौजूदगी में धूमधाम से मनाई गई पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। रविवार को नगर मंडल शाहाबाद द्वारा जनसंघ के संस्थापक सदस्य रहे डाण्श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में पंहुची उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि डाक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपना पूरा जीवन राष्ट्र निर्माण में लगा दिया। कश्मीर में हुए उनके बलिदान को देशवासी कभी भुला नहीं सकते।

श्रीमती तिवारी ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने पूरे जीवन गरीबों के उत्थान के लिए काम किया। श्रीमती तिवारी ने कहा कि वह एक महान विचारक और क्रांतिकारी विचारों से परिपूर्ण थे।उनका नारा था कि एक देश में एक विधान 2 संविधान नही चल सकते हैं। वह कश्मीर के लिए वह जीवन पर्यंत इसी को लेकर संघर्ष करते रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कश्मीर से 35 ए और धारा 370 को खत्म कर पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को साकार किया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता हाकिम सिंह, रामसनेही मिश्रा, रामदास गुप्ता, नगर महामंत्री सुभाष सिंह, सुभाष रस्तोगी, जिला संयोजक व्यापार प्रकोष्ठ पूर्व ब्लाक प्रमुख पति नवनीत गुप्ता, अनुसूचित मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष पूर्व ब्लाक प्रमुख रामदास कठेरिया, पूर्व नगर अध्यक्ष अभय वर्मा, सत्येंद्र श्रीवास्तव सहित मोर्चा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष, नगर कमेटी के पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मंच का संचालन पूर्व नगर अध्यक्ष व वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल शुक्ला द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा नगर अध्यक्ष अनिल कुमार पांडे पिंटू ने की।

ज्ञापन देकर शिक्षक संघ ने स्कूल मर्ज किए जाने की व्यवस्था का किया विरोध

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की जिला कार्यसमिति के प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश कोषाध्यक्ष शिवशंकर पांडेय के नेतृत्व मे अध्यक्ष जिला पंचायत हरदोई प्रेमावती पीके वर्मा से जिला पंचायत कार्यालय मे भेंट कर, मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उनको दिया।

ज्ञापन का कारण बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बड़ी संख्या में स्कूल मर्ज किए जाने से स्कूल से बच्चों की दूरी बढ़ जाने के विरोध में दिया गया। इससे बच्चों का शिक्षा से वंचित होने का खतरा है। इस अव्यवहारिक और संवेदनहीन आदेश को वापस लिए जाने की मांग की। सरकार और शिक्षा विभाग के अधिकारी पेयरिंग व्यवस्था के नाम पर विद्यालयों का मर्जर करने का निर्देश दे रहे हैं। इससे परिषदीय स्कूलों में पढ़ने वाले छोटे.छोटे बच्चो का भविष्य चौपट हो जाएगा। विद्यालय की दूरी अधिक होने पर स्कूलों के बच्चे अन्य विद्यालयों तक नहीं पहुंच सकेंगे। अत्यधिक सर्दी सर्दीएवर्षा और और अत्यधिक गर्मी के मौसम में स्कूलों तक बच्चों का पहुंचना मुश्किल होगा। ऐसे में भारतीय संविधान में प्रदान किये गये शिक्षा के मौलिक अधिकार से वंचित रह जायेंगे।विद्यालयों की छात्र संख्या के बहाने स्कूलों को बंद कर नौनिहालों के जीवन से शिक्षा छीनी जा रही है। जबकि परिषदीय विद्यालयों में हिंदुस्तान के अधिकांश गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के बच्चे शिक्षा ग्रहण करते है। जिनके पास कॉन्वेंट स्कूलों में पढ़ने के लिए फीस नहीं होती है। बच्चों को खरीदने के लिए कॉपी किताबों के पैसे नहीं होते हैं। और वह साधन संपन्न नहीं होता है ऐसे में स्कूलों को मर्ज करने से गरीब और बेसहारा लोगों के बच्चो के भविष्य के आगे अंधकार हो जाएगा। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा अपनाई गई इस नीति को निरस्त करते हुए सभी विद्यालयों को पूर्व की भांति संचालित रखने की मांग की है। विद्यालयों के मर्ज़र से गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के बच्चो को शिक्षा से वंचित रहना पड़ेगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने शिक्षक संघ द्वारा दिए गए ज्ञापन के महत्वपूर्ण बिंदुओं को मुख्यमंत्री तक पहुँचाने का आश्वासन देते हुए कहा कि पूर्व मे एक शिक्षिका होने के कारण शिक्षा विभाग की समस्याओं से भली भांति अवगत हूँ, निरंतर शिक्षा व्यवस्था मे सुधार हेतु प्रयासरत भाजपा सरकार का लक्ष्य प्रदेश के विद्यार्थियों को उत्तम व आधुनिक शिक्षा प्रदान करए शैक्षणिक स्तर को उच्च शिखर पर पहुँचाना है। भाजपा सरकार मे जनपद हरदोई का कोई भी विद्यार्थी शिक्षा के अधिकार से वंचित नही होगा।

इस दौरान प्रतिनिधि मण्डल मे शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष अक्षत पाण्डेय, जिला मंत्री विपिन कुमार सिंह, पीएल दीक्षित, निष्कर्ष सिंह, प्रसुभ सिंह, दिलीप गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

प्राथमिक शिक्षक संघ ने एमएलसी अशोक अग्रवाल को दिया ज्ञापन

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय नेतृत्व द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में आज जनपद हरदोई के आज विद्यालय मर्जर प्रक्रिया के विरोध में प्रांतीय कोषाध्यक्ष शिव शंकर पांडेय द्वारा एमएलसी अशोक अग्रवाल के आवास पर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन दिया गया।

ज्ञापन के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार से मांग की गई कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा हजारों विद्यालयों को पेयरिंग के नाम पर विद्यालयों को बंद न किया जाये। विद्यालयों के पेयरिंग से नौनिहालों की शिक्षा प्रभावित होगीए हजारों प्रधानाध्यापकों के पद एवम रसोइयों की सेवा समाप्ति जैसे दुष्परिणाम देखने को मिलेंगे। विद्यालय की दूरी अधिक होने पर स्कूलों के बच्चे अन्य विद्यालयों तक नहीं पहुंच सकेंगे। कार्यक्रम में प्रांतीय कोषाध्यक्ष शिव शंकर पांडेय, जिलाध्यक्ष अक्षत पांडेय, जिला मंत्री विपिन कुमार सिंह, ब्लॉक कछौना से उपाध्यक्ष प्रशांत मिश्र, विवेक मिश्रा, हिमांशु श्रीवास्तव, प्रशुभ सिंह, देवेंद्र बाजपेई, नवीन सिंह, चन्द्रकेश यादव समेत कई शिक्षक उपस्थित रहे।

रेलवे कर्मचारियों ने भंडारे का किया आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। भारतीय रेल के कुशल संचालन एवं रेलकर्मियों व रेलयात्रियों की कुशलता हेतु देवशयनी एकादशी के अवसर पर रेलकर्मियों द्वारा बरेली मोड खाटू श्याम मंदिर पर विशाल भंडारा का आयोजन किया गया खाटू श्याम के दर्शन उपरांत भक्तों ने गर्म गर्म पुड़ी सब्जी हलवा का प्रसाद ग्रहण कर प्रसन्नता व्यक्त कर रेलकर्मियों का आभार जताया मुख्य रूप से नरमू नेता नरेंद्र त्यागी मेटबंथरा रवि मीना सचिन यादव आरपीएफसे हरिकेश मीणा तोताराम मेठ शिवकुमार

वीरपाल अजय वर्मा कौशिक सक्सेना हरिशंकर राजीव धर्मेंद्र कौशल अशोक जितेंद्र लुहार अंकित सचिन मुखेश अलाउद्दीन सुरेश मीना मिलनपाल अश्वनी जयपाल प्रभात आदि का सहयोग रहा।

सदस्य विधान परिषद ने पौधरोपण कर वन महोत्सव का किया शुभारंभ

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। वृक्षारोपण महा अभियान 2025 के तहत कछौना वन रेंज के मुख्य अतिथि सदस्य विधान परिषद अशोक अग्रवाल ने नगर वन में पौधा रोपण कर वन महोत्सव का शुभारंभ कियाए उन्होंने पीपलए बरगदए पाकड़ सहित अनेक फलदार व छायादार पौधे रोपित कियेए उन्होंने कहा वन महोत्सव केवल पेड़ लगाने का कार्यक्रम नहीं है, यह लोगों को प्रकृति से आत्मीयता का उत्सव है। इसे जन आंदोलन के रूप में मानना है। अबकी बार थीम है, एक पेड़ मां के नाम पर इसे भावनात्मक संबंध जुड़ना है। हरित पर्यावरण की दिशा में एक सार्थक पहल है। जिससे आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ हवा और हरित वातावरण दे सकें। इसके लिए आज एक बीज बोना जरूरी है। वन क्षेत्राधिकारी विनय कुमार सिंह जादौन ने कहा पूरे सप्ताह विभिन्न आयोजनों के माध्यम से पौधा रोपण कार्यक्रम किए जाएंगे। 9 जुलाई को वृहद वृक्षारोपण अभियान किया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी व मंडला आयुक्त रोशन जैकब, जनप्रतिनिधि गण, जिला के आला अधिकारी, प्रधान गण, बीडीसी, प्रबुद्धजन, नागरिक, छात्र प्रतिभाग करेंगे। इस अवसर पर प्रभागीय वन अधिकारी संडीला डॉ0 अर्चना रावत, ग्राम प्रधान रानू बाजपेई, बीडीसी, प्रबुद्धजन नागरिक मौजूद रहे।

दिव्यांग युवा संघ की हुई महत्वपूर्ण बैठक

मल्लावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। दिव्यांग युवा संघ क्लै विस्तार कार्यकर्ता बैठक सरोज कुमार दिव्यांग के आवास पर गंज जलालाबाद में सम्पन्न हुई जिसमे बिलग्राम, माधौगंज, मल्लावाँ, गंजमुरादाबाद एव गंज जलालाबाद एव आस-पास के गांव के सभी दिव्यांग भाई-बहन कार्यकर्ता लोग शामिल हुए मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष दुर्वेश कुशवाहा आजाद ने संगठन पर चर्चा की और सरकार द्वारा चल रही योजनाओ को बताया 16 को लेकर सरकार के समक्ष रखने की बात कही जिले हरदोई के सभी दिव्यांग जनों को क्लै विस्तार के लिए जिलाध्यक्ष को निर्देश दिये कहा जिले की टीम सभी ब्लाक की टीम का गठन 10 दिन मे किया जाए और उत्तर प्रदेश के 54 लाख दिव्यांग जनों को आवास और नौकरी रोजगार को लेकर जल्द मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया जाएगा और दिव्यांग जनों से जुड़ी मुख्य बिन्दुओ पर भी चर्चा हुई इस अवसर पर जिलाध्यक्ष हरदोई जिले में दिव्यांग बच्चों के प्रमाण पत्र बनवाने के लिए दिव्यांग कैम्प आयोजित किए जाएंगे। उच्च न्यायालय किशोर न्याय समिति के निर्देश पर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी की सूची के अनुसार ये कैम्प होंगे 05 जुलाई 2025-तहसील सण्डीला 19 जुलाई 2025 तहसील सदर 24 जुलाई 2025-ब्लाक संसाधन केन्द्र बिलग्राम 31 जुलाई 2025-ब्लाक संसाधन केन्द्र शाहाबाद 07 अगस्त 2025 ब्लाक संसाधन केन्द्र सवायजपुर इन कैम्पों में जिला के अधिकारी मौजुद रहेगे दिव्यांग साथियों से अनुरोध है कि वे निर्धारित तिथियों पर संबंधित स्थानों पर जाकर प्रमाण पत्र बनवाएं और जिलाध्यक्ष के एहसानुल हक के द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व मे नये पदाधिकारी बनाए गए दिव्यांग सरोज कुमार को जिला सचिव एराहुल कुमार जिला संरक्षक (युवा) दीपक कटियार को जिला मीडिया प्रभारी, विनोद कुमार को ब्लाक अध्यक्ष (मल्लावां) नियुक्त किया गया। इस दौरान रियाजुद्दीन, राधे लाल, श्रवण कुमार, श्याम जी मिश्रा, आलोक कुमार, पंकज मिश्रा, शेर बहादुर सिंह,नईम अंसारी अमन अर्जुल हसन, शहनवाज अकरम पप्पू राठौर आदि लोग मौजूद रहे।

तबाही के सबक

हालिया मानसूनी बारिश और मौसमी विक्षोभ की जुगलबंदी से हिमाचल के कई इलाकों में तबाही का जो भयावह मंजर उभरा, उसे हमें कुदरत के सबक के तौर पर देखना चाहिए। बड़ी संख्या में लोगों की मौत व लापता होने के साथ ही अरबों रुपये की निजी व सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ है। निश्चय ही हाल के वर्षों में बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है और बारिश की तीव्रता बढ़ी है। लगातार बादल फटने के बाद भयावह मंजर हमारे सामने उभरा है। निश्चय ही पूरी दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग के चलते मौसम के बिगड़े तेवर नजर आ रहे हैं, लेकिन पहाड़ों में जल-प्रलय सी आपदा का मंजर निश्चय ही भयावह है। वैज्ञानिकों को इस तथ्य पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि पहाड़ों में बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि क्यों हुई है। इस साल की मानसूनी बारिश में मंडी जिले में बादल फटने की घटनाओं ने बुनियादी ढांचे, घरों,सड़कों और बगीचों को जिस तरह से नुकसान पहुंचाया है, उसने पहाड़ों में विकास के स्वरूप को लेकर फिर नये सिरे से बहस छेड़ दी है। राज्य के तमाम महत्वपूर्ण राजमार्ग भूस्खलन और अतिवृष्टि से बाधित रहे हैं। कांगड़ा घाटी में ऐतिहासिक रेल परिवहन को स्थगित करना पड़ा है। शिमला के पास एक बहुमंजिला इमारत के भरभरा कर गिरने के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने भयभीत किया। यहां ढली इलाके में कई इमारतें गंभीर खतरे की जद में आ चुकी हैं। निश्चय ही मौसम के मिजाज में तल्खी नजर आ रही है लेकिन इस संकट के मूल में कहीं न कहीं अवैज्ञानिक विकास, खराब आपदा प्रबंधन और निर्माण में पारिस्थितिकीय ज्ञान की उपेक्षा भी निहित है। जिसने इस संकट को और अधिक बढ़ाया है। दरअसल, पानी के प्रवाह के जो प्राकृतिक रास्ते थे, हमने उन पर बहुमंजिली इमारतें खड़ी कर दी हैं। हमने अपेक्षाकृत नयी हिमालयी पर्वतमालाओं पर इतना भारी-भरकम विकास व निर्माण लाद दिया कि वे इस बोझ को सहन नहीं कर पा रही हैं।वास्तव, में हिमाचल व उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में अतिवृष्टि से आपदा का जो भयावह मंजर उभर रहा है, उसके मूल में सिर्फ जलवायु परिवर्तन ही मुख्य कारक नहीं है। दरअसल, इस तबाही के मूल में हमारी नाजुक हिमालयी पारिस्थितिकीय तंत्र के प्रति बड़ी लापरवाही भी है। विकास के नाम पर हमने पहाड़ों को काटकर चौड़ी सड़कें बना दी और इससे लगते पहाड़ों की जड़ें खोखली कर दी,जिससे भूस्खलन की गति अप्रत्याशित रूप से बढ़ी है। इस तथाकथित विकास के नाम पर हमने उन सीढ़ीनुमा रास्तों को दरकिनार कर दिया, जो पहाड़ों को मजबूती देते थे। इस तरह हमने परंपरागत हल्की छत वाले घरों के बजाय भारी-भरकम कंक्रीट की छतों वाले घरों को प्राथमिकता दी है। हिमाचल में लाहौल-स्पीति को जोड़ने वाली अटल सुरंग इंजीनियरिंग का चमत्कार हो सकती है, लेकिन इसके अवरोध के बाद पुरानी रोहतांग दर्रा सड़क पर वापसी साबित करती है कि आपातकालीन योजना ने बुनियादी ढांचे के विस्तार के साथ तालमेल नहीं रखा है। इसी तरह कांगड़ा घाटी में रेल यात्रा में व्यवधान विरासत के बुनियादी ढांचे के प्रति आधिकारिक उदासीनता को ही दर्शाता है। यह रेलवे लाइन अभी दूर-दराज के इलाकों के लिये जीवन रेखा जैसी ही है। शिमला के ढली के पास खराब निर्माण और लापरवाही ने कई इमारतों और लोगों के जीवन को संकट में डाल दिया है। जो हमारे अवैज्ञानिक विकास की कीमत चुका रहे हैं। दरअसल,हमें अतीत की आपदाओं से सबक लेकर भविष्य की विकास योजनाओं की रूपरेखा तैयार करनी होगी। पहाड़ों की संवेदनशीलता को देखते हुए नये सिरे से निर्माण के मानक तय करने होंगे। वहीं दैनिक जल निकासी और बरसाती पानी के प्रवाह के लिये वैज्ञानिक ढंग से व्यवस्था करनी होगी। निश्चित रूप से पहाड़ों में लगातार बढ़ती जनसंख्या और बुनियादी ढांचे में पहाड़ की प्राथमिकताओं को नजरअंदाज करने की कीमत हम चुका रहे हैं। भविष्य में ऐसी आपदाओं को टालने के लिये अतीत के सबक सीखकर हमें विकास के नये मानक तय करने होंगे। हमें मानना होगा कि पहाड़ विलासिता के लिये प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवनयापन के लिये होते हैं।

निश्चय ही हाल के वर्षों में बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है और बारिश की तीव्रता बढ़ी है। लगातार बादल फटने के बाद भयावह मंजर हमारे सामने उभरा है। निश्चय ही पूरी दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग के चलते मौसम के बिगड़े तेवर नजर आ रहे हैं, लेकिन पहाड़ों में जल-प्रलय सी आपदा का मंजर निश्चय ही भयावह है। वैज्ञानिकों को इस तथ्य पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि पहाड़ों में बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि क्यों हुई है।

जाति प्रमाणपत्र में छिपा भेदभाव: बच्चों के अधिकारों पर प्रशासनिक कुठाराघात

डॉ सत्यवान सौरभ

जाति प्रमाणपत्र एक ऐसा दस्तावेज है, जो हमारे समाज की सामाजिक संरचना और संवैधानिक वादों के बीच की गहरी खाई को उजागर करता है। यह केवल आरक्षण या सरकारी योजनाओं की पात्रता का प्रमाण नहीं, बल्कि इस बात का संकेत भी है कि किसी बच्चे को अपने अधिकार पाने के लिए किस प्रकार की सामाजिक स्वीकृति और सरकारी मान्यता की आवश्यकता है। हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में यह स्पष्ट किया कि अनुसूचित जाति से संबंधित किसी व्यक्ति का बच्चा भी उसी जाति से माना जाएगा, भले ही उसके माता-पिता के बीच धर्म अलग-अलग हों।

जाति प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया में बच्चों के अधिकारों और सामाजिक पहचान की उपेक्षा गंभीर चिंता का विषय है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने हाल ही में स्पष्ट किया कि यदि कोई बच्चा अनुसूचित जाति की मां द्वारा पाला गया है और उसी समुदाय के रीति-रिवाजों में बड़ा हुआ है, तो उसे प्रमाणपत्र से वंचित नहीं किया जा सकता, भले ही पिता की जाति भिन्न हो। यह फैसला बच्चों के संवैधानिक अधिकारों और सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अब आवश्यक है कि राज्य सरकारें स्पष्ट नीति बनाकर प्रशासनिक भेदभाव की समाप्ति सुनिश्चित करें।

जाति प्रमाणपत्र एक ऐसा दस्तावेज है, जो हमारे समाज की सामाजिक संरचना और संवैधानिक वादों के बीच की गहरी खाई को उजागर करता है। यह केवल आरक्षण या सरकारी योजनाओं की पात्रता का प्रमाण नहीं, बल्कि इस बात का संकेत भी है कि किसी बच्चे को अपने अधिकार पाने के लिए किस प्रकार की सामाजिक स्वीकृति और सरकारी मान्यता की आवश्यकता है। हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में यह स्पष्ट किया कि अनुसूचित जाति से संबंधित किसी व्यक्ति का बच्चा भी उसी जाति से माना जाएगा, भले ही उसके माता-पिता के बीच धर्म अलग-अलग हों। यह फैसला उन हजारों बच्चों को राहत देता है, जिन्हें आज भी केवल उनके माता-पिता के धर्म या सामाजिक स्थिति के आधार पर जाति प्रमाणपत्र से वंचित किया जा रहा है। दिल्ली उच्च न्यायालय का यह फैसला एक बहुचर्चित मामले में आया, जिसमें एक विधवा महिला ने अपने बेटे के लिए अनुसूचित जाति प्रमाणपत्र की मांग की थी। महिला दलित समुदाय से थी, जबकि उसके पति अन्य धर्म से संबंधित थे। बच्चे का पालन-पोषण दलित परंपराओं, रीति-रिवाजों और सामाजिक परिवेश में हुआ, लेकिन प्रशासन ने प्रमाणपत्र जारी करने से इंकार कर दिया। तर्क था ऽ पिता की जाति अलग थी, अतः बच्चा उस जाति का नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह दृष्टिकोण न केवल संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि बच्चों के विकास के अवसरों पर भी आघात है। न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि ह्लजाति एक सामाजिक निर्माण है, जैविक नहीं। यदि बच्चा उस जाति के सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश में बड़ा हुआ है, तो उसे उस समुदाय का हिस्सा माना जाना चाहिए।ङ्क यह टिप्पणी उन सरकारी अधिकारियों के सोच पर गहरी चोट है, जो जाति को अब भी 'खून से बंधा हुआ' तत्व मानते हैं, न कि सामाजिक परिस्थितियों से जुड़ा हुआ। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 15 और 16 समानता का अधिकार प्रदान करता है, वहीं अनुच्छेद 46 स्पष्ट रूप से अनुसूचित जातियों और जनजातियों की शैक्षिक और आर्थिक हितों की विशेष सुरक्षा की बात करता है। लेकिन ज़मीनी हकीकत इससे कोसों दूर है। सरकारी दफ्तरों में आज भी जाति प्रमाणपत्र एक 'कागजी पहचान' से ज़्यादा एक 'पैदाइशी सबूत' के रूप में देखा जाता है। अधिकारी, विशेषकर ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, जाति प्रमाणपत्र जारी करने के लिए ऐसे दस्तावेज़ माँगते हैं जो एक साधारण नागरिक के पास हों भी तो उन्हें मान्यता नहीं मिलती – जैसे मौखिक घोषणाएं, स्थानीय पंचायत की सिफारिश, या जातिगत मान्यता पत्र। समस्या की जड़ उस मानसिकता में है, जो मानती है कि जाति पिता से तय होती है, न कि सामाजिक पालन-पोषण और सामाजिक पहचान से। विशेषकर जब माता अनुसूचित जाति की हो और पिता अन्य जाति या धर्म का, तो बच्चे की पहचान को लेकर सरकारी तंत्र असहज हो जाता है। बच्चों को उन अधिकारों से वंचित कर दिया जाता है, जिनके वे जन्मसिद्ध हकदार हैं – केवल इसलिए कि वे 'शुद्ध जाति व्यवस्था' के साँचे में फिट नहीं होते। यहाँ एक और प्रश्न उठता है- क्या जाति प्रमाणपत्र के मामले में 'पालन-पोषण' का महत्व नहीं होना चाहिए? क्या एक बच्चा जो दलित बस्ती में पला-बढ़ा, जिसने सामाजिक अपमान, भेदभाव और आर्थिक अभाव झेला, उसे केवल इस आधार पर वंचित किया जा सकता है कि उसके पिता किसी अन्य जाति या धर्म से थे? दिल्ली उच्च न्यायालय ने इसी प्रश्न का उत्तर देते हुए एक ऐतिहासिक दृष्टिकोण अपनाया – कि जाति कोई आनुवंशिक रोग नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तराधिकार है। प्रशासनिक व्यवस्था आज भी औपनिवेशिक सोच से ग्रस्त है, जहाँ हर दस्तावेज़ को संदेह की निगाह से देखा जाता है। बच्चे और विधवा महिलाओं के मामलों में तो यह और भी जटिल हो जाता है। एक विधवा दलित महिला को बार-बार प्रमाण देना पड़ता है कि उसका बच्चा उसी समुदाय में बड़ा हुआ है – यह न केवल मानसिक पीड़ा है, बल्कि असंवेदनशील राज्य व्यवस्था का प्रत्यक्ष उदाहरण भी है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) भी कई बार यह सुझाव दे चुका है कि बच्चों को जाति प्रमाणपत्र जारी करने में 'पालन-पोषण' को एक प्रमुख आधार बनाया जाए। लेकिन राज्य स्तर पर नौकरशाही अभी भी इस परिवर्तन के लिए तैयार नहीं है। अधिकारियों को डर है कि यदि सामाजिक पहचान को आधार मान लिया गया, तो फर्जी प्रमाणपत्रों की बाढ़ आ जाएगी। लेकिन यह सोच असल में उन बच्चों के अधिकारों का हनन करती है, जो दोहरे भेदभाव का शिकार होते हैं – एक ओर सामाजिक, दूसरी ओर प्रशासनिक। जाति प्रमाणपत्र न केवल आरक्षण की कुंजी है, बल्कि यह सरकारी छात्रवृत्तियों, प्रतियोगी परीक्षाओं, आवासीय योजनाओं और नौकरियों में प्रवेश का द्वार भी है। जब किसी बच्चे को केवल उसके माता-पिता की जातिगत भिन्नता के आधार पर इससे वंचित किया जाता है, तो यह संविधान की आत्मा पर आघात है। यह उस समानता और न्याय की भावना के विपरीत है, जिसकी स्थापना के लिए संविधान निर्माताओं ने संघर्ष किया था। यह भी उल्लेखनीय है कि कई बार तो अधिकारियों द्वारा जाति प्रमाणपत्र देने से इनकार करने के पीछे व्यक्तिगत पूर्वाग्रह या राजनैतिक दबाव भी होता है। यदि कोई बच्चा गरीब है, दलित बस्ती में रहता है और उसकी माँ अकेली कमाने वाली है- तब भी उसे प्रमाणपत्र नहीं दिया जाता, जब तक वह 'पिता की जाति' सिद्ध न कर दे। यह पुरुषसत्तात्मक दृष्टिकोण है, जो महिला की सामाजिक स्थिति और उसके बच्चे के अधिकारों को नगण्य समझता है। ऐसे में न्यायालयों की भूमिका निर्णायक हो जाती है। दिल्ली उच्च न्यायालय का यह फैसला एक नज़ीर बने, इसके लिए ज़रूरी है कि केंद्र और राज्य सरकारें स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करें। यदि कोई बच्चा किसी दलित महिला द्वारा पाला गया है, और समाज में उसकी पहचान उस समुदाय की है, तो उसे जाति प्रमाणपत्र देने में कोई संदेह या अड़चन नहीं होनी चाहिए। साथ ही, बाल अधिकारों के संरक्षण की दिशा में भी यह आवश्यक है कि शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग और बाल आयोग मिलकर ऐसी नीतियाँ बनाएँ, जहाँ बच्चों की सामाजिक पृष्ठभूमि को वरीयता दी जाए- न कि केवल जैविक वंशावली को। यह केवल एक प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि संवैधानिक न्याय की ओर एक कदम है। यदि हम बच्चों को उनके अधिकारों से वंचित करेंगे, तो वह राष्ट्र जो 'न्याय, स्वतंत्रता और समानता' की बात करता है, केवल एक छलावा बनकर रह जाएगा।

मिट्टी-पानी बचाने की अच्छी परंपराएं

बाबा मायाराम

मध्यप्रदेश का सतपुड़ा अंचल बारिश आते ही हरा-भरा हो गया है। पहाड़ों व जंगलों की खूबसूरती देखते ही बनती है। जो जंगल गर्मी के दिनों में सूखे व उजाड़ व उदास दिखते हैं, वे मानसून की बारिश आते ही हरे-भरे और सजीव हो उठे हैं। आज के इस कॉलम में प्रकृति के इस अनूठे उपहार पर ही चर्चा करना चाहूंगा, जिससे प्रकृति को हम समझें और उसे संरक्षित करें। मैं रोज साइकिल की सैर करता हूं। इन दिनों किसान धान की रोपाई करने में लगे हैं। खेतों में रंग-बिरंगी पोशाकों में महिलाएं धान रोपाई का काम कर रही हैं। कुछ किसान ट्रेक्टर से खेतों की जुताई कर रहे हैं। कुछ खेतों की बागुड़ कर रहे हैं, जिससे उनकी फसल सुरक्षा हो सके। तीन-चार दिनों से लगातार बारिश हो रही है। कभी रिमझिम, तो कभी तेज बारिश बहुत लुभा रही है। गर्मी से राहत तो मिली ही है, खेती में भी रौनक आ गई है। खेती का काम शुरू हो गया है। पूरा वातावरण खुशनुमा हो गया है। मुझे याद आ रहा है मेरा बचपन। उन दिनों बारिश के पहले कच्चे घरों की मरम्मत का काम होता था। पशुओं के लिए भूसा, सूखी घास एकत्र कर रख ली जाती थी। क्योंकि बारिश चार महीने बहुत होती थी। बुजुर्ग लोग जूट या बावेर घास से रस्सी बनाते थे। जिसे खाट बुनने, बैलगाड़ी के लिए और हल जुताई जैसे कामों में इस्तेमाल करते थे। बारिश के पहले ही महिलाएं रसोई के लिए मसाले तैयार कर लेती थीं। बारिश में पुराने कपड़ों से थैले, रजाई, पैरदान जैसी चीजें बनाए जाते थे। यह ऐसा समय होता था, जब ज्यादा काम नहीं होता था। क्योंकि बारिश के कारण घर से निकलना मुश्किल होता था। घर में रहकर ही छोटे-मोटे काम करना होता था। बारिश के दिनों में महुआ व दाल को खाना ज्यादा पसंद किया जाता था। महुआ भूंजकर व तिल के साथ भुरका बनाकर भी खाया जाता था। महुआ के लड्डू भी बनाए जाते थे। इस तरह महुआ लोगों का प्रिय भोजन हुआ करता था। यह शायद इसलिए भी कि उन दिनों अनाज कम होता था। नदी नालों में बाढ़ आ जाती थी। तालाब, कुएं लबालब भर जाते थे। चारों तरफ पानी-पानी हो जाता था। मेरी मां छत के नीचे बर्तन रखती थी, जिससे उसमें पानी एकत्र होता था। उस पानी का इस्तेमाल पशुओं को पानी पिलाने व बर्तन मांजने जैसे कामों में होता था।इन दिनों बारिश से जमीन, चट्टानें और पेड़ों की नंगी डालियों में नई जान आ गई है। चारों तरफ हरियाली फूट पड़ी है। पेड़ों में नए पत्ते आ गए हैं और हरे-भरे हो गए हैं। जब हवा चलती है तो उनकी शाखाएं हवा में डोलने लगती हैं। चिड़ियां फुदकने लगती हैं। बयां जैसी चिड़ियों ने घोंसले बना लिए हैं, उनके आसपास मंडराती रहती हैं। उन्हें भी गर्मी से राहत मिली है। जो नदी नाले गर्मी में सूख जाते हैं, या कहें अदृश्य हो जाते हैं, बारिश में कल-कल बहने लगे हैं। पहाड़ियों से निकलकर झरने निनाद करते बहने लगते हैं। इनको देखकर ऐसा लगता है जैसे गुमा हुआ व्यक्ति अचानक से मिल जाता है। मौसम में नई बहार आ जाती है। जगह-जगह से छोटे-बड़े पौधे निकल आते हैं। पेड़ों के बीच से, चट्टानों की दरारों से और जहां आप सोच भी नहीं सकते वहां से पौधे झांकने लगते हैं। मेढकों की टर्र टर्र आवाजें आ रही हैं। खेतों में भटकते सियार व लोमड़ी भी घूमते दिख जाते हैं। बारिश के दौरान पेड़ों से बूंदें टपकना, पेड़ों की डालियों में लड़ियों सी सज जाती हैं। घने मिश्रित के वनों के ऊपर छतरी से छाए बादल मंडरा रहे हैं, धुएं सा आभास होता है, पानी की फुहार गिरती रहती है, रिमझिम-रिमझिम, धीरे-धीरे। पहाड़ों पर बादल उड़ते दिखते हैं। इन दिनों सागौन के चौड़े पत्ते लुभा रहे हैं। इसके जुड़वा पत्ते हवा में हिलते हैं। हाथ के स्पर्श से खरखराते हैं। मुझे याद आ रही है जब इनके पत्तों से चरवाहे व किसान छाता बनाते थे, जो बारिश से बचाता था। सागौन, इमारती लकड़ी है। इसके खुरदरे पत्तों से किसान खेतों में ढबुआ (मंडप) बनाते थे, जिससे वे रखवाली करने के दौरान रहते हैं। जंगल वाले इलाकों में अब भी बनाते हैं। इसके पत्तों से बने ढबुए बहुत ठंडे होते हैं। इन ढबुओं में बैठकर खेतों की रखवाली करते हैं। नर्मदा जो विन्ध्यांचल और सतपुड़ा के बीच मैकल पर्वत से निकलती है, इसलिये इसे मैकलसुता कहते हैं। इन दिनों तेज बहने लगी है। देनवा, जो तवा की सहायक नदी है, में एक दो बार बाढ़ आ चुकी है। तवा, नर्मदा की सहायक नदी है। उसने अपनी बाहें फैला दी हैं, गर्मी में उसकी पतली धार हो गई थी, अब तेज बहाव के साथ बह रही है। हाल के कुछ बरसों से किसानों की एक बड़ी समस्या है बारिश न होना या अनियमित होना। भूजल बरसों में एकत्र होता है, यही हमारा सुरक्षित जल भंडार है। फिर बिना बिजली के उसे ऊपर खींचना मुश्किल है। पूर्व से आसन्न बिजली का संकट साल दर साल बढ़ते जा रहा है। यानी ऊर्जा का संकट भी है। नर्मदांचल में हवेली पद्धति में पानी की खेती का अच्छा उदाहरण है, जिसमें मिट्टी-पानी का संरक्षण होता था। खेतों में चारों ओर ऊंची मेड़ बनाकर बारिश का पानी रोका जाता था। जमीन सूखने पर पानी निकाल दिया जाता था और फसल लगा दी जाती थी। इसके बाद सिंचाई की जरूरत ही नहीं पड़ती थी। यानी बारिश में पानी रोकते थे, और गर्मी की फसल लगाते थे। अभी भी जहां सिंचाई नहीं है, वहां किसान बारिश में खेत खाली छोड़ देते हैं, जिससे मिट्टी को फिर से उर्वर बनने में मदद मिली है। खेत को आराम मिलता है, और फिर गर्मी की फसल लेते हैं। इस तरह मिट्टी-पानी का संरक्षण भी होता है। इस तरह हमें मिट्टी-पानी का संरक्षण करना जरूरी है। जैसे भी हो, जहां भी संभव हो, बारिश के पानी को वहीं लोगों के खेत तक पहुंचाना चाहिए। जहां पानी गिरता है, उसे सरपट न बह जाने दें। स्पीड ब्रेकर जैसी पार बांधकर, उसकी चाल को कम करके धीमी गति से जाने दें। इसके कुछ तरीके हो सकते हैं। खेत का पानी खेत में रहे, इसके लिए मेड़बंदी की जा सकती है। गांव का पानी गांव में रहे, इसके लिए तालाब और छोटे बंधान बनाए जा सकते हैं। चौक डेम बनाए जा सकते हैं। पेड़, तरह-तरह की झाड़ियां व घास की हरियाली बढ़ाकर जल संरक्षण किया जा सकता है। शहरों में जल संचयन के माध्यम से पानी को एकत्र कर भूजल को ऊपर लाया जा सकता है। इसके माध्यम से कुओं व नलकूप को पुनर्जीवित किया जा सकता है। इसके साथ सबसे जरूरी है खेती में हमें फसलचक्र बदलना होगा। कम पानी या बिना सिंचाई के परंपरागत देशी बीजों की खेती करनी होगी। और ऐसी कई देशी बीजों को लोग भूले नहीं है, वे कुछ समय पहले तक इन्हीं बीजों से खेती कर रहे थे। देशी बीज और हल-बैल की गोबर खाद वाली की खेती की ओर मुड़कर मिट्टी-पानी का संरक्षण करना होगा। इस इलाके में मुख्य रूप से आदिवासी सूखी खेती भी करते हैं। यानी बारिश के पानी पर आधारित। मक्का, ज्वार, कोदो, कुटकी और कई तरह की सब्जियां। धान भी लगाते हैं। कुल मिलाकर, यह कहा जा सकता है कि मानसून में सतपुड़ा का नजारा बहुत खूबसूरत होता है। हमें समन्वित प्रयास से ही हम पानी जैसे बहुमूल्य संसाधन का संरक्षण व संवर्धन कर सकते हैं। इसके साथ ही, नदियों को बचाने की जरूरत है। लेकिन क्या हम इस दिशा में आगे बढ़ेंगे?

छद्म धर्म-निरपेक्षता: राष्ट्रभाव का अपमान

हृदयनारायण दीक्षित

धर्म की धारणा पंथ, मत, रिलीजन या आस्था विश्वास से भिन्न है। धर्म हरेक वस्तु या प्राणी का स्वभाव है, आस्था नहीं। अग्नि का धर्म ताप और जल का धर्म है रस। पृथ्वी का गुण कर्म धर्म है- गुरूत्वाकर्षण। पंथ, मत, मजहब आस्था विश्वास हैं। धर्म आस्थामुक्त है। यहां कोई एक देवदूत नहीं। कोई एक आस्थाग्रन्थ नहीं। भारत के लोगों की विवेकशील जीवनशैली का नाम है धर्म। धर्म यानी सनातन सत्य। इसलिए भारत धर्मनिरपेक्ष नहीं हो सकता। पंथनिरपेक्षता भारत के धर्म का ही स्वाभाविक प्रवाह है। अवसरवादी राजनीति सेकुलर का अनुवाद धर्मनिरपेक्ष करती है और इसी बहाने देश के बहुसंख्यक समाज को अपमानित करती है। प्रत्येक शब्द का अर्थ होता है। अर्थ की विकृति में अनर्थ होता है। हरेक शब्द के जन्म का एक इतिहास भी होता है। एक विशेष परिस्थिति और संस्कृति में शब्द का विकास होता है। जर्मन दार्शनिक वाल्टेयर ने इसीलिए 'तर्क से पहले शब्दों की परिभाषा' को जरूरी बताया था।

संविधान की उद्देशिका में सेकुलर शब्द आपातकाल में जोड़ा गया था। संविधान के मूल पाठ में भी इसका अंग्रेजी शब्दानुवाद 'सेकुलर' नहीं था। प्रो. के.टी. शाह ने संविधान सभा में इसे दो दफा जुड़वाने की कोशिश की। 15 नवम्बर 1948 के दिन अनु. 1 में 'सेकुलर' शब्द जोड़ने का उनका प्रस्ताव गिर गया। फिर 25 नवम्बर 1948 को एक अन्य प्रस्ताव में 'सेकुलर' शब्द का प्रस्ताव औंधे मुंह गिरा। आपातकाल (1976) में पूर्व प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी ने 42वें संविधान संशोधन के जरिए 'सेकुलर' जोड़ा। इसका अधिकृत हिन्दी पाठ धर्मनिरपेक्षता न होकर पंथनिरपेक्षता है।

धर्म की धारणा पंथ, मत, रिलीजन या आस्था विश्वास से भिन्न है। धर्म हरेक वस्तु या प्राणी का स्वभाव है, आस्था नहीं। अग्नि का धर्म ताप और जल का धर्म है रस। पृथ्वी का गुण कर्म धर्म है- गुरूत्वाकर्षण। पंथ, मत, मजहब आस्था विश्वास हैं। धर्म आस्थामुक्त है। यहां कोई एक देवदूत नहीं। कोई एक आस्थाग्रन्थ नहीं। भारत के लोगों की विवेकशील जीवनशैली का नाम है धर्म। धर्म यानी सनातन सत्य। इसलिए भारत धर्मनिरपेक्ष नहीं हो सकता। पंथनिरपेक्षता भारत के धर्म का ही स्वाभाविक प्रवाह है। अवसरवादी राजनीति सेकुलर का अनुवाद धर्मनिरपेक्ष करती है और इसी बहाने देश के बहुसंख्यक समाज को अपमानित करती है। प्रत्येक शब्द का अर्थ होता है। अर्थ की विकृति में अनर्थ होता है। हरेक शब्द के जन्म का एक इतिहास भी होता है। एक विशेष परिस्थिति और संस्कृति में शब्द का विकास होता है। जर्मन दार्शनिक वाल्टेयर ने इसीलिए 'तर्क से पहले शब्दों की परिभाषा' को जरूरी बताया था। सेकुलर विचार का जन्म यूरोपीय पंथिक राज्य की तानाशाही की प्रतिक्रिया में हुआ। प्राचीन भारतीय इतिहास में पंथ/आस्था की तानाशाही वाला कोई राजा या राज्य नहीं हुआ। इस्लामी राज में बेशक औरंगजेब जैसे कई बादशाहों ने मजहब आधारित राजव्यवस्था चलाने के प्रयास किये, लेकिन भारत के धर्म की स्वाभाविक पंथनिरपेक्ष जीवनशैली के चलते सारे प्रयास असफल रहे। लेकिन इसी समय यूरोप में चर्च की पंथ आधारित तानाशाही चली। आमजनों के साथ-साथ राजा और राज्यव्यवस्थाएं भी बिलबिला गयीं। भारत धर्म क्षेत्र होकर भी धार्मिक तानाशाही से मुक्त रहा। यूरोप कथित विवेक विज्ञान से लैस होकर भी अंधआस्थावाद के जबड़ों में पिसा। यूरोपीय मध्यकाल अंधकार युग है, भारतीय मध्यकाल में मजहबी बादशाहत के बावजूद ज्ञान-विज्ञान और तर्क सम्मत धर्म विवेक का प्रवाह है। छद्म सेकुलरवाद या कथित धर्मनिरपेक्षता सड़ा-गला विदेशी माल है। पश्चिम में चर्च की तानाशाही और राजा की राजशाही के बीच लम्बी लड़ाई चली। पोप इन्नोसेन्ट तृतीय के समय (1198-1216) चर्च के सामने राजा की ताकत नगण्य थी। इंग्लैण्ड और फ्रांस के राजा उसके दबदबे में थे। इटली उसके नियंत्रण में था। पोप से फ्रांस के राजा फिलिप का विवाद हुआ। मूल प्रश्न था कि सत्ता राजा चलाएगा? या पोप की पंथिकसत्ता? फ्रांस के राजा फिलिप ने पादरी समुदाय पर भी कर लगाया। पोप ने विरोध किया। पोप ने आदेश पत्र में कहा कि राजा और राज्य भी पोप-चर्च के अधीन हैं। चर्च की सम्पत्ति या लोग सांसारिक राज्य के अधीन नहीं आते। यही आदेश इंग्लैण्ड के लिए भी था। इंग्लैण्ड में काफी जद्दोजेहद के बाद राजा का आदेश माना गया, पादरी झुक गये। फ्रांस में पोप के आदेश के विरूद्ध राजा ने पोप के लोगों का फ्रांस प्रवेश रोक दिया। पोप और फ्रांस के राजा के बीच की टकराहट बढ़ती गयी। राजा ने देश के बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं की बैठक बुलाकर तय किया, ङ्कहम सांसारिक मामलों में किसी अन्य सत्ता के अधीन नहीं हैं।ङ्क इंग्लैण्ड के राजा हेनरी सप्तम और हेनरी अष्टम भी चर्च के आधिपत्य से लड़े। हेनरी अष्टम के सहायक और हाउस आफ लार्डस के सदस्य कार्डीनल वूल्जे ने बाइबिल के हवाले से कहा, ङ्कजो ईश्वर का है, उसे ईश्वर को दो और जो राजा का है वह राजा को।ङ्क सिद्धांत यह बना कि सभी सांसारिक विषयों पर सत्ता का अधिकार है और ईश आस्था से जुड़े कार्य चर्च के हैं। चर्च की अंध आस्थावादी तानाशाही और संसारवाद की लड़ाई में यथार्थवाद की जीत हुई। 1870 में पोप के रोम पर इटली का अधिकार हो गया। इटली की संसद (1871) ने 'ला आफ पेपर गारंटीज' पारित किया। पोप को उनका पड़ोसी क्षेत्र 'वेटिकन' देकर सर्वोच्च शासक माना गया। बाकी रोम अलग हो गया। 1905 में फ्रांस ने भी कानून बनाकर भौतिक विषयों पर राज्यव्यवस्था का एकाधिकार मजबूत किया। सारांश यह कि राजकाज के संचालन में संगठित पंथ से भिन्न व्यक्ति की गरिमा ही सेकुलरवाद है। लेकिन भारतीय राजनीति के कथित सेकुलर मजहबी कट्टरपंथ और धर्मान्तरणवादी ईसाइयत को सेकुलरवाद बताते हैं। वेटिकन दुनिया का सबसे छोटा देश है। पोप पंथिक राष्ट्राध्यक्ष हैं। सारी दुनिया को ईसाई बनाना उनका लक्ष्य है। कथित धर्मनिरपेक्षता अवसरवादी भारतीय राजनीति का 'फास्टफूड' है। चैम्बर्स ट्वैन्टीन्थ सेन्चुरी डिक्शनरी व अंग्रेजी लागमैन डिक्शनरी सहित पश्चिम के सभी शब्दकोषों में इसका अर्थ पंथ-मजहब से असम्बद्ध, ईश्वर आस्था से पृथक भौतिक संसार है लेकिन अल्पसंख्यकवादी भारतीय राजनीति में इसका अर्थ मजहबवाद है। यहां मजहबी आरक्षण भी सेकुलर है और इसका संवैधानिक विरोध भी साम्प्रदायिकता है। हिन्दू होना सेकुलर विरोधी होना है और मजहबी कट्टरपंथ का समर्थन धर्मनिरपेक्षता है। बड़ा हास्यास्पद और हिंसक हथियार है धर्मनिरपेक्षता। 'हम भारत के लोग' प्राचीन धर्म और संस्कृति के कारण ही सर्वपंथ आदरभाव से युक्त हैं। यहां आयातित सेकुलरवाद की कोई जरूरत नहीं है। पंथ निरपेक्षता भारत का स्वभाव है। इसका मूल अर्थ सर्वपंथ समभाव है। अथर्ववेद में माता पृथ्वी की स्तुति है। यह माता भिन्न-भिन्न विचार वाले जनों को पोषण देती है। सारे मत अंततः एक हैं। गीता भी कहती है कि जो विभक्त दिखाई पड़ने वाले संसार को अविभक्त इकाई देखता है, वही सही देखता है। छद्म 'धर्म-निरपेक्षता' राष्ट्रभाव का अपमान है। रिलीजन-मत या मजहब की आस्था और धर्म एक नहीं है। भारत में प्रत्येक आस्था को आदर मिला। आखिरकार मजहबी बहुमत वाला एक भी मुल्क पंथनिरपेक्ष क्यों नहीं है? भारतीय धर्म और संस्कृति ने दयानंद, विवेकानंद, गोखले, तिलक, गांधी, पटेल, डॉ हेडगेवार, डॉ. लोहिया, विपिन चन्द्र पाल, बंकिम चन्द्र जैसे प्रेरक व्यक्तित्व दिये हैं। सेकुलर का अर्थ भौतिक और सांसारिक ही होता है, धर्मनिरपेक्ष नहीं। मजहबी अल्पसंख्यकपरस्ती तो कतई नहीं। उधार का ज्ञान खतरनाक होता है। उधार के शब्द और भी खतरनाक होते हैं। निरंतर प्रयोग से शब्द भी घिसते हैं। दुरूपयोग से पिटते भी हैं। इस तरह घिसे पिटे शब्द अपनी आभा खो देते हैं। शब्दों का सम्यक ज्ञान सम्यक प्रयोग ही लोकमंगल का मार्ग है। पतंजलि ने महाभाष्य में शब्दों के सम्यक प्रयोग के ही निर्देश दिए हैं।

देश की एकता के लिए शहीद हुए थे डॉ. मुखर्जी : विमल द्विवेदी

- डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर आदमपुर बरेठी में श्रद्धांजलि कार्यक्रम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। मोहान विधानसभा के ग्राम आदमपुर बरेठी वार्ड नंबर चार में भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा नेता विमल द्विवेदी ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और कहा कि भारत की एकता और अखंडता के लिए उनका योगदान अविस्मरणीय है। विमल द्विवेदी ने अपने संबोधन में कहा, ''डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। उन्होंने कश्मीर से लेकर बंगाल तक भारत की हर इंच भूमि के लिए संघर्ष किया। जनसंघ की स्थापना कर उन्होंने एक ऐसा वैचारिक मार्ग दिया, जो पूर्णतः भारतीयता से ओतप्रोत था।'' कार्यक्रम के पश्चात भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजक अमित शुक्ला, युवा नेता आशीष मिश्रा अन्नू, हिन्दू जागरण मंच के जिला संयोजक अजय त्रिवेदी, ग्राम प्रधान कौशलेन्द्र सिंह, शिवम सिंह, अवनीश सिंह, कुंवर प्रताप सिंह, केतन अवस्थी, परिमल मिश्रा, राकेश राजपूत, अभिषेक तिवारी, आनंद मिश्रा एडवोकेट, शिवम शुक्ला सहित आधा सैकड़ा से अधिक लोग उपस्थित रहे। सभी ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

तिलहन फसल को बढ़ावा देने के लिए गंभीर है सरकार : डॉ. महक सिंह

कानपुर। चंद्रशेखर प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय के लाल बहादुर सभागार कक्ष में कृषकों की मासिक बैठक हुई। जिसमें खरीफ तिलहन के अंतर्गत तिल की नवविकसित प्रजाति आर टी 372 का किसानों को प्रदर्शन के लिए वितरण किया गया। यह जानकारी रविवार को विश्वविद्यालय के तिलहन विभाग के प्रभारी डॉक्टर महक सिंह ने दीं। विश्वविद्यालय के तिलहन विभाग के प्रभारी डॉक्टर महक सिंह ने किसानों को उन्नत कृषि की तकनीकी बताई। साथ ही किसानों को तिलहन की खेती के फायदे भी बताए। उन्नत कृषि की तकनीकी की जानकारी देते हुए डॉक्टर सिंह ने कहा कि सरकार तिलहन फसल को बढ़ावा देने के लिए गंभीर है। निदेशक प्रसार डॉक्टर आर के यादव ने बताया कि कृषक तिल की फसल में नवीन कृषि पद्धतियों को का समावेश करें तो यह और अधिक लाभकारी फसल है। इस अवसर पर डॉक्टर भूपेंद्र सिंह, डॉ विनोद कुमार, कृषक समिति के अध्यक्ष बाबू सिंह, प्रगति शील कृषक जगदीश सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कीटनाशक रसायनों की अवैध पैकिंग का भंडाफोड़

- औचक निरीक्षण में खुली बोरियों में मिला संदिग्ध कीटनाशक, गोदाम सील

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। कृषि विभाग की टीम ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए भतावा गांव स्थित एक खाद भंडार में अवैध रूप से कीटनाशक रसायनों की पैकिंग करते हुए रंगे हाथों पकड़ा। जिला कृषि रक्षा अधिकारी शशांक चौधरी को गुप्त सूचना मिली थी कि निरंकारी खाद भंडार, भतावा (सिरोसी) की गोदाम में बिना लाइसेंस और अनुमति के कीटनाशकों की पैकिंग की जा रही है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कृषि अधिकारी टीम सहित मौके पर पहुंचे। औचक निरीक्षण के दौरान गोदाम में बोरियों में खुले कीटनाशक रसायन, खाली पैकिंग बैग, कीटनाशक के गत्ते और उर्वरक का अवैध भंडारण पाया गया। पूछताछ में गोदाम संचालक राहुल प्रसाद पुत्र बाबूलाल कोई भी संतोषजनक दस्तावेज या उत्तर प्रस्तुत नहीं कर सके। संदेहास्पद सामग्री को देखते हुए कीटनाशकों और उर्वरकों के नमूने नियमानुसार लेकर प्रयोगशाला जांच हेतु भेजे गए हैं। मौके पर नायब तहसीलदार स्नेहा यादव की उपस्थिति में गोदाम को सील कर दिया गया है। वहीं, संचालक राहुल प्रसाद के विरुद्ध विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

मोहर्रम जुलूस के कारण यातायात पूरी तरह बाधित

शुक्लागंज- उन्नाव। रविवार दोपहर को गंगाघाट के मुस्लिम बहुल इलाकों से मोहर्रम का जुलूस निकला, जिसमें हजारों की संख्या में लोग ताजिया और झंडे लिए हुए थे। जुलूस के कारण शुक्लागंज से उन्नाव की ओर जाने वाली फोरलेन पर यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया। जाम की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शुक्लागंज से उन्नाव जाने वाले वाहनों को दूसरी लेन (विपरीत दिशा वाली लेन) पर मोड़ दिया। इससे एक ही लेन पर वाहनों का दबाव अत्यधिक बढ़ गया और देखते ही देखते भीषण जाम लग गया। वाहन चालक जल्दबाजी में निकलने की कोशिश करने लगे, जिससे स्थिति और भी जटिल हो गई।

मोहर्रम जुलूस में निकाले गए ताज़िया

शुक्लागंज- उन्नाव। मोहम्मद इमाम हुसैन के नवासे की शहादत की याद में आज नगर के विभिन्न मुस्लिम इलाकों से मोहर्रम का जुलूस पूरे अकीदत के साथ निकाला गया। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल जुलूस के साथ रहा और सुरक्षा व यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की गई। अहमद नगर, रहमत नगर, मनोहर नगर, अली नगर, मदनीनगर, चम्पापुरवा समेत कई मोहल्लों से दोपहर 2 बजे से ताजियों का निकलना शुरू हो गया। हक और सच के लिए शहीद हुए इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए, इन मोहल्लों से आए सभी ताजिए राजधानी मार्ग स्थित जामा मस्जिद में एकत्र हुए। यहां से एक भव्य जुलूस की शक्ल में ताजिए नगर के विभिन्न स्थानों के लिए रवाना हुए। जुलूस में शामिल आकर्षक ताजिए लोगों का ध्यान बरबस अपनी ओर खींच रहे थे. इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल जुलूस के साथ-साथ चल रहा था, जिससे शांति व्यवस्था बनी रहे. थाना प्रभारी पी के मिश्रा खुद भारी पुलिस बल के साथ जुलूस की निगरानी कर रहे थे. शाम को सभी ताजिए पश्चिमी गंगाघाट क्षेत्र स्थित कर्बला पहुंचे, जहाँ गमगीन आँखों से मुस्लिमों ने ताजियों को दफन किया। जुलूस के दौरान कुछ स्थानों पर जाम की स्थिति बनी।

पुलिस चेकिंग में पांच लाख की शराब ट्रक समेत जब्त

देवरिया। मईल थाना पुलिस ने रविवार को ब्लऑपरेशन प्रहारङ्क के तहत एक ट्रक को कब्जे में लिया है। तलाशी में ट्रक से भारी मात्रा में शराब बरामद हुई है। यह शराब बिहार सप्लाई ले जायी जा रही थी। उपनिरीक्षक सुमित कुमार राय ने बताया कि मईल थाना पुलिस वाहन चेकिंग अभियान चला रही है। इस दौरान पुलिस ने सूचना पर पिण्डी तिराहे के पास लावारिश खड़े एक ट्रक (यूपी 57 टी 3489) को कब्जे में लिया है। तलाशी में ट्रक से 169 पेटी अवैध देशी शराब, 331 पेटी बीयर, 408 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की गई है। बरामद शराब की कीमत लगभग पांच लाख रुपये बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि कागजातों से पता चला है कि यह शराब बिहार सप्लाई को जा रही थी। पुलिस की चौकसी देखकर चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया है।

खड़े ट्रक से टकराया अनियंत्रित आटो, चालक समेत दो की मौत व तीन घायल

प्रयागराज। नवाबगंज थाना क्षेत्र में मलाक बलऊ गांव के समीप रविवार को एक ऑटो अनियंत्रित होकर खड़े ट्रक से टकरा गया। हादसे में ऑटो चालक समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि ऑटो सवार तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर पुष्कर वर्मा ने बताया कि हादसे में प्रतापगढ़ जनपद के हथिगवां थाना क्षेत्र के परानूपुर गांव निवासी जावित्री (60 वर्ष) पत्नी गिरजा शंकर और ऑटो चालक इसहाक अहमद (30 वर्ष) निवासी दानियलपुर नवाबगंज की मौत हो गई। जबकि इस हादसे में मृतका की बहू कामिनी, नाती अनुज और वैभव घायल हो गए हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिवार के लोगों ने बताया कि जावित्री अपने प्रतापगढ़ स्थित आवास से अपनी बहू कामिनी, नाती अनुज एवं वैभव के साथ दारागंज स्थित अपने घर आने के लिए ऑटो में सवार होकर घर आ रही थी। रास्ते में नवाबगंज थाना क्षेत्र मलाक बलऊ गांव के समीप यह हादसा हो गया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार के लोग भी बदहवास हालत में अस्पताल पहुंच गए।

बालपुर में कूड़े-कचरे और जलभराव की समस्या, लोगों को परेशानी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कर्नलगंज, गोंडा। तहसील क्षेत्र के विकास खंड हलधरमऊ अन्तर्गत बालपुर हजारी ग्राम पंचायत स्थित बालपुर बाजार इन दिनों कूड़े-कचरे के ढेर और जलभराव की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। यहाँ की गलियों और मुख्य सड़कों पर जगह-जगह कचरे का अंबार लगा हुआ है, जिससे दुर्गंध और गंदगी का माहौल बना हुआ है। नालियों की नियमित सफाई न होने के कारण वे कचरे और मलबे से चोक हो गई हैं, जिससे बरसाती पानी सड़कों पर जमा हो रहा है। इससे न केवल आवागमन में दिक्कत हो रही है, बल्कि मच्छरों और संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारियों, कर्मचारियों की लापरवाही के कारण यह स्थिति बनी है।

कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। दुकानदारों और राहगीरों को जलभराव के कारण रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गंदे पानी की दुर्गंध से घरों में रहना भी मुश्किल हो गया है। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि नालियों की सफाई और कचरा निस्तारण के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाए जाएं। अगर जल्द ही समाधान नहीं हुआ, तो लोग प्रदर्शन की चेतावनी दे रहे हैं। हलधरमऊ के खंड विकास अधिकारी देव नायक सिंह ने बताया कि सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) को निर्देशित किया गया है।

दो भाइयों के विवाद में एक की मौत,पुलिस जांच में जुटी

कर्नलगंज,गोण्डा। कोतवाली क्षेत्र के भुलियापुर गांव में शनिवार रात दो भाइयों के बीच मामूली कहासुनी ने खूनी रूप ले लिया, जिसमें एक भाई की जान चली गई। मृतक की पहचान मुकेश उर्फ रिंकू पुत्र लल्लू के रूप में हुई है। विवाद के दौरान मारपीट में मुकेश की मौत से गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही भंभुआ चौकी और कर्नलगंज कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मृतक की पत्नी और बच्चों को चौकी ले गई। पुलिस ने विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है और मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। घटना के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। हालांकि, प्रभारी निरीक्षक और क्षेत्राधिकारी का सीयूजी नंबर नेटवर्क क्षेत्र से बाहर होने के कारण उनसे संपर्क नहीं हो सका। इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

द जर्नलिस्ट एसोसिएशन की मासिक बैठक संपन्न, लिये गए अहम निर्णय

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- ''पत्रकार हो,तो संगठन ही परिवार,तो उसकी मदद करना हमारी प्राथमिकता : जिलाध्यक्ष महादेव मौर्य

कर्नलगंज,गोंडा। जनपद गोंडा में कार्यरत पत्रकारों के हितों की रक्षा और एकजुटता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सक्रिय ''द जर्नलिस्ट एसोसिएशन'' ने रविवार को कर्नलगंज के जेपी ओपी मेमोरियल कॉन्वेंट स्कूल में अपनी मासिक बैठक का आयोजन किया। बैठक में पत्रकारिता की गरिमा, संगठन की मजबूती और पत्रकारों की जिम्मेदारी जैसे अहम विषयों पर गंभीर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष श्री महादेव मौर्य ने अपने उद्बोधन में स्पष्ट किया कि ह्लपत्रकार चाहे किसी संगठन से जुड़ा हो या न हो, अगर वह पत्रकार है, तो उसकी मदद करना हमारी प्राथमिकता है। हमें उसकी रक्षा करनी है और साथ खड़ा रहना है।ङ्क उनका यह कथन उपस्थित पत्रकारों के मनोबल को ऊंचा कर गया। इस बैठक में जनपद के हर कोने से पत्रकारों को संगठन से जोड़ने की रणनीति बनाई गई। साथ ही, जो सदस्य लंबे समय से निष्क्रिय हैं, उन्हें कारण बताओ नोटिस भेजे जाने पर भी सर्वसम्मति बनी। संगठन ने यह साफ कर दिया कि निष्क्रियता को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक का मूल संदेश यही था कि संघर्ष, सहयोग और संगठन की भावना ही पत्रकारों की सबसे बड़ी ताकत है। बैठक में प्रमुख रूप से पत्रकार महादेव मौर्य, बैजनाथ अवस्थी, अमरीश प्रजापति, वीरेंद्र तिवारी, पवनदेव सिंह, जीत लाल गोस्वामी, अभय प्रताप सिंह, सलीम सिद्दीकी, सुधीर पांडेय, अनुराग मिश्र, अंकज मिश्रा, प्रभात तिवारी, अनिल गोस्वामी, शिवकुमार पाण्डेय, आशीष कुमार चौरसिया, शाजिद सिद्दीकी, सौरभ मौर्य, ज्ञानप्रकाश चौहान आदि मौजूद रहे।

प्रयागराज नगर निगम वृहद वृक्षारोपण अभियान में लगाएगा एक लाख पौधे : गणेश केसरवानी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के विभिन्न नगर निकायों के साथ रविवार को वर्चुअल बैठक की और वृहद वृक्षारोपण अभियान के सम्बंध में चर्चा की। बैठक में महापौर गणेश केसरवानी ने नगर निगम प्रयागराज की तरफ से एक लाख पौधे लगाने का आश्वासन दिया।बैठक में महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने भी प्रतिभाग किया। प्रदेश सरकार द्वारा वृहद वृक्षारोपण अभियान 9 जुलाई को चलाया जायेगा। जिसमें नगर निगम प्रयागराज एक लाख पौधे लगाने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी के वर्चुअल के बाद महापौर ने कहा वृक्षारोपण करने से पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी और वायु प्रदूषण कम होगा। इसके अलावा वृक्षारोपण से क्षेत्र में हरित आवरण में वृद्धि होगी और पर्यावरण संतुलन में मदद मिलेगी। महापौर ने यह भी कहा कि वृक्षारोपण जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में भी मदद करेगा। इस अवसर पर नगर निगम के नगर आयुक्त सीलम साई तेजा, अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव, पाषर्दगण अमित सिंह बबलू, बबलू रघुवंशी, विवेक अग्रवाल, विवेक मिश्रा, हरीश केशरवानी आदि अधिकारियों के साथ वेबिनार में शामिल होकर पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता को साझा किया गया।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी हम सभी के प्रेरणाश्रोत : अचिन मेहरोत्रा

- डॉ श्यामा प्रसाद जी ने भारत की एकता अखंडता के लिए अपने प्राणों को किया निछावर : अचिन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सीतापुर। सिधौली विधानसभा के कसमण्डा मंडल के शक्ति केंद्र दहावा की बूथ शांख्या 50 पर एक निशान - एक विधान - एक प्रधान के प्रणेता, भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं राष्ट्रीय एकता अखंडता को अक्षुण्ण रखने हेतु सर्वोच्च बलिदान देने वाले श्रद्धेय डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की जयंती पर आयोजित गोष्ठी मे मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा निवर्तमान जिला अध्यक्ष अचिन मेहोत्रा जी रहे गोष्ठी से पूर्व डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनको शत शत नमन वंदन किया गया..गोष्ठी की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष श्री सोनू शुक्ला जी ने की गोष्ठी का संचालन जिला पंचायत सदस्य श्री प्रेमदीप जायसवाल ने किया गोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि निवर्तमान जिला अध्यक्ष भाजपा श्री अचिन मेहरोत्रा ने उपस्थित कार्यकर्त्ताओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी हम सब कार्यकर्त्ताओ के प्रेरणाश्रोत है उन्होंने भारत की एकता अखंडता के लिए अपने प्राणों को निछावर कर दिया द्य श्री मेहरोत्रा ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के जन्म से लेकर उनके द्वारा किए गए राष्ट्रवादी कार्यों को विस्तार से जनमानस के मध्य रखा उन्होंने कहा की जनसंख्या के संस्थापक डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने सदैव राष्ट्रवाद के लिए कार्य किया उनका जीवन संघर्षों के बीच व्यतीत हुआ लेकिन डॉ साहब अपने मार्ग से विचलित नहीं हुए डॉ मुखर्जी ने सदैव भारत की राष्ट्रवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अपने जीवन की अंतिम सांस तक कार्य किया डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने जो एक संकल्प लिया था अनुच्छेद 370 को हटाने का उसको भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पूर्ण करने का कार्य किया है उन्होंने कहा डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने अपने संपूर्ण जीवन में जम्मू कश्मीर से दो विधान दो निशान और दो प्रधान का पुरजोर विरोध किया और यह उन्हीं के द्वारा डाली गई न्यू का परिणाम है कि आज जम्मू कश्मीर भी विकास के पथ पर अग्रसर है... गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए मंडल अध्यक्ष श्री सोनू शुक्ला ने डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी को नमन करते हुए उपस्थित कार्यकर्ताओं का आभार... गोष्ठी के समापन के बाद डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण किया गया.. कार्यक्रम संयोजक श्री सत्येंद्र सिंह जी,वरिष्ठ भाजपा नेता श्री अंजनी शुक्ला जी, पूर्व विस्तारक श्री राजेंद्र यादव जी, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष श्री नवनीत पाण्डेय जी, युवा नेता श्री सौरभ सिंह जी,जिला पंचायत सदस्य श्री प्रेम दीप जायसवाल जी,अनुसूचित मोर्चा मंडल अध्यक्ष श्री पिंटू रावत जी, श्री शिवशंकर भार्गव, अविरल अवस्थी, अनमोल कश्यप, सुबोध मिश्रा, उत्तम पाण्डेय, सत्यम सिंह, आरिफ, उपेंद्र सिंह, राजेश मिश्रा एवं अन्य सम्मानित जन उपस्थित रहे।

ताजिया मेले में गुब्बारे में गैस भरते समय फटा हाइड्रोजन सिलेंडर, दो घायल, वाराणसी रेफर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। मोहर्रम के मौके पर अहरौरा में रविवार दोपहर बड़ा हादसा टल गया। अहरौरा नगर चौकी क्षेत्र के बूढ़ा देई मोहल्ले में लगे ताजिया मेले के दौरान गुब्बारे में गैस भरते समय हाइड्रोजन सिलेंडर फट गया, जिससे दो लोग घायल हो गए।घटना करीब चार बजे की है, जब अहरौरा चौक बाजार निवासी 40 वर्षीय रामबाबू पुत्र स्व. सत्यनारायण गुब्बारों में गैस भर रहे थे। अचानक गैस टंकी फट गई और विस्फोट इतना तेज था कि पास में बैठे आजाद अंसारी (48) निवासी ग्राम पसियाई थाना जलालपुर जौनपुर भी चपेट में आ गए। विस्फोट के बाद अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने दोनों घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया,जहां डॉक्टरों ने रामबाबू की हालत गंभीर देख उन्हें वाराणसी ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। वहीं आजाद अंसारी को हल्की चोटें आई थीं, जिनका प्राथमिक उपचार कर उन्हें घर भेज दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही चुनार के तहसीलदार योगेन्द्र शरण शाह मेले में भ्रमण के दौरान मौके पर पहुंच गए और हालात का जायजा लिया। प्रशासन की ओर से मेले में सुरक्षा इंतजामों को लेकर जांच शुरू कर दी गई है।

क्या था कारण?प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हाइड्रोजन गैस अत्यधिक ज्वलनशील होती है और असावधानीपूर्वक भरने पर यह विस्फोटक हो सकती है। गुब्बारे बेचने वालों को सुरक्षा उपकरण या तकनीकी जानकारी की कमी ऐसी घटनाओं को जन्म देती है।

रक्तदान को बढ़े कदम, युवाओं ने रक्तदान कर बताया इंसानियत आज भी जिंदा है

मीरजापुर। कुछ बूंदें रक्त की... किसी की धड़कनों की डोर बन गईं! रविवार को मानवता ने फिर एक बार रंग दिखाया, जब उत्तर प्रदेश वैश्य महासम्मेलन और श्रीसाई परिवार सेवा संगठन के संयुक्त प्रयास से मंडलीय चिकित्सालय के रक्त केंद्र में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। जहां युवाओं ने रक्तदान महादान की भावना को साकार करते हुए बिना किसी स्वार्थ के रक्तदान कर यह साबित कर दिया कि इंसानियत आज भी जिंदा है। शिविर में डॉ. विनोद कन्नौजिया की देखरेख में रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कुल 12 लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया, जिनमें से 5 ने सफलतापूर्वक रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में अमित खंडेलवाल, अंजनी तिवारी, हर्षित पांडेय, सौरभ मिश्रा समेत अन्य युवाओं का उत्साह देखने लायक था। रक्तदाताओं को मिला सम्मान मंडलीय चिकित्सालय स्थित ब्लड बैंक के जनसंपर्क अधिकारी राम कुमार गुप्ता ने रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया और समाज में इस पुनीत कार्य के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

डॉ मुखर्जी के आदर्श आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में बहुमूल्य : संजय गुप्ता

- 15 मंडलों के 1216 बूथों पर मनाई गई डॉ मुखर्जी की जयंती

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक कुशल शिक्षाविद्, बैरिस्टर, चिंतक, राजनीतिक, सामाजिक कार्यकर्ता थे। डॉ. मुखर्जी को राष्ट्र के अमर सपूत के रूप में युगों तक याद किया जाएगा। देश की आन-बान और शान की रक्षा के लिए उन्होंने अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उनके आदर्श और सिद्धांत विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में बहुमूल्य हैं।

उक्त विचार भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने रविवार को भाजपा कार्यालय में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर व्यक्त किया। शहर पश्चिमी विधानसभा के सदर यमुना पट्टी मंडल में आयोजित गोष्ठी में शहर पश्चिमी विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि मां भारती की अखंडता के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का योगदान अतुलनीय है। डॉ. मुखर्जी कहा करते थे कि कोई भी राष्ट्र अपनी ऊर्ज़ा से सुरक्षित रह सकता है और आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उसी मार्ग पर चलकर भारत को दुनिया की महाशक्ति बनाने के लक्ष्य पर हैं। पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी, निवर्तमान महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र, महानगर महामंत्री वरुण केसरवानी, कुंज बिहारी मिश्रा, देवेश सिंह, प्रमोद मोदी, मनोज कुमार कुशवाहा आदि महानगर पदाधिकारियों ने विभिन्न मंडलों में डॉ. मुखर्जी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर आयोजित गोष्ठी में अपने विचार रखे। यह जानकारी भाजपा मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने देते हुए बताया कि कार्यक्रम के तहत सभी बूथों पर डॉ मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। महानगर के सभी 15 मंडलों के समस्त 1216 बूथों पर जयंती मनाई गई।

एक राष्ट्र, एक विधान के प्रणेता को भाजपाइयों ने दी श्रद्धांजलि

अयोध्या। जनसंघ के संस्थापक और राष्ट्रनायक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने श्रद्धापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित की। रोडवेज स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नेताओं ने उनके राष्ट्रहित में दिए योगदान को याद किया। इस अवसर पर महानगर के करियप्पा, देवकाली, अयोध्या और पूरा मंडलों में संगोष्ठियों का आयोजन कर डॉ. मुखर्जी के विचारों और बलिदान पर चर्चा की गई। करियप्पा मंडल की संगोष्ठी पार्टी कार्यालय सिविल लाइन में हुई, जहां पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने कहा, डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उनकी सोच आज भी भाजपा की प्रेरणा है। देवकाली मंडल की संगोष्ठी में जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने कहा, डॉ. मुखर्जी का 'एक देश, एक विधान' का संकल्प आज जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के साथ साकार हुआ है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के मजबूत नेतृत्व का परिणाम है।

समाधान दिवस में नहीं मिला समाधान

- तहसीलदार ने किसान से कहा- 'खेत बेच दो', अपमानित किसान ने की मुख्यमंत्री से शिकायत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जनपद लखीमपुर खीरी की तहसील मोहम्मदी में आयोजित समाधान दिवस उस समय विवादास्पद बन गया जब एक किसान को प्रशासन से न्याय की उम्मीद लेकर आने पर उल्टा खेत बेचने की सलाह दे दी गई। यह मामला अब मुख्यमंत्री तक पहुँच चुका है।

पूरा मामलाः विकासखंड पसगवां की ग्राम पंचायत सुनौरा निवासी किसान जगत किशोर पांडे, पुत्र स्वर्गीय रामआसरे पांडे, शनिवार को समाधान दिवस में पहुंचे थे। उन्होंने मोहम्मदी के उप जिलाधिकारी को एक प्रार्थना पत्र सौंपा, जिसमें उन्होंने अपने खेत तक पहुँचने के लिए चक मार्ग 'रास्ता, की मांग की थी। उनका कहना है कि उन्हें वर्षों से खेत तक जाने में कठिनाई हो रही है, लेकिन प्रशासन से कोई राहत नहीं मिल रही। जगत किशोर ने बताया कि उप जिलाधिकारी ने उनका पत्र पढ़ने के बाद तहसीलदार को सौंप दिया। इसके बाद जो हुआ, उसने किसान को स्तब्ध कर दिया।

तहसीलदार ने प्रार्थना पत्र देखने के बाद किसान को ऊपर से नीचे तक देखा और कहा, ''ये समस्या लेकर आए हो? खेत बेच दो, यही बेहतर है। किसान का दर्दः अपनी व्यथा बताते हुए जगत किशोर ने कहा, मैं अपना खेत नहीं बेचना चाहता। वह मेरी जीवन की कमाई है। मैं तो यहां समाधान की उम्मीद लेकर आया था, लेकिन मुझे खेत बेचने की सलाह दी गई। ये न केवल असंवेदनशीलता है, बल्कि किसानों का अपमान भी है।'' उन्होंने कहा कि तहसीलदार ने साफ शब्दों में यह भी कह दिया कि, ''तुम्हारी समस्या का हमारे पास कोई समाधान नहीं है।'' इसके बाद लेखपाल को बुलाकर सिर्फ औपचारिकता निभाई गई।

मुख्यमंत्री से गुहारः इस व्यवहार से आहत होकर किसान ने पूरे मामले की शिकायत मुख्यमंत्री से की है। उन्होंने मांग की है कि ऽ इस मामले की निष्पक्ष जांच किसी अन्य तहसील के अधिकारी से कराई जाए- संबंधित तहसीलदार पर तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए। - प्रार्थना पत्र पर नियमानुसार और समयबद्ध न्याय दिलाया जाए। प्रशासन की प्रतिक्रियाः जब इस संबंध में उपजिलाधिकारी मोहम्मदी अवनीश कुमार से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि, किसान द्वारा दी गई शिकायत की जांच कानूनगो मोहम्मदी को सौंपी गई है। नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी और किसान की समस्या का निस्तारण कराया जाएगा।'' ग्रामीणों में रोषः इस घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में भी प्रशासन के प्रति रोष है। लोगों का कहना है कि अगर समाधान दिवस पर भी इस तरह की बातें होंगी, तो आम किसान कहां जाए? यह समाधान नहीं, बल्कि निराशा दिवस बनकर रह गया है।

मैलानी सभागार में सीतापुर आंख हॉस्पिटल द्वारा नेत्र शिविर लगाया गया

मैलानी खीरी। नगर पंचायत मैलानी सभागार में सीतापुर आंख हॉस्पिटल द्वारा नेत्र शिविर लगाया गया नेत्र शिविर में आने वाले मरीजों का सीतापुर आँख हॉस्पिटल के नेत्र विशेषज्ञों के द्वारा आंख के मरीजों का लेंस वाला ऑपरेशन मुफ्त किया जाएगा और नेत्र परीक्षण कर जिन मरीजो को ऑपरेशन की सलाह दी जाएगी उन्हें गाड़ी के माध्यम से सीतापुर आँख अस्पताल ले जाया जाएगा और ऑपरेशन के बाद मरीजो को वापस उनके घर भी छोड़ा जाएगा सीतापुर आँख हॉस्पिटल के डॉ राहुल वर्मा के द्वारा नगर पंचायत सभागार में लगभग 150 मरीजो की जांच की गई जिसमे 50 मरीजो को ऑपरेशन की सलाह दी गयी और बहुत से मरीजो जो दवा और चश्मा मुफ्त में दिया गया नगर पंचायत अध्यक्षा कीर्ति माहेश्वरी, समाज सेवी भवानी शंकर माहेष्वरी और अल्पसंख्यक मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष गुरमीत कौर के द्वारा नेत्र शिविर लगवाया गया सीतापुर के कैम्प ऑर्गनाइजर शैलेन्द्र शुक्ला, आप्टोमेटिक आलोक वर्मा, आप्टिशियन जूही सिंह के साथ सीतापुर आँख हॉस्पिटल के स्टाफ नेत्र शिविर में मौजूद रहे।

समाधान दिवस में अव्यवस्था बनी बाधा, शिकायत पर्ची के लिए भिड़े फरियादी, सिर्फ 6 मामलों का निस्तारण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। तहसील मुख्यालय में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में एक बार फिर प्रशासनिक अव्यवस्थाओं की पोल खुल गई। शिकायत लेकर पहुंचे दर्जनों फरियादियों को शिकायत पर्ची ही नहीं मिली, जिससे उनकी समस्याएं औपचारिक रूप से दर्ज नहीं हो सकीं। पर्ची वितरण में लापरवाही को लेकर एक बुजुर्ग फरियादी की तहसील कर्मियों से तीखी बहस हो गई, जिससे आयोजन में अफरा-तफरी मच गई।

ग्राम पंचायत रामलोक के 60 वर्षीय रामकिशन और रामलाल ने आरोप लगाया कि उन्हें शिकायत पर्ची नहीं दी गई। विरोध करने पर कर्मचारियों ने उनके साथ बहस शुरू कर दी। रामकिशन ने मीडिया को बताया कि पूर्व ग्राम प्रधान द्वारा आवास योजना में गंभीर अनियमितताएं की गई हैं। ?90,000 की राशि बैंक से निकालने के बाद उनसे जबरन छीन ली गई और तीन साल बाद भी उनका आवास अधूरा है। वे बरसात और धूप में झिल्ली तानकर रहने को मजबूर हैं। उन्होंने पूर्व ग्राम प्रधान अनुपम अवस्थी पर भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग के गंभीर आरोप लगाए।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने सुबह 11 बजे से 1 बजे तक जनसुनवाई की, जिसमें कुल 82 शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें राजस्व विभाग की 26, पुलिस की 22, चकबंदी की 13, विकास विभाग की 6, समाज कल्याण की 4, आपूर्ति की 3, नगर निकाय और पंचायत से 2-2 और अन्य विभागों से शिकायतें थीं। लेकिन मौके पर सिर्फ 6 राजस्व मामलों का ही निस्तारण हो सका। दोपहर बाद सीडीओ अभिषेक कुमार ने जनसुनवाई की जिम्मेदारी संभाली। रामकिशन सहित कई फरियादी न्याय की उम्मीद लेकर तहसील मुख्यालय पहुंचे थे, लेकिन पर्ची न मिलने, शिकायत दर्ज न होने और अधिकारियों के ढीले रवैये ने उन्हें निराश कर दिया। रामकिशन ने कहा, ''डीएम साहिबा से न्याय की आस है, इसीलिए शिकायत देकर लौट रहा हूं।'' इस अवसर पर उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा पांच लाभार्थियों को मुफ्त व्यवसाय टूल किट वितरित की गई। वहीं, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के अंतर्गत छह महिलाओं को प्रमाणपत्र और किट दी गईं।

पुलिस अधीक्षक खीरी द्वारा मोहर्रम त्योहार के अवसर पर भारी पुलिस बल सहित किया फ्लैग मार्च

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। मोहर्रम त्यौहार के अवसर पर सुरक्षा व्यवस्था को चुस्त दुरूस्त रखते हुए संपूर्ण जनपद खीरी में चप्पे चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती की गयी है।

त्योहार के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा द्वारा स्वयं भारी पुलिस बल सहित जनपद में भ्रमणशील रहकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने के लिए अधिनस्थों को कड़े निर्देश दिये गये।

सौहार्द के बीच मना त्याग व बलिदान का पर्व मुहर्रम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। थाना हैदराबाद क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में हजरत ईमाम हुसैन की शहादत की याद में मुस्लिम समुदाय द्वारा मनाया जाने वाला मुहर्रम त्योहार शांति, सौहार्द व भाईचारे के बीच रविवार को मनाया गया। इस मौके पर हैदराबाद थाना क्षेत्र अजान, परसेहरा,अल्लीपुर, हैदराबाद,ममरी, चादामऊ सहित तमाम मुस्लिम इलाकों में ताजिया व अलम का प्रदर्शन किया गया। वहीं जंगी दस्तों द्वारा लाठी, भाला, फरसा,राड फोड़ने,डीजल मुंह में भर कर आग फूंकने आदि का करतब भी दिखाया गया। लोगों ने ताजिया व अलम के साथ गावों की गालियो मे भ्रमण किया। महिलाओं ने मरसिया गाते हुए हजरत इमाम हुसैन की शहादत पर मातम मनाया।मेले में उपस्थित लोगों ने खेल-तमाशे के जौहर व करतब का आनन्द उठाया। इस मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। मेरा युवा भारत द्वारा डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर संगोष्ठी एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन तरुणोंदय यूथ क्लब एवं न्यू पैरामाउंट कम्पटीशन क्लासेज के द्वारा क्लासेज परिसर में किया गया। ऐसे महान राष्ट्रनायक, विचारक और एकात्म भारत के प्रबल समर्थक को याद किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं, युवा कार्यकर्ताओं और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ द्वारिका प्रसाद रस्तोगी विशिष्ट अतिथि अरविंद गुप्त रामजी ने किया।संचालक पटेल सुशील वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित कर किया। मुख्य अतिथि नें डॉ. मुखर्जी के राष्ट्र निर्माण में योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि ''डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक राष्ट्र, एक संविधान और एक निशान के सिद्धांत को व्यवहार में उतारने के लिए अपना बलिदान दिया। अरविंद गुप्त राम जी ने बताया कि किन विषम परिस्थितियों में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपने देश की एकता के लिए कहा कि एक देश एक ध्वज एक सदन होना चाहिए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कंचन मिश्रा द्वितीय स्थान नारायण लाल यादव , तृतीय स्थान जीत शर्मा को मिला। अध्यक्षता रवि शंकर वर्मा संचालन पटेल सुशील वर्मा ने किया।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्म दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मैलानी खीरी। मैलानी नगर पचायत के वार्ड नं 11 में स्थित सेंट मार्टिन कॉन्वेंट स्कूल में हुआ संगोष्ठी का आयोजन। इस संगोष्ठी का आयोजन स्वर्गीय श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्म दिवस पर हुई। जिसमें मुख्य अतिथि जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह बंजारा थे। उन्होंने कहा कि इनके मार्ग दर्शन पर सभी युवा और जन समूह चले।इतिहास इनके कार्यों को कभी नहीं भूलेगा। इस अवसर पर बीजेपी के महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष मंजू लता श्रीवास्तव, मंडल अध्यक्ष संजीव वर्मा. मंडल महामंत्री मिथिलेश मिश्रा. युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष अमन बाजपेई. सभी पदाधिकारीगण और शक्ति केंद्र के संयोजक सहित यूथ अध्यक्षगण और कार्यकर्तगण तथा हरिदत्त मिश्र,सुरेंद्र मिश्र. प्रताप सिंह रावत. आसमा बानो. अमित शर्मा. शिव गोविंद कुशवाहा. राबर्ट विलियम सैमसन आदि लोग उपस्थित रहे।

मोहर्रमः कड़ी सुरक्षा के बीच निकले ताजिया, गमगीन माहौल में सुपुर्द-ए-खाक हुए ताजिये

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। धौरहरा कस्बा में हजरत इमाम हुसैन की याद में ताजियों का जुलूस निकाला गया। इस मौके पर बिस्किट, कोल्ड ड्रिंक और बर्तन आदि वस्तुएं लुटाई गईं। इस दौरान चौकी प्रभारी विरेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल मनोज सिंह आदि ने सुरक्षा की कमान संभाली गई। इस मौके पर बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद थे। सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे।

मुस्लिम समाज के लोगों ने तिरंगा ताजिया भी बनाया। जो लोगों का आकर्षण का केंद्र बना रहा। ताजियादार पहले से ही प्रशासन द्वारा सुनिश्चित किए गए मार्गो से होते हुए कस्बा में पहुंचे । इस मौके पर शिया समुदाय के नौजवान कुछ युवकों अपने जिस्म को लहूलुहान कर दिया तो वही सुनी अकीदत हकीकतमंद ने छाती पीट-पीटकर इमाम हुसैन एवं उनके जानिसारों की शहादत का रंज मनाया। ताजिया विभिन्न मार्गों एवं बाजारों से होकर बैंड बाजों की मातंगी धुन के साथ ताजिया के आगे मातम करते हुए अपने अपने कार्य के साथ कर्बला पहुंचे जहां अंतिम दौर में की जाने वाली रस्म मर्सिया पढ़ने के बाद सभी ने अपने अपने ताजिए को सुपुर्द ए खाक कर दिया। इस दौरान उप जिला अधिकारी लव गीत कौर व्यवस्था के लिए अधिकारियों को दिशा निर्देश देती रही। शांति व्यवस्था की कमान सीओ शमशेर बहादुर, प्रभारी निरीक्षक सुरेश मिश्रा एवं क्राइम प्रभारी गंगाराम यादव दलबल सहित संभाले हुए थे।

वाराणसी नगर निगम की दुकानों से तीन माह में प्राप्त हुआ रिकार्ड किराया

वाराणसी। नगर निगम, वाराणसी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में माह अप्रैल से जून , तीन माह में नगर निगम की दुकानों से रिकार्ड किराये की वसूली की है। तीन माह में यह वसूली रु0 1.07 करोड़ की हुई है, जबकि पिछले वर्ष इन्ही तीन महिनों में 15.42 लाख रूपए किराया जमा हुआ था। नगर निगम के अफसरों के अनुसार अधिक किराया जमा करने का मुख्य कारण, महापौर अशोक कुमार तिवारी एवं नगर आयुक्त अक्षत वर्मा के निर्देश पर नगर निगम प्रशासन ने माह सितम्बर, 2024 में नगर निगम के सभी 1734 दुकानों में किराया जमा करने के लिए क्यू0आर0 कोड लगाया था, जिसके माध्यम से दुकानदार अपने घर बैठे ही प्रतिमाह अपने दुकान का किराया जमा कर सकते हैं। इसी क्यू0आर0 कोड के माध्यम से सभी दुकानदारों के द्वारा नियमित प्रतिमाह अपने दुकान का किराया जमा किया जा रहा है। आंकड़ो पर नजर डालें तो वित्तीय वर्ष 2024-25 के पूरे 12 महीनों में मात्र कुल 2.71 करोड़ रूपए किराया जमा किया गया था, जबकि इस वित्तीय वर्ष 2025-26 में इसी के आधार पर किराया प्राप्त करने में काफी वृद्धि होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

सीडीओ अभिषेक कुमार की पहल से किसानों को बड़ी राहत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- दो दिन में मिली दो यूरिया रैक, सीतापुर की रैक से भी खीरी को 1300 एमटी आवंटन

लखीमपुर खीरी। खेती के इस संवेदनशील मौसम में यूरिया की मांग बढ़ने पर प्रशासन ने त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की है। सीडीओ अभिषेक कुमार के सतत प्रयास रंग लाए हैं। दो दिनों के भीतर जनपद को लगातार दूसरी यूरिया रैक मिली है, वहीं सीतापुर के लिए आई रैक से भी खीरी के किसानों के लिए 1300 मीट्रिक टन उर्वरक आरक्षित कराया गया है। शुक्रवार शाम को जनपद को गोला में क्रभको की 2640 एमटी यूरिया रैक प्राप्त हुई, जिसे तत्काल सहकारी समितियों 'बी-पैक्स, अन्य सहकारी समितियों व गन्ना समितियों को भेजा जा रहा है। इसमें 2268 एमटी उर्वरक बी-पैक्स व अन्य समितियों को तथा 300 एमटी गन्ना समितियों को भेजी जा रही है। सीडीओ अभिषेक कुमार के प्रयासों से रविवार देर रात जिले को 2674 मीट्रिक टन इफको यूरिया रैक प्राप्त हो रही है। इसके वितरण की पूर्व तैयारी पूरी कर ली गई है और समितियों को तत्काल प्रेषण सुनिश्चित किया जा जाएगा। इसके अतिरिक्त, सीतापुर में आ रही यूरिया रैक से लखीमपुर खीरी को करीब 1300 मीट्रिक टन यूरिया का आवंटन मिला है। यह खाद बी पैक्स सहकारी समितियों के जरिए किसानों तक पहुंचाई जाएगी। प्रशासन का प्रयास है कि किसी भी क्षेत्र में खाद की कमी न हो और सभी किसान समय पर उर्वरक प्राप्त कर सकें। सीडीओ अभिषेक कुमार ने किसानों से अपील की है कि वे खाद की जरूरत के अनुसार ही खरीद करें। सभी समितियों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराया जा रहा है। ऐसे में किसान अनावश्यक भंडारण से बचें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी भी किसान को खाद की कमी नहीं होने दी जाएगी।

मोहर्रम जुलूस का झंडा हाईटेंशन तार से टकराया, चार झुलसे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। मोहर्रम के मौके पर रविवार को भलवां गांव के ताजिये जुलूस में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब ताजिया के आगे झंडा (सद्दा) लेकर चल रहे चार किशोर रेलवे बाईपास पर हाईटेंशन ट्रांसमिशन लाइन के संपर्क में आ गए। चारों किशोर हल्के रूप से झुलस गए। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

भलवां गांव निवासी एकलाख अंसारी के अनुसार, झुलसे किशोरों में बेलाल अंसारी, अबू बकर सिद्दीकी, बबलू सिद्दीकी और लकी अंसारी शामिल हैं। सभी ताजिये के आगे ऊंचा झंडा लेकर चल रहे थे। रेलवे ओवर ब्रिज के पहले चढ़ाई पर एक झंडा असंतुलित होकर ऊपर ट्रांसमिशन लाइन के संपर्क में आ गया जिससे बिजली का हल्का झटका लगा और चारों झुलस गए। पावर हाउस नरायनपुर के अवर अभियंता (जेई) सुजीत पटेल ने बताया कि साहुपूरी से चुनार तक हाई वोल्टेज विद्युत आपूर्ति की जा रही थी। उसी ट्रांसमिशन लाइन में झंडा आने के कारण घटना हुई। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के जुलूसों में ऊंचे झंडों को ले जाते समय विशेष सावधानी बरती जाए, विशेषकर जहां से बिजली के हाईटेंशन तार गुजरते हों।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी थे एक प्रमुख राष्ट्रवादी नेता : मनीष असीजा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

फिरोजाबाद। भारतीय जनता पार्टी फिरोजाबाद महानगर द्वारा रविवार को लेबर कॉलोनी स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में सदर विधायक मनीष असीजा ने भारतीय जन संघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जन्म जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि 6 जुलाई 1901 को जन्मे श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक प्रमुख राष्ट्रवादी नेता और आजादी के बाद भारत की राजनीति की एक प्रमुख व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते हैं। भारत की एकता और अखंडता की दिशा में श्यामा प्रसाद मुखर्जी का विजन करोड़ों लोगों को प्रेरित करता है।

महानगर अध्यक्ष डॉक्टर सतीश दिवाकर ने कहा कि मां भारती को गौरवान्वित करने वाले महान विचारक करोड़ कार्यकर्ताओं के प्रेरणापुंज विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन भारतीय जनता पार्टी के आधार स्तंभ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जम्मू कश्मीर से दो विधान दो निशान और दो प्रधान समाप्त करने के लिए अपने जीवन के अंतिम चरणों तक संघर्षरत रहे। कश्मीर से धारा 370 हटाकर उनके स्वप्न को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने साकार किया। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी मां भारती की एकता अखंडता और सम्मान के लिए दिया गया। अमर बलिदानी अनंत काल तक देशवासियों को राष्ट्रीय सेवा और समर्पण के लिए प्रेरणा देता रहेगा। महापौर कामिनी राठौर ने कहा कि हम सभी कार्यकर्ताओं को मुखर्जी जी के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की जनहित योजनाओं के प्रचार प्रसार पर जोर दिया और सभी कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वह इन योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाएं। कार्यक्रम के उपरांत रामलीला पार्क लेबर कॉलोनी में वृक्षारोपण कार्यक्रम भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉक्टर लक्ष्मी नारायण यादव, राधेश्याम यादव, दीपक गुप्ता कालू, आकाश गुप्ता, शैलेंद्र गुप्ता आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

चार्टड अकाउंटेंट परीक्षा में अनुष्का वर्मा ने मारी बाजी

अजान खीरी। क्षेत्र के ग्राम कालीचरणपुर निवासी व्यवसायी एवं जिला पंचायत सदस्य शिवनंदन वर्मा की पौत्री अनुष्का वर्मा पुत्री अवनीश कुमार वर्मा ने इंस्टिट्यूट आफ चार्टड अकाउंटेंट की ऑल इंडिया परीक्षा पास कर क्षेत्र और समाज का नाम रोशन किया है। जिससे उनके परिवार और समाज में खुशी का माहौल है। परिवारजनों ने बताया कि बेटी ने लखनऊ मंडल में पांचवा स्थान प्राप्त किया है। छात्रा नें गोला नगर के चिल्ड्रेन्स एकेडमी स्कूल में कक्षा 10 तक की पढ़ाई की इसके बाद 11 और 12 की पढ़ाई वनस्थली विद्यापीठ राजस्थान से की है।छात्रा नें इसकी सफलता का श्रेय अपने गुरुजनों एवं माता पिता को दिया है।छात्रा को लगातार बधाई सन्देश और शुभकामनाएं मिल रही हैं।

वृक्षारोपण अभियान में एक दिन में 37 करोड़ पौधरोपण किए जाएंगेः डीएम

जौनपुर। मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में 09 जुलाई को 'एक पेड़ माँ के नाम' विषयवस्तु पर आधारित वृक्षारोपण महाअभियान में एक दिन में 37 करोड़ पौधरोपण किए जाएंगे। जनपद में लगभग 5495000 पौधे रोपित किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। 09 जुलाई को प्रभारी मंत्री के द्वारा विकासखंड सुईथाकला के गांव कम्मरपुर में लगभग 5000 पौधे लगाए जाने का कार्यक्रम प्रस्तावित है।जिसके क्रम में रविवार को जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी लेते हुए संबंधित को सभी प्रकार की आवश्यक तैयारी पूर्ण कर लेने के निर्देश दिए। उन्होंने इस कार्य में लगे उप जिलाधिकारी शाहगंज कुणाल गौरव, खंड विकास अधिकारी, ग्राम प्रधान प्रवेश सिंह सहित अन्य का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि सभी लोग मनोयोग से कार्य करते हुए इस कार्यक्रम को सफल बनाए। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी कुणाल गौरव, डीएफओ प्रोमिला, एसडीओ सरफराज, तहसीलदार सहित अन्य उपस्थित रहे।

बिजली लाइन की चपेट में आकर मजदूर की मौत

जालौन। कोंच कोतवाली क्षेत्र में रविवार दोपहर को लघुशंका करते वक्त 33केवी बिजली लाइन की चपेट में आने से मजदूर की मौत हो गई है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली प्रभारी विजय शंकर पांडे ने बताया कि कोंच नगर में नदीगांव रोड पर मोहल्ला नया पटेल नगर में कनासी गांव निवासी एक व्यक्ति का मकान बन रहा है। थाना कैलिया क्षेत्र के सामी गांव निवासी 30 वर्षीय शाहरुख इस निर्माणाधीन मकान में मजदूरी कर रहा था। आज दोपहर शाहरुख पहली मंजिल की छत पर खड़े होकर लघुशंका करने लगा, तभी मकान के पिछले हिस्से में काफी नीचे की ओर झूल रही 33केवी बिजली लाइन में प्रवाहित करंट के झटके से वह छत से नीचे जमीन पर आ गिरा और घायल हो गया। मकान मालिक राजू पटेल उसे उपचार के लिए सीएचसी में भर्ती कराया, जहां से उसे गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर ने मजदूर को मृत घोषित कर दिया है। शाहरुख यहां मुहल्ले में पत्नी और बच्चों के साथ किराए के घर में रहकर मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता था।

ईमानदार पुलिसकर्मियों को एसपी ने किया सम्मानित

जालौन। जिले की पुलिस ने सत्यनिष्ठा और ईमानदारी की मिसाल पेश की है। इसको देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने ऐसे पुलिसकर्मियों को रविवार को सम्मानित किया। बता दें कि 4 जुलाई 2025 को डायल 112 पर मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुलसीधाम गेस्ट हाउस के पास एक लावारिस बैग बरामद किया, जिसमें 4180 रुपये और लगभग 20 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात थे। चौकी प्रभारी ब्रजेश कुमार, आरक्षी ब्रजभान और डायल 112 आरक्षी नितिन पांडेय ने ईमानदारी से कार्य करते हुए माल का मालिक ढूंढा और पता चला कि यह सामान तुलसीधाम कॉलोनी के मिथलेश प्रताप का है, जो वर्तमान में नोएडा में रहते हैं। उनके मानसिक रूप से अस्थिर बच्चे ने यह सामान फेंक दिया था।

गावस्कर का 774 रन का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं गिल

एजेंसी

नयी दिल्ली। मौजूदा भारतीय कप्तान शुभमन गिल पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का 1971 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज में 774 रन बनाने का भारतीय रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। गावस्कर ने 1971 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज में चार मैचों में 774 रन बनाये थे और उनका वो रिकॉर्ड आज तक कायम है। कोई भी भारतीय इस रिकॉर्ड को तोड़ नहीं पाया है। दूसरे नंबर पर भी गावस्कर ही हैं जिन्होंने 1978-79 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में छह मैचों में 732 रन बनाये थे। तीसरे नंबर पर मौजूदा ओपनर यशस्वी जायसवाल हैं जिन्होंने 2023-24 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में पांच मैचों में 712 रन बनाये थे। रन मशीन विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2014-15 की सीरीज में

चार मैचों में 692 रन बनाये थे। गिल ने एजबस्टन टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ कुल 430 रन बनाए हैं, जो टेस्ट क्रिकेट में दूसरे सबसे अधिक रन हैं, पहले नंबर पर ग्राहम गूच हैं, जिन्होंने 1990 में भारत के खिलाफ 456 रन बनाए थे। गिल ने इस इंग्लैंड दौरे पर पहले दो टेस्ट में 585 रन बनाए हैं, जो सीरीज के पहले दो टेस्ट में दूसरे सबसे अधिक रन हैं। पहले नंबर पर ग्रीम स्मिथ हैं, जिन्होंने 2003 में इंग्लैंड में 621 रन बनाए थे। गिल अब बतौर कप्तान पहले दो टेस्ट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं, उन्होंने कोहली के 449 रनों को पछाड़ा। गिल दूसरे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने दो बार टेस्ट में 150 से अधिक रन बनाए हैं, उनसे पहले ऐसा 1980 में एलेन बॉर्डर ने पाकिस्तान के खिलाफ लाहौर में नाबाद 150 और 153 रन बनाकर किया था। गिल उन नौ बल्लेबाज़ों में से एक बन गए हैं, जिन्होंने एक टेस्ट में शतक और दोहरा शतक लगाया है। भारतीयों में ऐसा गिल से पहले गावस्कर ने किया था। दो भारतीय कप्तानों ने गिल से पहले एक टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाया था। गावस्कर ने 1978 में ईडन गार्डंस में वेस्टइंडीज के खिलाफ 107 और नाबाद 182, जबकि विराट कोहली ने 2014 में एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 115 और 141 रन बनाए थे। गिल साथ ही दूसरे भारतीय बल्लेबाज़ हैं, जिन्होंने इंग्लैंड में टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाया है। इससे पहले हेडिंग्ले में खेले गए पहले टेस्ट में ऋषभ पंत ने ऐसा किया था। मौजूदा भारतीय कप्तान के पास गावस्कर का 54 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ने का इस सीरीज में मौका है। जो काम सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और विराट कोहली जैसे दिग्गज बल्लेबाज नहीं कर पाए वह काम मौजूदा सीरीज में गिल कर सकते हैं। गिल सीरीज में जिस फॉर्म में खेल रहे हैं उसे देखते हुए वह महान डॉन ब्रैडमैन का एक सीरीज में 974 रन का विश्व रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। सीरीज में शेष तीन मैचों में उन्हें यह रिकॉर्ड तोड़ने के लिए 390 रन की जरूरत है।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2029 और 2031 के लिए बोली लगाएगा भारत

एजेंसी

बेंगलुरु। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई)के प्रवक्ता आदिल सुमारिवाला ने रविवार को कहा कि भारत इस साल के अंत में प्रक्रिया शुरू होने पर विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के 2029 और 2031 दोनों सत्र की मेजबानी के लिए बोली लगाएगा जिससे उसे इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के किसी एक सत्र की मेजबानी मिलने की उम्मीद है। खेल की वैश्विक संचालन संस्था विश्व एथलेटिक्स सितंबर 2026 में 2029 और 2031 दोनों सत्र के मेजबान की घोषणा करेगी। सदस्य देशों द्वारा मेजबानी रुचि व्यक्त करने की समय सीमा एक अक्टूबर 2025 है। विश्व एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष और एएफआई के पूर्व अध्यक्ष सुमारिवाला ने पीटीआई को बताया, ''हम 2029 और 2031 (चैंपियनशिप) के लिए रणनीतिक बोली लगाने जा रहे हैं। दोनों सत्र की मेजबानी एक साथ सौंपी जाएगी और जिस भी सत्र की मेजबानी हमें मिले वह ठीक है। उन्होंने कहा, ''अब भी कुछ समय है (प्रक्रिया शुरू होने में)। हम बोलियां सौंपेंगे। सुमारिवाला शनिवार को दोहरे ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा द्वारा अपनी मेजबानी में जीते गए एनसी क्लासिक अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता के पहले सत्र के लिए यहां आए थे। विश्व चैंपियनशिप के लिए शुरुआती आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि एक अप्रैल 2026 है। इच्छुक देशों को पांच अगस्त 2026 तक अंतिम बोली आवेदन प्रस्तुत करना होगा जिसके बाद विश्व एथलेटिक्स परिषद विश्व चैंपियनशिप के 2029 और 2031 सत्र के मेजबान शहरों की घोषणा करेगा। एएफआई ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की भारत की इच्छा के मद्देनजर कई प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं के लिए बोली लगाने का फैसला किया था। महासंघ ने पहले 2029 विश्व चैंपियनशिप के लिए बोली लगाने की बात की थी लेकिन 2031 सत्र के लिए 'रणनीतिक' बोली लगाने का विचार इस कारण से भी हो सकता है कि एशिया इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के 2025 और 2027 दोनों सत्र की मेजबानी कर रहा है और भारत के लिए इसके अगले सत्र की मेजबानी प्राप्त करना मुश्किल हो सकता है। विश्व चैंपियनशिप 2025 सितंबर-अक्टूबर में तोक्यो में आयोजित की जाएगी जबकि 2027 का टूर्नामेंट बीजिंग में होगा। ऐसी स्थिति में भारत के पास 2031 सत्र की मेजबानी हासिल करने का बेहतर मौका होगा। भारत को 2029 सत्र की मेजबानी देने का मतलब होगा कि एशिया लगातार तीन बार इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा।

संक्षिप्त समाचार

जायसवाल ने अपने प्रशंसक दृष्टिबाधित बच्चे रवि को ऑटोग्राफ वाला बल्ला दिया

बर्मिंघम। भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने अपने एक प्रशंसक दृष्टिबाधित बच्चे रवि को ऑटोग्राफ वाला बल्ला देकर उसकी मुराद पूरी कर दी। यह बच्चा भारतीय बल्लेबाज से मिलने के लिए बेताब था। क्रिकेट प्रशंसक रवि इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच से जायसवाल से मिलने की कोशिश कर रहे थे और शनिवार को यहां चल रहे दूसरे टेस्ट के चौथे दिन आखिरकार उनकी यह इच्छा पूरी हो गई। खेल के प्रति रवि के जुनून और उसके प्रति प्रेम से अभिभूत होकर, जायसवाल ने बच्चे को अपने ऑटोग्राफ वाला बल्ला उपहार में दिया, जिस पर संदेश लिखा था, ''रवि को प्यार के साथ शुभकामनाएं।'' भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में जायसवाल ने रवि से कहा, ''हैलो रवि, आप कैसे हैं? मैं यशस्वी हूं, आपसे मिलकर खुशी हुई। मैं आपसे मिलने के लिए वास्तव में उत्साहित था क्योंकि मुझे पता है कि आप क्रिकेट के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। मैं नहीं जानता कि मैं आपसे मिलने को लेकर नर्वस क्यों था। जायसवाल ने कहा, ''मेरे पास आपके लिए एक उपहार है३ मेरा बल्ला। मैं चाहूंगा कि आप इसे मेरी याद के रूप में रखें। आपसे मिलकर वास्तव में बहुत अच्छा लगा। इस पर रवि ने जवाब दिया: ''आपसे मिलकर मुझे भी बहुत खुशी हुई। बहुत-बहुत धन्यवाद। आप शानदार क्रिकेटर है। आप भारतीय क्रिकेट का भविष्य हैं। मुझे क्रिकेट पसंद है, मुझे आपकी बल्लेबाजी देखना पसंद है।

क्लब विश्व कप के सेमीफाइनल में आमने सामने होंगे रियाल मैड्रिड और पीएसजी

ईस्ट रदरफोर्ड (अमेरिका)। यूरोप के दो चोटी के क्लब रियाल मैड्रिड और पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे। रियाल मैड्रिड ने शनिवार की रात को खेले गए मैच में किलियन एमबाप्पे के दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में बाइसिकल किक से किए गए शानदार गोल की मदद से बोरूसिया डॉर्टमंड को 3-2 से हराया। गोंजालो गार्सिया और फ्रान गार्सिया ने पहले 20 मिनट में गोल करके मैड्रिड को 2-0 की बढ़त दिला दी। इससे मैड्रिड की जीत सुनिश्चित लग रही थी लेकिन दूसरे हाफ का इंजरी टाइम घटना प्रधान रहा जिसमें तीन गोल हुए। डॉर्टमंड के मैक्सिमिलियन बेयर ने इंजरी टाइम के तीसरे मिनट में गोल किया लेकिन एमबाप्पे ने एक मिनट बाद बाइसिकल किक से खूबसूरत गोल किया जिससे मैड्रिड ने फिर से दो गोल की बढ़त हासिल कर ली। सेरहो गुइरासी ने इंजरी टाइम के आठवें मिनट में पेनल्टी किक को गोल में बदल दिया। डॉर्टमंड को डीन हुइजसेन के फाउल करने के कारण यह पेनल्टी मिली थी। रियाल मैड्रिड के खिलाड़ी को रेड कार्ड मिला और वह सेमीफाइनल में नहीं खेल पाएंगे। इससे पहले एक अन्य क्वार्टर फाइनल मैच में पीएसजी ने बायर्न म्यूनिख को 2-0 से हराया। पीएसजी की तरफ से डिजायर डोउ और ओसमाने डेम्बले ने गोल किए। प्रतियोगिता के एक अन्य सेमीफाइनल में यूरोप के क्लब चेल्सी का ब्राजील के क्लब फ्लूमिनेंस से मुकाबला होगा।

युवाओं के बीच बढ़ रहा है मानसून में यात्रा का चलन : विशेषज्ञ

मुंबई। मानसून को आमतौर पर यात्रा के लिए सही समय नहीं माना जाता है, लेकिन इस बार 'जेनरेशन जेड' और 'मिलेनियल' इस मौसम में बढ़चढ़ कर यात्रा कर रहे हैं। उद्योग विशेषज्ञों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि रोमांच और प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने तथा इस समय कम खर्च और कम भीड़ के चलते मानसून में पर्यटन बढ़ रहा है। वर्ष 1981 से 1996 के बीच जन्मे लोगों को मिलेनियल और 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोगों को जेनरेशन जेड कहा जाता है। थॉमस कुक (इंडिया) के अध्यक्ष और देश प्रमुख (अवकाश, एमआईसीई, वीजा) राजीव काले ने बयान में कहा, ङ्कपारंपरिक रूप से यात्रा के लिए कम पसंद किया जाने वाला मौसम होने के बावजूद मानसून घूमने का आनंद लेने और बैकवॉटर से लेकर वन्यजीव सफारी, बाइकिंग ट्रेल्स, आध्यात्मिक सर्किट और आयुर्वेद उपचार तक के विशेष ऑफर के साथ रियायती दरों पर यात्रा का सही समय है। थॉमस कुक (इंडिया) के आंकड़ों के अनुसार, मानसून की छुट्टियों में भारत के युवाओं, कामकाजी पेशेवरों, युगल और सहकर्मियों की गहरी दिलचस्पी देखी जा रही है। एसओटीसी ट्रैवल के अध्यक्ष और देश प्रमुख (अवकाश एवं कॉरपोरेट यात्रा) एस डी नंदकुमार ने कहा कि अब छोटी अवधि की यात्रा अधिक लोकप्रिय हो रही हैं, क्योंकि लोग सप्ताहांत में इसकी योजना बना रहे हैं। लोग छोटी और नियमित छुट्टियां चाहते हैं। इक्सिगो ग्रुप के सह-मुख्य कार्यपालक अधिकारी रजनीश कुमार ने भी कहा कि इस साल मानसून के मौसम में मांग में अप्रत्याशित वृद्धि देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि इस साल गर्मी में कश्मीर में अशांति के कारण लोग अब घूमने की योजना बना रहे हैं।

जून में इलेक्ट्रिक कार की बिक्री में बड़ा उछाल: रिपोर्ट

चेन्नई। इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री में जून माह में कई गुना की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि परंपरागत ईंधन वाली यात्री कारों की बिक्री में इस दौरान कमजोर उपभोक्ता मांग के कारण गिरावट आई है। श्रीराम फाइनेंस के मोबिलिटी बुलेटिन में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के निष्कर्षों में कहा गया है कि निजी क्षेत्र द्वारा बढ़ती भर्तियों के कारण जून, 2025 में ट्रक किराये में मजबूती बनी रही। इसी के अनुरूप विभिन्न मार्गों पर 18-टन पेलोड के लिए वापसी किराये में वृद्धि हुई, चाहे वह दिल्ली-मुंबई-दिल्ली हो या दिल्ली-हैदराबाद-दिल्ली। सालाना आधार पर, जून, 2025 में ट्रक किराये में पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि मई, 2025 की तुलना में इसमें 1.3 प्रतिशत वृद्धि हुई। जून, 2025 में इलेक्ट्रिक मोटर कार की बिक्री बढ़कर 9,804 इकाई हो गई, जो जून, 2024 में सिर्फ 717 इकाई थी। शनिवार को जारी अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया कि मासिक आधार पर, इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री मई, 2025 में बेची गई 9,693 इकाइयों से मामूली एक प्रतिशत बढ़कर 9,804 इकाई हो गई।

मुझे गिल से काफी प्रेरणा मिली: सूर्यवंशी

नयी दिल्ली। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि वह शतक बनाने के बाद शुभमन गिल को बिना किसी दबाव के खेलते हुए देखकर प्रेरित हुए और भविष्य के मैचों में भारतीय टेस्ट कप्तान का अनुकरण करना चाहते हैं।

सूर्यवंशी ने शनिवार को वॉर्सेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ भारत अंडर-19 की तरफ से चौथे मैच में केवल 78 गेंदों पर 143 रन की शानदार पारी खेली और युवा एकदिवसीय मैचों में शतक बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए। सूर्यवंशी ने बीसीसीआई के 'एक्स' अकाउंट पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, ''मुझे उनसे (गिल से) काफी प्रेरणा मिली, क्योंकि मैंने उनका खेल देखा था। 100 और 200 रन बनाने के बाद भी वह सहजता से खेलते रहे। गिल ने बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया। उन्होंने पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाए। इस दौरान भारत की अंडर-19 टीम भी एजबेस्टन में थी। सूर्यवंशी ने कहा, ''मैं अगले मैच में 200 रन बनाने की कोशिश करूंगा।

नीदरलैंड के खिलाफ शानदार फील्ड गोल के लिए दीपिका पॉलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकित

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड दीपिका को पॉलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकित किया गया है। उन्हें यह उपलब्धि 2024-25 एफआईएच हॉकी प्रो लीग सीजन के दौरान विश्व नंबर एक नीदरलैंड के खिलाफ अपने अविश्वसनीय एकल फील्ड गोल के लिए मिली है। हॉकी इंडिया के अनुसार 2024-25 एफआईएच हॉकी प्रो लीग सीजन के लिए पॉलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकन शुक्रवार को जारी किए गए और वोट करने की अंतिम तिथि 14 जुलाई को सुबह 3:29 बजे (भारतीय समयानुसार) है। वोटिंग समाप्त होने के बाद विजेता की घोषणा की जाएगी। पॉलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के विजेता का फैसला दुनिया भर के हॉकी प्रशंसकों द्वारा इस आधार

पर किया जाता है कि उन्हें लगता है कि सीजन के दौरान सबसे अच्छा पल और गोल किसने किया। दीपिका का प्रतिष्ठित क्षण फरवरी 2025 में एफआईएच हॉकी प्रो लीग के भुवनेश्वर चरण के दौरान हुआ, जब भारतीय टीम ने कलिंगा स्टेडियम में 2-2 से ड्रॉ के बाद शूटआउट में नीदरलैंड को हराया। मैच में भारतीय टीम दो गोल से पीछे चल रही थी, लेकिन35वें मिनट में दीपिका ने एक शानदार फील्ड गोल किया था, जिससे टीम ने वापसी की और निर्धारित समय के बाद स्कोर 2-2 की बराबर था। इसके बाद शूटऑउट में भारतीय टीम ने नीदरलैंड को 2-1 से हरा दिया था। 21 वर्षीय इस बेहतरीन खिलाड़ी ने कहा, ''नीदरलैंड के खिलाफ किया गया वह गोल मेरे करियर के सबसे खास पलों में से एक है। सब कुछ ठीक रहा और इससे हमें बराबरी करने और शूटआउट में गेम जीतने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि मुझे पोलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकित किए जाने पर गर्व है और अपने प्रशंसकों के समर्थन के लिए आभारी हूँ। ऐसे पलों के लिए हम इतनी मेहनत करते हैं। आपके वोट और समर्थन मुझे अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने और भारत के लिए अपना सब कुछ देने के लिए प्रेरित करते हैं। मैं अपने कोच, सहयोगी स्टाफ़ और सबसे महत्वपूर्ण बात, अपने साथियों को उनके निरंतर प्रोत्साहन और मुझ पर विश्वास के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। दीपिका के गोल के अलावा, पोलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकित महिलाओं में दो और खिलाड़ी स्पेन की पेट्रीसिया अल्वारेज और ऑस्ट्रेलिया की हॉकीरूस हैं।

विंबलडन में 100 जीत दर्ज करने वाले तीसरे खिलाड़ी बने जोकोविच

लंदन। नोवाक जोकोविच विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के इतिहास में 100 जीत दर्ज करने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने तीसरे दौर में सर्बिया के हम वतन खिलाड़ी मिओमिर केकमानोविच पर 6-3, 6-0, 6-4 से जीत के साथ यह उपलब्धि हासिल की। उनसे पहले मार्टिना नवरातिलोवा और रोजर फ़ेडरर इस मुकाम पर पहुंचे थे। जोकोविच ने अपने 24 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से सात ऑल इंग्लैंड क्लब में जीते हैं। उन्होंने शनिवार को केकमानोविच के खिलाफ सेंटर कोर्ट पर पहले सेट में 3-3 के स्कोर से लगातार नौ गेम जीतकर आसानी से अगले दौर में प्रवेश किया। जोकोविच ने कोर्ट पर दिए साक्षात्कार में कहा, ''मैं अपने पसंदीदा टूर्नामेंट में जो भी इतिहास बनाऊंगा, उसके लिए मैं आभारी हूं। अपना 20वां विंबलडन टूर्नामेंट खेल रहे 38 वर्षीय जोकोविच का अगला मुकाबला 11वें नंबर के एलेक्स डी मिनाउर से होगा।

सीतारमण ने रूस, चीन के वित्त मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय सहयोग के मुद्दों पर चर्चा की

एजेंसी

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रूसी और चीनी समकक्षों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें कीं और द्विपक्षीय सहयोग और हितों के मुद्दों पर चर्चा की। ये बैठकें रियो डी जेनेरियो में 'ब्रिक्स' देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक के दौरान आयोजित की गईं। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि रूस के वित्त मंत्री एंटोन सिलुआनोव के साथ बैठक के दौरान सीतारमण ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा दिए गए समर्थन के लिए आभार जताया। दोनों नेताओं ने भारत-रूस दीर्घकालिक साझेदारी पर चर्चा की। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत और रूस के बीच आपसी विश्वास और समझ का स्तर अनुकरणीय है तथा हमारी विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी मजबूत और स्थिर बनी हुई है। दोनों पक्षों ने वित्तीय क्षेत्र में सहयोग के साथ-साथ नव विकास बैंक (एनडीबी) से संबंधित मामलों सहित द्विपक्षीय सहयोग के मुद्दों पर भी चर्चा की। सीतारमण ने चीनी समकक्ष लैन फोआन के साथ भी द्विपक्षीय बैठक की। दोनों नेताओं ने साझा समृद्ध मानव पूंजी, गहरे संबंधों और बढ़ते आर्थिक प्रभाव के कारण विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। वित्त मंत्रालय ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि दोनों नेताओं ने सितंबर, 2024 में समरकंद में एआईआईबी की वार्षिक बैठकों के दौरान हुई अपनी पिछली बैठक को याद किया। सीतारमण ने रेखांकित किया कि भारत और चीन समावेशी वैश्विक विकास और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए विशिष्ट स्थिति में हैं क्योंकि दोनों देश दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं हैं। वित्त मंत्री ने सुझाव दिया कि दोनों देशों के बीच गहन सहयोग से विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की आवाज को बढ़ाने में मदद मिलेगी, तथा वैश्विक आख्यानों को आकार देने में मदद मिलेगी, जो वैश्विक दक्षिण की प्राथमिकताओं और आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करेंगे। इंडोनेशिया के उप वित्त मंत्री थॉमस दजिवांदोनो के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान सीतारमण ने कहा कि भारत शीघ्र ही इंडोनेशिया आर्थिक एवं वित्तीय वार्ता की मेजबानी करने की आशा करता है। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पर कहा कि उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद इंडोनेशिया को उसके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। दोनों नेताओं ने ब्रिक्स, यूपीआई और रुपे, जी-20, एमडीबी सुधार, द्विपक्षीय व्यापार, पर्यटन, वित्तीय प्रौद्योगिकी और वित्तीय बाजारों पर भी चर्चा की।

एईआरबी ने गुजरात में दो स्वदेशी 700 मेगावाट के पीएचडब्ल्यूआर को परिचालन लाइसेंस दिया

नयी दिल्ली। भारत के परमाणु नियामक एईआरबी ने गुजरात के काकरापार परमाणु ऊर्ज़ा स्टेशन (केएपीएस) में दो स्वदेशी 700 मेगावाट के दाबयुक्त भारी जल रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) के लिए परिचालन लाइसेंस दिया है। केएपीएस-3 रिएक्टर को अगस्त, 2023 में पूरी क्षमता पर चालू किया गया था, जबकि केएपीएस-4 इकाई को एक साल बाद उसी महीने चालू किया गया। नियामक ने बयान में कहा, परमाणु ऊर्ज़ा नियामक बोर्ड (एईआरबी) ने डिजाइन और निष्पादन सुरक्षा समीक्षा पूरी कर ली है और देश के पहले 700 मेगावाट के स्वदेशी दाबयुक्त भारी जल रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) केएपीएस-3 और केएपीएस-4 की इकाइयों तीन और चार के संचालन के लिए लाइसेंस जारी कर दिया है। चूंकि 700 मेगावाट का रिएक्टर अपनी तरह का पहला रिएक्टर है, इसलिए लाइसेंसिंग प्रक्रिया में रिएक्टर डिजाइन की कठोर बहु-स्तरीय सुरक्षा समीक्षा और मूल्यांकन किया गया।

भारतीय किसानों को जलवायु परिवर्तन से निपटने में सक्षम बनाने को 75 अरब डॉलर की जरूरत: आईएफएडी

नयी दिल्ली। भारत में छोटे किसानों को जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से निपटने में सक्षम बनाने के लिए लगभग 75 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की जरूरत है। अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास कोष (आईएफएडी) के अध्यक्ष अल्वारो लारियो ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में वित्त पहुंचाना दुनियाभर में और भारत में ग्रामीण समुदायों के लिए एक गंभीर चुनौती है। लारियो ने साक्षात्कार में कहा कि भारत में आईएफएडी के लिए तीन बड़े सवाल हैं, ङ्कहम किसानों के लिए कृषि को अधिक लाभदायक कैसे बना सकते हैं, हम उत्पादकता को कैसे बढ़ा सकते हैं जबकि हम जलवायु झटकों से निपट रहे हैं और हम खाद्य सुरक्षा से पोषण सुरक्षा की ओर कैसे बढ़ सकते हैं। वैश्विक खाद्य संकट के जवाब में 1977 में स्थापित आईएफएडी एक विशेष संयुक्त राष्ट्र एजेंसी और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान है। यह ग्रामीण समुदायों में भुखमरी और गरीबी से निपटता है। ग्रामीण क्षेत्रों, खासकर छोटे और सीमांत किसानों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के बारे में पूछने पर लारियो ने कहा कि यह एक प्रमुख चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, छोटे किसानों को कई तरह के जलवायु झटकों से निपटने के लिए कम से कम 75 अरब अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता है। वित्त वर्ष 2015-16 की 10वीं कृषि जनगणना के अनुसार, दो हेक्टेयर से कम भूमि वाले छोटे और सीमांत किसान भारत के सभी किसानों का 86.2 प्रतिशत हैं, लेकिन उनके पास खेती की केवल 47.3 प्रतिशत भूमि है। उन्होंने कहा, भारत के मामले में हम मौसमी जल की कमी, बढ़ते तापमान, अधिक बार सूखे को देख रहे हैं। इसलिए ऐसे कई निवेश हैं जो वास्तव में वैश्विक स्तर पर इन छोटे किसानों की मदद कर सकते हैं।

सरकार पर्यावरण अनुकूल प्रक्रियाओं के लिए शीर्ष प्रदर्शन करने वाली खदानों को सम्मानित करेगी

जयपुर। खान मंत्रालय के तहत आने वाला भारतीय खान ब्यूरो (आईबीएम) सोमवार को जयपुर में एक राष्ट्रीय स्तर के समारोह में देश भर में शीर्ष प्रदर्शन करने वाली खदानों को सम्मानित करेगा। इस कार्यक्रम में 'स्टार रेटिंग' योजना के तहत पर्यावरण अनुकूल और जिम्मेदार खनन प्रक्रियाओं के पालन को मान्यता दी जाएगी। रविवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे, जबकि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और केंद्रीय कोयला एवं खान राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। खान मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव संजय लोहिया भी इस दौरान मौजूद रहेंगे। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित होने वाले सम्मान समारोह में 2023-24 के दौरान उनके प्रदर्शन के लिए सात-स्टार रेटिंग वाली तीन खदानों और पांच-स्टार रेटिंग वाली 95 खदानों को सम्मानित किया जाएगा। बयान में कहा गया है कि सत्र 2014-15 में शुरू की गई स्टार रेटिंग ऑफ माइंस पहल, पर्यावरण अनुकूल विकास ढांचे के भीतर खनन कार्यों का मूल्यांकन करती है।

इसका उद्देश्य खनन क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक कल्याण और आर्थिक विकास को बढ़ावा देकर जिम्मेदार खनन को प्रोत्साहित करना है, जिससे वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए समावेशी विकास को बढ़ावा मिले।

शेयर बाजारों के भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता के परिणाम, कंपनियों के साप्ताहिक नतीजों की प्रतीक्षा

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में पिछला सप्ताह निवेशकों की सतर्क चाल और मिले जुले वैश्विक संकेतों के बीच कारोबार का दायरा सीमित रहा। सप्ताह के दौरान प्रमुख शेयर सूचकांक सीमित दायरे में नीचे ऊपर होते रहे। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि विश्व स्तर पर भू राजनीतिक तनावों तथा अमेरिका के साथ विभिन्न देशों के व्यापार संबंधों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। भारतीय बाजारों में जून माह की तेजी के बाद भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के बारे में अनिश्चितता से विदेशी निवेशक सावधानी का रुख किए हुए

है। जुलाई के प्रथम सप्ताह में विदेशी संस्थागत निवेशकों की ओर से बिकवाली का दबाव भी बढ़ा हुआ है।

बाजार विश्लेषणों के अनुसार हाल के सत्रों में तेज उछाल के बाद बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में मुनाफावसूली का दौर देखने को मिला। मिश्रित वैश्विक संकेतों और भारत के खिलाफ ट्रम्प सरकार के आयात शुल्क संबंधी फैसले की 9 जुलाई की तारीख नजदीक आ गयी है। निवेशकों को अमेरिका के निर्णय की प्रतीक्षा है जो सात जुलाई को घोषित किया जा सकता है। विश्लेषकों के अनुसार भारतीय बाजार में शेयरों का मूल्यांकन अब भी ऊंचा है। स्पष्ट संकेतों के अभाव में विदेशी संस्थागत निवेशक सतर्क हो गए हैं लेकिन जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक बाजार को समर्थन बनाए हुए हैं। घरेलू निवेशकों के इस समर्थन से बाजार की स्थिति संभली हुई है। अमेरिका में प्रशुल्क दरों को लेकर अनिश्चितता से धातु, वाहन और वित्तीय क्षेत्र के शेयर दबाव में दिखे ,पर बड़े रक्षा खरीद सौदे के सरकार के फैसलों से उत्साहित रक्षा शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया, जो रणनीतिक क्षेत्रों पर सरकार के निरंतर ध्यान को दर्शाता है। सरकार ने इसी सप्ताह 1.06 लाख करोड़ रुपये के रक्षा खरीद के प्रस्तावों को मंजूरी दी है जिसका अधिकतर ठेका घरेलू कंपनियों को जाएगा। मुद्रास्फीति में कमी और ब्याज दरों में गिरावट जैसी अनुकूल स्थितियों तथा मानसून के अच्छा होने से बाजार की भावना को बल मिल रहा है। जानकारों का कहना है कि अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता के बाद कोई अच्छा समझौता निकल है तो स्थानीय शेयर बाजार उसका जोरदार स्वागत करेंगे। अमेरिका के साथ अच्छे व्यापारिक संबंध से आईटी, फार्मा और ऑटो जैसे निर्यात की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों को लाभ होने की उम्मीद है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

अपराधियों का अंत होने से प्रदेश ग्रोथ इंजन बनकर उभर रहा है : पर्यटन मंत्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने रविवार को लॉजिस्टिक योजनांतर्गत फिरोजाबाद-फतेहाबाद मार्ग से रामदासपुरा यमुना नदी पुल तक मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। इस स्वीकृत मार्ग की लंबाई 9.5. किलोमीटर है जो 5631 लाख रुपए की लागत से निर्मित हो रहा है। इस अवसर पर बोलते हुए पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि इस मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण से इस पिछड़े इलाके का विकास होगा। साथ ही रोजगार के नये अवसर पैदा होंगे। यहाँ के युवाओं को रोजगार हेतु अन्यत्र नहीं जाना पड़ेगा। हमारी सरकार में कानून का राज्य स्थापित होने से अपराधियों और आतंकियों का अंत हुआ है। यही कारण है कि हमारा प्रदेश ग्रोथ इंजन बनकर उभर रहा है। उन्होने वहां उपस्थित पीडब्ल्यूडी के एक्सियन को निर्देशित करते हुए कहा कि इस महत्वपूर्ण मार्ग के चौड़ीकरण ओर सुदृढ़ीकरण के कार्य में 1 साल से ज्यादा का समय नही लगना चाहिए। इस अवसर डीएम रमेश रंजन ने कहा कि इस मार्ग के चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण से यहाँ के लोगों को आवागमन की सुविधा तो होगी, साथ ही साथ औद्योगिक विकास की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। प्लेज पार्क इत्यादि की स्थापना से यहाँ के युवाओ को रोजगार के नये अवसर पैदा होंगे। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह व सीडीओ शत्रोहन वैश्य ने भी इस मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण होने से इस क्षेत्र में होने वाले विकास पर चर्चा की। इस मौके पर पीडब्ल्यूडी एक्सियन अतर सिंह, खंड विकास अधिकारी नवीन कुमार और एसडीएम गजेंद्र पाल आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

वाराणसी के चांदपुर में सड़क चौड़ीकरण में मुख्य नाला हुआ बंद, गोदामों में घुसा पानी

वाराणसी। जिले के चांदपुर क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण अभियान में मुख्य नाले को बंद कर दिए जाने से वहां व्यापारियों के गोदामों में बारिश का पानी भरने लगा है। इसके चलते महंगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, सामग्री व स्टॉक खराब होने की आशंका बढ़ गई है। प्रभावित व्यापारियों ने प्रदेश सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। रविवार को एक निजी हॉस्पिटल के निदेशक एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. राजीव कुमार गुप्ता के नेतृत्व में चांदपुर क्षेत्र के 12 से अधिक व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल प्रदेश के आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' से उनके सिगरा स्थित कैंप कार्यालय में मिला। व्यापारियों ने बताया कि बाटा मोड़ तिराहे के पास गांधी क्लॉथ के बगल में चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य के दौरान विभाग ने मुख्य नाले को पूरी तरह से बंद कर दिया है, जिससे जल निकासी की व्यवस्था बाधित हो गई है। नतीजतन हल्की बारिश में ही पानी का बहाव रुककर व्यापारिक प्रतिष्ठानों में प्रवेश कर रहा है। व्यापारियों ने एक स्वर में नाला पुनः खोलने या वैकल्पिक निकासी व्यवस्था शीघ्र बहाल करने की मांग की। व्यापारियों की शिकायत सुनने के बाद आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु ने तत्काल जिलाधिकारी से दूरभाष पर वार्ता कर मामले की गंभीरता से जानकारी दी और इसके शीघ्र समाधान के लिए निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि शासन और सरकार की मंशा यह है कि विकास कार्यों के दौरान आमजन विशेषकर व्यापारिक वर्ग को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने अफसरों से कहा कि गोदामों में पानी का प्रवेश केवल आर्थिक हानि ही नहीं बल्कि सरकारी कार्यों, योजनाओं की छवि पर भी प्रभाव डाल सकता है।

डॉ. मुखर्जी एक दूरदर्शी राजनेता और राष्ट्रवादी चिंतक थे : आनंद शाही

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

देवरिया। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने न्यू कॉलोनी स्थित डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी फिटनेस पार्क में साफ सफाई और जयंती कार्यक्रम आयोजित किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने डॉ मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता आनन्द प्रकाश शाही ने कहा कि डॉ. मुखर्जी केवल एक विद्वान नहीं थे, वे एक दूरदर्शी राजनेता और राष्ट्रवादी चिंतक भी थे। वे मानते थे कि भारत की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। नेहरू सरकार से मतभेद होने के बावजूद, सिद्धांतों के साथ कोई समझौता नहीं किया। जब कश्मीर में धारा 370 लगाई गई एवं भारतीय नागरिकों को बिना परमिट प्रवेश की अनुमति नहीं थी। तब उन्होंने एक प्रधान , एक निशान एक विधान का नारा देकर आंदोलन किया और बलिदान हुए। निवर्तमान नगर अध्यक्ष संजय पांडेय ने कहा कि आज जब भारत वैश्विक मंच पर आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है, तब डॉ. मुखर्जी की सोच और नीतियाँ हमें मार्गदर्शन देती हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता दुर्गेश नाथ त्रिपाठी ने कहा कि डॉ मुखर्जी ने हमें सिखाया राष्ट्र पहले संविधान सर्वोपरि और जनसेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। इस अवसर पर जिला मीडिया प्रभारी प्रभाकर तिवारी, पूर्व मीडिया प्रभारी अंबिकेश पांडे, पूर्व नगर महामंत्री दुर्गेश नाथ त्रिपाठी, अखिलेश मिश्रा एडवोकेट, किसान मोर्चा के मीडिया प्रभारी अजय दुबे वत्स, सोशल मीडिया के जिला संयोजक शुभम त्रिपाठी, पवन गुप्ता सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

आईआईए ने हस्तकला व गृह सज्जा को एनआईसी कोड आवंटित करने की उठाई मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुरादाबाद। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) के पदाधिकारियों ने रविवार को संयुक्त आयुक्त उद्योग योगेश कुमार से मुलाकात की। इस दौरान पदाधिकारियों ने एक जिला एक उत्पाद योजना (ओडीओपी) के अंतर्गत हस्तकला व गृह सज्जा को एनआईसी कोड आवंटित किए जाने की मांग की और ज्ञापन सौंपा।

आईआईए पदाधिकारियों ने योगेश कुमार को बताया कि हस्तकला व गृह सज्जा को एनआईसी कोड आवंटित नहीं है। जिस कारण मुरादाबाद उद्यमियों को इसका लाभ मिल नहीं मिल पाता है। आईआईए ने संयुक्त आयुक्त उद्योग को यह भी बताया कि हरथला इंडस्ट्रियल एरिया में कुछ फैक्ट्रियां आशियाना फीडर से जोड़ दी गई है, जबकि कुछ फैक्ट्रियां अभी भी अगवानपुर फीडर पर ही चल रही हैं। जिस कारण विद्युत व्यवस्था आये दिन खराब होती रहती है और उद्यमियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। अतः आपसे अनुरोध है कि मामले को संज्ञान में लेते हुए सभी इकाइयों को आशियाना फीडर से जोड़ा जाए। इस मौके पर आईआईए से राष्ट्रीय सचिव संजय गुप्ता, हैंडीक्राफ्ट डेवलपमेंट कमेटी के अध्यक्ष सुरेश गुप्ता, चैप्टर अध्यक्ष रवि कटारिया, सचिव राजेश भारतीय मौजूद रहे।

कांवड़ मार्ग के मुस्लिम व्यापारी अपना नाम न छुपाएं: अरविंद अग्रवाल जौनी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश संयुक्त व्यापार मंडल पश्चिम उत्तर प्रदेश इकाई ने कांवड़ मार्ग के मुस्लिम व्यापारियों को अपना नाम न छुपाने और सभी वर्गों से कांवड़ियों से अभद्र व्यवहार न करने की अपील की है। व्यापार मंडल ने जिले की सीमा में कावंड़ियों पर पुष्पवर्षा करने की फैसला किया है। रविवार को संपन्न हुई बैठक में उत्तर प्रदेश संयुक्त व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल जानी ने कहा कि कांवड़ मार्गों पर स्थित होटलों व दुकानों के नाम मुस्लिम व्यापारी न छुपाएं। शिवभक्त के मांगने पर मुस्लिम दुकानदारों को अपनी आईडी दिखाएं। उन्होंने कहा कि 11 जुलाई से सावन मास शुरू होते ही कांवड़ यात्रा शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी व्यापारी भाई कांवड़ियों के प्रति आस्था का सम्मान रखें, जिससे कांवड़ियों और व्यापारियों में भ्रम की स्थिति पैदा न हो। उन्होंने कहा कि कोई भी मुस्लिम व्यापारी अपना नाम न छुपाएं, बल्कि अपना धर्म सभी के सामने बिना डर के जाहिर करें। साथ ही अपनी आईडी यदि कोई शिव भक्त मांगता है तो उसे तुरंत दिखाएं, इससे धर्म की आड़ में किसी का उत्पीड़न नहीं होगा। बैठक में प्रदेश महामंत्री विपिन गुप्ता ने कहा कि व्यापार मंडल के पदाधिकारी व्यापारी हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा करेंगे। उन्होंने कहा कोई भी हिंदू मुस्लिम भाई कांवड़ियों के साथ गलत व्यवहार न करें। इस मौके पर आदेश गुप्ता, संजय अग्रवाल, आयुष अग्रवाल, सुप्रीत खन्ना, पंकज गुप्ता, निजाम हैदर, उस्मान अली, प्रदीप अग्रवाल, अजय गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

सलाहकार संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)

डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)

स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर

समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस (से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्कमुख्यालय
कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल : noidarp@gmail.com
प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

कलाकार को बहुआयामी बनाती है नौटंकी

विनोद रस्तोगी स्मृति संस्थान की नाट्य कार्यशाला का समापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। विनोद रस्तोगी स्मृति संस्थान, प्रयागराज द्वारा आयोजित सात दिवसीय ग्रीष्मकालीन नाट्य कार्यशाला का समापन रविवार को हुआ। इस अवसर पर भारतेंदु नाट्य अकादमी के पूर्व छात्र एवं वरिष्ठ रंगकर्मी शिव गुप्ता तथा रंगमंचीय प्रकाश संयोजन विशेषज्ञ सुजॉय घोषाल ने प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। श्री गुप्ता ने कार्यशालाओं के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर युवा रंगकर्मियों को भविष्य में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालयों जैसे संस्थानों में प्रवेश हेतु सशक्त आधार प्रदान करते हैं। कार्यशाला का संचालन वरिष्ठ रंगकर्मी एवं केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के परफॉर्मिंग आर्ट्स विभाग में सहायक प्रोफ़ेसर डॉ. मुकेश उपाध्याय द्वारा किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों को रंगमंच के विविध आयामों, अभिनय की तकनीकों, शारीरिक व्यायामों एवं रंगमंचीय खेलों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। संस्थान के अध्यक्ष अभिलाष नारायण एवं उपाध्यक्ष अजय मुखर्जी ने भी नौटंकी की कुछ झलकियों का सजीव प्रस्तुतीकरण करते हुए युवाओं को इस लोक विधा में प्रशिक्षण लेकर इसके संवर्धन हेतु प्रेरित किया। कार्यशाला के अंतिम दो दिवस उत्तर प्रदेश की समृद्ध लोकनाट्य परम्परा ल्नौटंकीह्न को समर्पित रहे। प्रतिभागियों को नौटंकी की गायकी, लय, धुन एवं अभिनय शैली से परिचित कराने हेतु संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित लोकनाट्य विशेषज्ञ उदय चंद परदेसी को आमंत्रित किया गया। जिन्होंने नौटंकी में संगीत की केंद्रीय भूमिका पर प्रकाश डाला। कहा कि नौटंकी एक ऐसी सम्पूर्ण विधा है जिसमें संगीत, नृत्य एवं अभिनय का समावेश होता है, जो कलाकार को बहुआयामी बनाती है।

वृक्षों का मनुष्य के जीवनकाल में महत्वपूर्ण योगदान : नरेंद्र कश्यप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बिजनौर। प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांग जनशक्तिकरण विभाग नरेंद्र कश्यप ने रविवार को लोक निर्माण विभाग निरीक्षण विभाग परिसर में सिंदूर का पौधा रोपित किया। उन्होंने स्वच्छ पर्यावरण के लिए वृक्ष की उपयोगिता के बारे में बताया। मंत्री ने कहा कि वृक्ष जलवायु परिवर्तन तथा आक्सीजन के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। वृक्षों की कमी होने से मौसम परिवर्तन होकर गर्मी बढ़ रही है इसलिए बड़ी संख्या में पौधारोपण आवश्यक है। जिससे जलवायु परिवर्तन खतरनाक स्थिति में नहीं होने पाएगा। इस मौके पर दिव्यांग अधिकारी अजय कुमार व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

राजनगर एक्सटेंशन में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा ने बिखेरा भक्ति का प्रकाश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गाजियाबाद। राजनगर एक्सटेंशन में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा रविवार को निकाली गई, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव का भव्य आयोजन इस्कॉन टेंपल के तत्वावधान में किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री सुनील शर्मा मुख्य अतिथि थे। यह रथ यात्रा स्थानीय शिव मंदिर से प्रारंभ होकर पूरे राजनगर एक्सटेंशन में भ्रमण करते हुए पुनः वहीं संपन्न हुई। हजारों की संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया और भक्ति संगीत पर नृत्य कर भगवान के प्रति प्रेम व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान श्रीमन् दामोदर लीला प्रभु जी (वरिष्ठ भक्त, इस्कॉन) ने इस्कॉन के कुमाऊं एवं उत्तराखंड के ज़ोनल सुपरवाइज़र श्रीमान आदि करता प्रभु जी का स्मृति चिन्ह, पुष्प माला और फूलों से भव्य स्वागत किया। महोत्सव की शोभा बढ़ाने के लिए बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भगवान की झांकियों का मनोहारी प्रस्तुतीकरण किया। इस्कॉन के ब्रह्मचारियों द्वारा संकीर्तन पर किया गया। नृत्य तथा आधुनिक रॉक बैंड के साथ कीर्तन ने भक्तों को भावविभोर कर दिया। आयोजकों का कहना है कि आयोजन का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों के बीच प्रेम, एकता और भगवान के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है। इस्कॉन का सदैव प्रयास रहा है कि श्रीकृष्ण और श्रीजगन्नाथ जी की लीलाओं और उपदेशों को जन-जन तक पहुंचाया जाए। गाज़ियाबाद विकास मंच के संयोजक अभिषेक शर्मा व उनकी पूरी टीम एवं वरिष्ठ समाजसेवी निखिल त्यागी व उनकी टीम ने प्रसाद वितरण, यात्रा प्रचार-प्रसार और जन-जागरण जैसे विभिन्न कार्यों में भागीदारी निभाई।

धार्मिक नाम रखकर नॉनवेज परोसने से माहौल बिगड़ता है : कपिल देव अग्रवाल

राज्यमंत्री बोले, ढाबा संचालक स्पष्ट करें कि उनके यहां वेज-नॉनवेज क्या बनता है

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुरादाबाद। कांवड़ यात्रा में ढाबों पर नेम प्लेट लगाना एक संवेदनशील मुद्दा है। धार्मिक नाम रखकर नॉनवेज परोसने से माहौल बिगड़ता है। ढाबा संचालक स्पष्ट करें कि उनके यहां वेज-नॉनवेज क्या बनता है। ऐसे ढाबा संचालक अपना असली नाम प्रदर्शित करें। यह बातें उत्तर प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) स्वतंत्र कपिल देव अग्रवाल ने रविवार को जनपद संभल की तहसील चंदौसी क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन द्वारा सशक्त युवा सशक्त महिला मैराथन दौड़ के अवसर पर पत्रकारों से वार्ता करते हुए कही।

चंदौसी में आयोजित मैराथन दौड़ में बतौर मुख्य अतिथि राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिलदेव अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि किसी को भी खाना बनाने या ढाबा चलाने से नहीं रोका जा रहा है। मंत्री ने कहा कि कुछ लोग धार्मिक नामों जैसे गणपति ढाबा, वैष्णो ढाबा या दुर्गा ढाबा के नाम से अपना व्यवसाय चला रहे हैं। लेकिन वहां नॉनवेज भी परोसा जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे ढाबा संचालक अपना असली नाम प्रदर्शित करें। प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि उनके क्षेत्र से लोग केदारनाथ, बद्रीनाथ और गंगोत्री जाते हैं। कई बार धोखे से नॉनवेज परोसे जाने से विवाद की स्थिति बनी है। उन्होंने कहा कि ढाबा संचालक स्पष्ट करें कि उनके यहां वेज-नॉनवेज क्या बनता है। उन्होंने योगी सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में कोई दंगा नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी की सरकार में नफरत फैलाने का काम हुआ। उन्होंने कहा कि सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है। मैराथन दौड़ कार्यक्रम में पूर्व मंत्री व बदायूं विधायक महेश चंद्र गुप्ता, श्रीकल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम, भाजपा जिलाध्यक्ष चौधरी हरेंद सिंह रिंकू, संभल जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया, पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने भी भाग लिया। युवाओं की प्रगति के लिए एक अच्छा आयोजन राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन द्वारा सशक्त युवा सशक्त महिला मैराथन दौड़ कराना युवाओं की प्रगति के लिए एक अच्छा कार्यक्रम है। देश कैसे आगे बढ़े इसकी कल्पना युवाओं की सेवा के साथ सामूहिक शक्ति और संगठन की शक्ति के साथ पूरी हो सकती है। भारतीय सशक्तिकरण एवं 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए युवा को जोड़ा जाए युवा की शक्ति आगे बढ़े।